संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ● लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ● हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित ... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 12, अंक : 104, पृष्ठ : 12, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), गुरुवार 21 नवंबर 2024, मूल्य : 5 रूपये RNI No.- UPHIN/2013/52076

झारखंड 67.59% और महाराष्ट्र में 58.25% मतदान

दोनों राज्यो मे शांतिपूर्ण तरीके से हुआ मतदान, 4 राज्यों की 15 विधानसभा और नांदेड़ लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव की वोटिंग खत्म

23 नवंबर को रिजल्ट आएगा

एजेंसी

रांची/मुंबई » झारखंड विधानसभा की 38 और महाराष्ट्र की 288 सीटों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार शाम मतदान शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया तथा इस दौरान क्रमश» 67.59 और 58.25 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने यहां बताया कि 38 विधानसभा क्षेत्र में आज सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और पांच बजे शाम समाप्त हो गया और इस दौरान 67.59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इन क्षेत्रों के 31 मतदान केंद्रों पर शाम 4 : 00 बजे शाम ही मतदान समाप्त हुआ था जबकि शेष मतदान केंद्रों पर पांच बजे शाम मतदान समाप्त हुआ।

दूसरे चरण के चुनाव में कुल 528 उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में आज बंद हो गई। इसमें 472 पुरूष और 55 महिला उम्मीदवार हैं जबकि एक ट्रांसजेंडर उम्मीदवार है। जिन प्रमुख उम्मीदवारों की किस्मत आज ईवीएम में बंद हुई उनमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो, ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मंत्री रणधीर सिंह, भाकपा माले के विनोद कुमार सिंह, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, पूर्व मंत्री स्टीफन मरांडी, भाजपा के लोबिन हेंब्रम, भाजपा के अनंत कुमार ओझा, कांग्रेस के जेपी भाई पटेल और जेएलकेएम के जय राम महतो शामिल हैं।राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, विधानसभा में विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो , सांसद निशीकांत दूबे समेत अन्य नेताओं ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मताधिकार का प्रयोग किया।

उधर, महाराष्ट्र की 288 विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया, जो शाम छह बजे तक चला। इस दौरान 58.25 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य में गढचिरौली में सबसे अधिक 69.63 प्रतिशत और मुंबई सिटी में सबसे कम 49.07 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि राज्य के कुछ मतदान केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में खराबी आने पर मतदान प्रकिया बाधित हुई और मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं को लम्बी कतार में अपनी बारी का इंतजार करते हुए देखा गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 4136 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला आज इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद हो गया। राज्य के पांच करोड़ से अधिक पुरुष, 4.68 करोड़ से अधिक महिला और 6101 ट्रांसजेंडर सहित 9.70 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार की किस्मत ईवीएम में बंद कर दी। मतदान के लिए कुल 1,00,427 केंद्र बनाये गये थे। मतदान केंद्रों पर 1,64,996 बैलेट यूनिट, 1,19,439 कंट्रोल यूनिट और 128531 वीवीपैट मशीनें लगी हुई थी। विधानसभा की सभी सीटों पर महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच सीधा मुकाबला रहा। वहीं वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए), बहुजन समाज पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन और अन्य छोटी पार्टियों ने भी दोनों मोर्चों के सामने चुनौती खड़ी की।

हिंसा की छिटपुट घटनाओं को छोड़कर आमतौर पर मतदान शांतिपूर्ण रहा। आयोग ने बताया कि राज्य में शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से मतदान कराने के लिए हरसंभव प्रयास किये गये थे। मतदान के दौरान नासिक जिले के नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना (शिंदे गुट) के उम्मीदवार सुहास कांडे और निर्दलीय उम्मीदवार समीर भुजबल के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। निर्दलीय उम्मीदवार भुजबल ने आरोप लगाया कि श्री कांडे मतदान के दिन नांदगांव निर्वाचन क्षेत्र से गुजरते समय एक वाहन में सैकड़ों बाहरी लोगों को लेकर आ रहे थे।

यूपी उपचुनाव में हिंसा, पंजाब में आप-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े

लखनऊ/चंडीगढ़ » यूपी के मुजफ्फरनगर जिले की मीरापुर सीट पर उपचुनाव की वोटिंग के दौरान भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। पुलिस को जान बचाकर भागना पड़ा। बाद में ककरौली थाने के इंस्पेक्टर राजीव शर्मा ने भीड़ को खदेड़ने के लिए वहां मौजूद महिलाओं पर रिवॉल्वर तान दी और कहा- यहां से चली जाओ, नहीं तो गोली मार दूंगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया ङ्क पर रिवॉल्वर ताने हुए इंस्पेक्टर का वीडियो शेयर करते हुए उन्हें निलंबित करने की मांग की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये फुटेज जारी करके लिखा- इंस्पेक्टर रिवॉल्वर से धमकाकर वोटर्स को वोट डालने से रोक रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये फुटेज जारी करके लिखा- इंस्पेक्टर रिवॉल्वर से धमकाकर वोटर्स को वोट डालने से रोक रहे हैं। यूपी के करहल में वोटिंग के बीच दलित युवती की हत्या : उत्तर प्रदेश में करहल, मीरापुर, ककरौली, सीसामऊ सीट, मुजफ्फरनगर में पुलिस से झड़पें हुईं। करहल में वोटिंग के बीच दलित युवती की हत्या कर दी गई। पिता ने आरोप लगाया कि सपा को वोट देने से मना करने पर युवक ने बेटी को मार डाला। चुनाव आयोग ने सपा की शिकायत पर 7 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है।

आप कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प - पंजाब के डेरा बाबा नानक में कांग्रेस और,क्क समर्थकों में वोटिंग को लेकर झड़प हो गई। उन्हें शांत कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आरोप लगाया है कि पंजाब की आप सरकार गुंडागर्दी कर रही है।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
25.0°C	17.0°C

संक्षिप्त समाचार

मुर्मु आज से रहेंगी दो दिवसीय तेलंगाना के दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली » राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार से दो दिवसीय तेलंगाना का दौरा करेंगी और यहां कई कार्यकर्मों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, श्रीमती मुर्मु 21 नवम्बर (कल) को हैदराबाद में कोटि दीपोत्सवम-2024 में शामिल होंगी और 22 नवंबर (शुक्रवार) को हैदराबाद में लोकमंथन-2024 में उद्घाटन भाषण देंगी। लोक मंथन देश की सांस्कृतिक विविधता का एक वार्षिक उत्सव है और इस बार यह हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में 21-24 नवम्बर तक आयोजित किया गया है। इसका औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को करेंगी।

घर की छतों पर सोलर पैनल लगाना हुआ आसान : आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली » दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को दिल्ली सोलर पोर्टल को लांच करते हुए कहा कि लोगों को अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाना आसान हो गया है। सुश्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में रहने वाला कोई भी व्यक्ति यदि अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना चाहता है, उसके लिए दिल्ली सोलर पोर्टल एक सिंगल विंडो सॉल्यूशन है, जिसपर सोलर पैनल लगवाने के लिए जरूरी सारी जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने साझा किया कि लोग दिल्ली सोलर पोर्टल पर जाकर सभी जानकारी हासिल कर सकते है। पोर्टल पर इम्पेनल्ड वेंडरों और पैनल लगाने में आने वाले खर्च के विषय में भी जानकारी ले सकेंगे और घर बैठे ही सोलर पैनल लगवा सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बंगाल की दिया मुखर्जी ने फैब्रिक पेंटिंग से लोगों को आकर्षित किया

एजेंसी

नई दिल्ली » राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में चल रहा 43वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला युवा-युवतियों को अपने उद्यमशीलता प्रदर्शित करने का मंच दे रहा है। इसी तरह के युवाओं में पश्चिम बंगाल की आर्टिस्ट दिया मुखर्जी भी हैं, जो शौकिया तौर पर चित्रकार हैं और अपनी कला को फैब्रिक पर पेंट करती हैं। भारत मंडपम के हॉल नंबर 10 के एक स्टाल पर अपनी पेंटिग की पृष्ठभूमि में तुलिकाओं और रंग के साथ एक टीशर्ट पर राधा कृष्ण का चित्र बनाते हुये दिया ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, 'मैंने सरकारी या निजी क्षेत्र में नौकरी की उम्मीद रखने की बजाए अपने शौक को चुना है और अब अपने हुनर को दुनिया के सामने लाकर खासकर अपनी उम्र के युवाओं को अपनी कलात्मक शौक को अभिव्यक्ति देने के रास्ते को चुनने के लिये जागरूक कर रही हूं।'

दिया ने बातचीत में कहा, 'मुझे शुरू से ही पेंटिंग करने का शौक था लेकिन फिर भी मैंने साइंस में पढ़ाई पूरी की और एक निजी कंपनी में नौकरी की। बाद में, नौकरी से मन ऊबने लगा तब मुझे लगा नौकरी करना मेरे बस में नहीं है, मेरा शौक और पेशा कला है और इस क्षेत्र में ही कुछ अलग करना है। इसलिये मैंने अपने सीनियर से पेंटिंग करने का प्रशिक्षण लिया।'दिया मुखर्जी टीशर्ट, कुर्ते और परिधानों के अलावा ज्वैलरी पर हैंड पेंटिंग करती हैं और यह उनका रोजगार बन चुका है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने शौक को हुनर में बदलकर, अपने साथ-साथ दूसरों की भी मदद कर सकता है और कोई भी कलाकार हर वर्ग के व्यक्ति को अपने शौक को हुनर में बदलने के लिये प्रेरित कर सकता है।

गुयाना और बारबाडोस मोदी को अपने देश का शीर्ष नागरिक सम्मान प्रदान करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली » गुयाना और बारबाडोस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश का शीर्ष नागरिक सम्मान प्रदान करेंगे और इस तरह श्री मोदी को मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 19 हो गयी है ।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक गुयाना श्री मोदी को अपना सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान करेगा। इसके साथ ही बारबाडोस उन्हें प्रतिष्ठित मानद 'ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस' से सम्मानित करेगा। इससे पहले हाल में डोमिनिका ने भी श्री मोदी को अपने सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार- 'डोमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनर' की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री के गुयाना पहुंचने पर अभूतपूर्व स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए स्वयं राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली, प्रधानमंत्री मार्क एंथोनी फिलिप्स, वरिष्ठ मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री मोदी ने उनका आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि इस यात्रा से दोनों देशों देशों के बीच मित्रता और गहरी होगी।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल की यात्रा पर रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली » थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी बुधवार को नेपाल की यात्रा पर रवाना हुए, जो भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

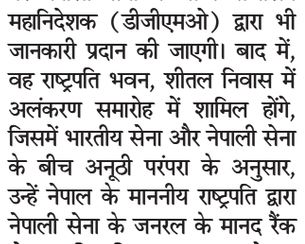

मंत्रालय के बयान में कहा कि वह 20 से 24 नवंबर तक अपनी नेपाल की यात्रा के दौरान, जनरल द्विवेदी नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव के साथ बातचीत करेंगे और उसके बाद वह रक्षा मंत्रालय के शशि भवन में नेपाली थल सेनाध्यक्ष जनरल अशोक राज सिगडेल के साथ अनौपचारिक चर्चा करेंगे। जनरल द्विवेदी को 21 नवंबर को नेपाली सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद नेपाली सेना के सीओएएस के साथ उनकी बातचीत होगी।जनरल द्विवेदी को दोनों देशों के सामान्य हित के मुद्दों पर नेपाली सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) द्वारा भी जानकारी प्रदान की जाएगी। बाद में, वह राष्ट्रपति भवन, शीतल निवास में अलंकरण समारोह में शामिल होंगे, जिसमें भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच अनूठी परंपरा के अनुसार, उन्हें नेपाल के माननीय राष्ट्रपति द्वारा नेपाली सेना के जनरल के मानद रैंक से सम्मानित किया जाएगा।वह नेपाल के राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे और भारत और नेपाल के बीच रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देने वाले विषय पर बातचीत करेंगे। शाम को वह नेपाली सेना प्रमुख द्वारा आयोजित भोज में शामिल होंगे।

भारतीय सेनाध्यक्ष 22 नवंबर को शिवपुरी में नेपाली सेना कमान एवं स्टाफ कोर्स के छात्रों को संबोधित करेंगे। दिन में जनरल द्विवेदी नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और रक्षा मंत्री मनबीर राय से मुलाकात करेंगे और परस्पर हितों के मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जनरल द्विवेदी 23 नवंबर को पोखरा में पूर्व सैनिक रैली में हिस्सा लेंगे, जिसमें वह वीर नारियों और वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे। रैली के दौरान, वह भारतीय सेना के दिग्गजों के साथ भी बातचीत करेंगे, जो नेपाल में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। सेना प्रमुख पश्चिमी डिवीजन मुख्यालय, नेपाली सेना का दौरा करेंगे और उन्हें जनरल ऑफिसर कमांडिंग, पश्चिमी डिवीजन, नेपाली सेना की उपस्थिति में जानकारी प्रदान की जाएगी। शाम को सेना प्रमुख काठमांडू में गणमान्य व्यक्तियों के लिए भोज का आयोजन करेंगे।

तेलंगाना में जाति जनगणना का काम 70 फीसदी पूरा : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली » कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के लिए जाति जनगणना को जरूरी बताते हुए बुधवार को कहा कि तेलंगाना सरकार ने जाति जनगणना का 70 फ़ीसदी काम पूरा कर लिया है और जल्द ही इस काम को पूरा कर लिया जाएगा। श्री गांधी ने कहा,'तेलंगाना में हमारी सरकार ने जातिगत गिनती का 70 प्रतिशत से ज़्यादा काम पूरा कर लिया है। जल्द ही पूरे राज्य का विस्तृत डेटा सरकार के पास होगा, जिसका इस्तेमाल हम नीतियां बनाने और सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए करेंगे।' उन्होंने कहा,'जाति जनगणना उन सभी महत्वपूर्ण कदमों में से पहला कदम है जो अगले कुछ दशकों में संपूर्ण विकास के लिए योजना बनाने में मदद करेगा। यही कारण है कि मैं बार-बार देश में एक व्यापक जातिगत जनगणना करवाने की मांग कर रहा हूं। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने रास्ता दिखाया है, राष्ट्रीय स्तर पर भी हम एक व्यापक जातिगत जनगणना करवा कर रहेंगे।'

यूपी के सोलर पावर मॉडल को अपनाएंगे अन्य राज्य

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ » मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उन्नति की कहानी से पूरा देश रूबरू होगा। केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित की जा रही रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन गुड गवर्नेंस में यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा। कॉन्फ्रेंस में देशभर से आए आईएएस अफसर जानेंगे कि किसी तरह से उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल कर परियोजना की लागत को कम कर रहा है। साथ ही साथ कॉर्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण को भी सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के तौर पर पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। इसमें दूसरे राज्यों के अफसरों को बताया जाएगा कि किस तरह से यूपी जैसे बड़े राज्य में जल जीवन मिशन को सफलता से लागू किया गया और ये परियोजनाएं लंबे समय तक कम कीमत पर चल सकें, इसके लिए सोलर पावर का इस्तेमाल किया गया।

सोलर तकनीक से पानी निकालने के लिए बिजली का खर्च 50 प्रतिशत से भी होगा कम

सोलर तकनीक के इस्तेमाल से गांवों में की जाने वाली जलापूर्ति की लागत में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। लो मेंटेनेंस के साथ-साथ इन सौर ऊर्जा संयंत्रों की आयु 30 साल होती है। 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए होने से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का इमिशन प्रतिवर्ष कम होगा।

भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस योजना को चुना गया है। ये कॉन्फ्रेंस देशभर के टॉप आईएएस अफसरों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें देशभर में चलाई जाने वाली योजनाओं में हुए उत्कृष्ट कार्यों को शामिल किया जाता है।

योगी के निर्देशन में 80 फीसदी से अधिक परियोजनाएं सोलर पर आधारित

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। जल जीवन मिशन परियोजना में इतने बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। भारत सरकार की तरफ से आयोजित की जा रही इस कॉन्फ्रेंस का मकसद है कि देश के दूसरे राज्य भी इसी तरह का मॉडल अपनाएं। जिससे बिजली की बचत हो सके और परियोजनाएं लंबे समय तक चल सकें। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत यूपी में कुल 41539 परियोजनाएं हैं। जिसमें से 33,157 जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

12.50 लाख लोगों को सोलर प्रोजेक्ट चलाने की दी गई ट्रेनिंग : जल जीवन मिशन में सोलर आधारित पंपों को चलाने के लिए ग्रामीण इलाकों में 12.50 लाख लोगों को ट्रेनिंग दी गई है। ट्रेनिंग पाने वाले ग्रामीण ही इन परियोजनाओं का संचालन और सुरक्षा करेंगे।

जल जीवन मिशन

» भारत सरकार द्वारा गुड गवर्नेंस थीम पर छत्तीसगढ़ में आयोजित कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के रूप में चुना गया यूपी

» देश भर के आईएएस अफसरों को बताया जाएगा, कैसे 'योगी के यूपी' में जल परियोजनाओं में किया गया सोलर पावर का सफल इस्तेमाल

» यूपी में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर हैं आधारित

» छत्तीसगढ़ के रायपुर में भारत सरकार आयोजित कर रही है गुड गवर्नेंस पर देशभर के आईएएस अफसरों की कॉन्फ्रेंस

लेख

कृत्रिम बुद्धि का बढ़ता प्रभाव

नई तकनीकों का उपयोग करने वाले अभिनव उत्पाद और सेवाएं सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में हलचल मचाने लगी हैं। परिणामस्वरूप, पारंपरिक कौशल को मजबूत करने और आधुनिक तकनीकी कौशल जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ऐप विकास, ट्राई- ऑन सेवाओं के लिए संवर्धित वास्तविकता, डेटा एनालिटिक्स और उन्नत ग्राहक जुड़ाव रणनीतियों के साथ संयोजित करने की आवश्यकता है। एआई ने सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, खासकर जब अनुकूलन और वैयक्तिकरण की मांग बढ़ी है। यह प्रवृत्ति विविध ग्राहक वरीयताओं, जीवन शैली, शरीर के प्रकार और आनुवंशिक कारकों को दर्शाती है। माइक्रोसाफ्ट टीमों के लिए मेवेलिन केएआई संचालित मेकअप फ़िल्टर के बारे में हाल ही में आई खबरों ने सौंदर्य क्षेत्र में एआई की भूमिका पर चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है। यह पता लगाना महत्वपूर्ण है। कि एआई किस तरह से उद्योग को बदल रहा है और नवीनतम विकास पर अपडेट रहना चाहिए। 2020 में एआई का उपयोग करने वाले वैश्विक सौंदर्य उद्योग का मूल्य 216.12 मिलियन था और 2027 तक 1.26 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। एक उद्योग रिपोर्ट बताती है कि 2021 से 2027 तक सौंदर्य क्षेत्र में एआई की वार्षिक वृद्धि दर 33.2 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

कई प्रयोगशालाओं ने एआई- संचालित त्वचा परामर्श उपकरण विकसित किए हैं जो त्वचा की उम्र बढ़ने का विश्लेषण करने के लिए संवर्धित वास्तविकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करते हैं। ये उपकरण उम्र बढ़ने के संकेतों की पहचान कर सकते हैं और त्वचा की मजबूती का आकलन कर सकते हैं, जिससे आगे की गिरावट को रोकने के लिए अनुरूप त्वचा देखभाल सिफारिशें मिल सकती हैं। उनके एल्गोरिदम 10,000 छवियों और 15 वर्षों की त्वचाविज्ञान विशेषज्ञता पर आधारित हैं। उपयोगकर्ता एक सेल्फी ले सकते हैं और अपनी त्वचा की स्थिति का अनुमान लगाने के लिए अपनी उम्र और त्वचा का प्रकार प्रदान कर सकते हैं और साथ ही एक व्यक्तिगत विश्लेषण भी प्राप्त कर सकते हैं। फिर उन्हें अनुकूलित त्वचा देखभाल नुस्खे प्राप्त होंगे। एआई त्वचा की स्थितियों का विश्लेषण करने, व्यक्तिगत त्वचा देखभाल और स्वास्थ्य दिनचर्या की सिफारिश करने और यहां तक कि रुझानों की भविष्यवाणी करने में सहायता करता है, जिससे अंततः उत्पाद विकास और ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि होती है। मुहांसे दुनिया भर में एक आम समस्या है, जो 80 प्रतिशत किशोरों और 40 प्रतिशत वयस्कों को प्रभावित करती है। एआई के साथ, विभिन्न जातीय त्वचा प्रकारों का प्रतिनिधित्व करने वाली 6,000 छवियों का एक डेटाबेस, मुहांसे से पीड़ित लोगों के लिए सटीक विश्लेषण और व्यक्तिगत नियमित अनुशंसाओं को सक्षम बनाता है। यह अभूतपूर्व एआई तकनीक वास्तविक त्वचा विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन की गई 10,000 प्रामाणिक छवियों की लाइब्रेरी से आकर्षित होती है, जो आठ नैदानिक मापदंडों और त्वचा के विभिन्न प्रकारों में लगभग 97 प्रतिशत की सटीकता दर प्राप्त करती है।

लगातार विकसित हो रहे सौंदर्य और कल्याण उद्योग में, जहां नवाचार आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है, एआई पहले से कहीं अधिक प्रभावी और व्यक्तिगत उत्पाद निर्माण बनाने में एक शक्तिशाली सहयोगी बन गया है। अपने विविध अनुप्रयोगों और क्षमताओं का लाभ उठाकर एआई एक क्रांति ला रहा है जो सौंदर्य और कल्याण उत्पादों के विकास, व्यक्तिगतकरण और विपणन के तरीके को बदल रहा है। ट्रेंड स्पॉटिंग से लेकर सटीक उत्पाद निर्माण तक, एआई सौंदर्य उद्योग को रोमांचक और अभूतपूर्व तरीकों से नया रूप दे रहा है। निर्माण प्रक्रिया में एआई को एकीकृत करने से उत्पाद की प्रभावशीलता भी सुनिश्चित हो सकती है। एआई एल्गोरिदम यह अनुकरण कर सकते हैं कि त्वचा द्वारा अवयवों को कैसे अवशोषित और चयापचय किया जाता है, संभावित अवांछित अंतः क्रियाओं या दुष्प्रभावों की पहचान करते हुए। यह दृष्टिकोण नए उत्पादों को बाजार में लाने से जुड़े जोखिमों को कम करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ता अपनी भलाई से समझौता किए बिना इष्टतम परिणाम करें। परंपरागत रूप से, स्किनकेयर उत्पादों को एक ही आकार- फिट- सभी दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है, जो अक्सर व्यक्तिगत उपभोक्ताओं की अनूठी जरूरतों को पूरा करने में विफल रहता है। एआई त्वचा के प्रकार, आयु, पर्यावरणीय कारकों और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं सहित विभिन्न डेटा बिंदुओं का विश्लेषण करके इस पद्धति को बदलता है। - संचालित उपकरणों का उपयोग करके, ब्रांड प्रत्येक ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित स्किनकेयर उत्पाद बना सकते हैं। उदाहरण के लिए एआई एल्गोरिदम फ़ोटो और प्रश्नावली के माध्यम से उपयोगकर्ता की त्वचा की स्थिति का आकलन कर सकते हैं, सक्रिय अवयवों की विशेष सांद्रता वाले उत्पादों की सिफारिश या निर्माण कर सकते हैं जो व्यक्तिगत त्वचा संबंधी चिंताओं को संबोधित करते हैं। इसके अतिरिक्त, एआई आणविक संरचनाओं का विश्लेषण करके यह अनुमान लगा सकता है कि नए यौगिक मानव त्वचा के साथ कैसे बातचीत करेंगे, जिससे पारंपरिक परीक्षण और त्रुटि विधियों के समय और लागत में काफी कमी आएगी। एआई सिस्टम प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों के अनुरूप उपयुक्त सामग्री, उत्पाद और स्किनकेयर रूटीन की सिफारिश करता है। यह ब्रांडेड उत्पादों का सुझाव भी दे सकता है जो सौंदर्य और कल्याण उद्योग में विशिष्ट स्थितियों को संबोधित करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक ग्राहक की प्राथमिकताओं से गहराई से जुड़ना है। जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, यह ऐसे समाधानों का वादा करती है जो भविष्य में दिखावट और सेहत दोनों को बढ़ाएंगे।

-विजय गर्ग

ला ईलाज हो चुका 'स्मॉग प्रदूषण'

निर्मल रानी

धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोज़ाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकट्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,ग़रीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी ज़िम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि 'स्मॉग प्रदूषण' अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

उत्तर भारत का एक बड़ा क्षेत्र इन दिनों 'स्मॉग' यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे जिसे धूम कोहरा भी कहा जाता है, की चपेट में है। यह कोई पहला अवसर नहीं है जबकि 'स्मॉग' यानी ज़हरीले धुयें की ख़बरें मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर रही हों। बल्कि लगभग दो दशक से यह स्थित प्रत्येक वर्ष पैदा हो रही है। हाँ इतना ज़रूर है कि प्रदूषण दिन प्रतिदिन और भी न केवल बढ़ता जा रहा है बल्कि और भी ज़हरीला भी होता जा रहा है। इसका घोर प्रदूषण युक्त वातावरण का ख़ामियाज़ा हमें तरह तरह से भुगतना पड़ रहा है। कहीं विमानों की उड़ानें प्रभावित हो रही हैं तो कहीं ट्रेंस परिचालन में बाधा आने के चलते रेल गाड़ियां लेट हो रही हैं। गत दिनों ख़राब मौसम के कारण ही दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 विमानों का मार्ग बदला गया जबकि 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई। सड़कों पर दुर्घटनाओं में इज़ाफ़ा होने लगा है। स्वास्थ्य कारणों से बच्चों के स्कूल बंद कर दिए जाते हैं तो अस्पतालों में सांस और दमा के मरीज़ों की संख्या बढ़ जाती है। यहाँ तक कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी ऐसे वातावरण में सांस लेने में दिक़्क़त महसूस करने लगता है। लोगों को खुजली हो रही है और आंखों में जलन व आँखों से पानी आने की शिकायतें आ रही हैं। मास्क लगाना या न लगाना दोनों ही स्थिति में लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी बढ़ते प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर बने हुए हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान के लाहौर में स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं की इतनी मोटी चादर बिछ गई जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देने लगी। अब ख़बर तो यहां तक है कि स्मॉग यानी ज़हरीले धुएं से पैदा होने वाले इस प्रदूषण को कम करने के लिए वहां लॉकडाउन लगाने तक की योजना बन रही है।

सवाल यह है कि गत लगभग 2 दशक से निरंतर प्रदूषित होते जा रहे इस ज़हरीले धुएं युक्त वातावरण और अनेक माध्यमों से इनसे होने वाले आर्थिक नुक़्सान व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के लिये ज़िम्मेदार कौन है। सर्दियों की शुरुआत में हमेशा टी वी व अख़बारों में यह सुर्ख़ियां बनती हैं कि प्रदूषण का स्तर क्या है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वच्छ हवा वाले वातावरण के लिये 50 तक AQI होना चाहिये। 50 से कम AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) स्वास्थ्य के लिये ठीक रहता है। जबकि दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एन सी आर) से लेकर केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ तक का एयर क्वालिटी इंडेक्स पिछले दिनों 500 के क़रीब पहुँच गया। सरकार से लेकर जनता तक इस अति प्रदूषित वातावरण से निजात पाने के लिये केवल प्रकृति के भरोसे बैठी हुई है कि या तो बारिश हो तो इस ज़हरीली हवा से निजात मिले या फिर तेज़ हवा इस वातावरण से निजात दिलाये। जबकि प्रदूषण से त्राहि त्राहि करती यही जनता या जनता द्वारा चुनी उसकी सरकार इस समस्या से निपटने का कोई भी कारगर उपाय ढूंढ नहीं पाती। कभी स्कूल्स में छुट्टी कर,कभी निर्माण कार्य रूकवाकर तो कभी सम-विषम नंबर के अनुसार वाहन चलने

का निर्देश देकर ऐसी समस्याओं से निजात के उपाय तलाशे जाते हैं। जबकि प्रदूषण फैलाने के ज़िम्मेदार वाहनों की संख्या प्रतिदिन लाखों की तादाद में बढ़ती जा रही है। उद्योगों से प्रदूषित धुआं निरंतर निकलता रहता है। पूरे देश की सड़कें धुल मिटटी से पटी पड़ी हैं। खेतों में फ़सलों के अवशेष बेरोकटोक जलाये जा रहे हैं। जगह जगह आम लोग कूड़े के ढेर में बेख़ौफ़ होकर आग लगाते हैं जिनमें रबड़,पॉलीथिन,प्लास्टिक आदि सब कुछ जलाया जाता है। इसी तरह आतिशबाज़ी चलाने के लिये चाहे अदालतें मना करें या सरकारें, कोई भी मानने को तैयार नहीं। बल्कि हर साल आतिशबाज़ी का चलन व इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। यदि आप दीपावली पर आतिशबाज़ी चलाने को लेकर 'ज्ञान' देने लगे तो समझो आप को सनातन विरोधी होने का प्रमाण पत्र तो उसी क्षण मिल जायेगा। गुरपूरव पर होने वाली आतिशबाज़ी पर सवाल उठाया तो दीपावली का सवाल खड़ा होगा। इसी तरह शब् बरात हो या नया साल,रोज़ होने वाले शादी ब्याह कोई भी आयोजन आतिशबाज़ी से अछूता नहीं है। और ज़ाहिर है ऐसी आतिशबाज़ीयों का एक ही परिणाम है, ज़हरीला धुआं,जान लेवा प्रदूषण,स्मॉग यानी ज़हरीले धुयें युक्त कोहरे की चादर और अंततः बदलता मौसम व ग्लोबल वार्मिंग।

जिस तरह बारिश के दिनों में शहरों में समुचित जल निकासी का प्रबंध न होने के चलते शहरों व क़स्बों में बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है और इससे संबंधित ख़बरें लेख व परिचर्चाएं वर्षा ऋतू के दौरान पढ़ने सुनने को मिलती हैं। परन्तु बारिश ख़त्म होते ही जनता व सरकार सभी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते हैं और अगले साल की बारिश व इससे होने वाली तबाही की प्रतीक्षा करने लगते हैं। ठीक उसी तरह हर साल दीपावली के बाद और सर्दियों के आग़ाज़ में हर वर्ष यही प्रदूषण व ज़हरीले धुएं की चर्चा सुर्ख़ियों में आ जाती है। इस विषय को लेकर हमारे समाज की जागरूकता व समझ का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि न तो कोई अतिशबाज़ियों से परहेज़ के लिए तैयार है न ही यह मानने के लिये तैयार है कि पराली या खेतों में फ़सलों के अवशेष जलने से प्रदूषण फैलता है।

धनाढ्य या नव धनाढ्य लोग मात्र एक सवारी के साथ सड़कों पर कारें दौड़ाते फिरते हैं। सड़कों पर बे रोकटोक धुंआ करना तो गोया लोगों के मौलिक अधिकारों में शामिल हो गया है। यहाँ तक कि रोज़ाना कई जगह खुद नगर पालिका के कर्मचारी झाड़ू देने के बाद जगह जगह इकठ्ठा किये गये कूड़े के ढेर में अपने ही हाथों से माचिस लगा देते हैं। गोया पढ़ा लिखा हो या अनपढ़,ग़रीब हो या अमीर,वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ने के लिये सभी ज़िम्मेदार हैं। इसलिये भले ही सतही उपाय कितने ही क्यों न कर लिये जाएँ परन्तु हक़ीक़त तो यही है कि 'स्मॉग प्रदूषण' अब एक लाईलाज संकट बन चुका है।

21 नवंबर 'पब्लिक एशिया' के स्थापना दिवस पर सभी को शुभकामनाएं

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही संभव होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की कल्पना करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही घटनाओं के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनितिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल, अन्तरराष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है। यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी जागरूकता को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है।

आज 21 नवंबर को हम हर साल पब्लिक एशिया के स्थापना दिवस के रूप में मनाते है। 21 नवंबर 1989 को पब्लिक एशिया अस्तित्व मे आया। इसकी शुरुआत एक डेली हिंदी समाचार पत्र के रूप मे नयी दिल्ली से हुई थी। जैसे-जैसे दशक दर दशक पब्लिक एशिया तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता गया, वैसे-वैसे शहर की तस्वीर भी बदलती चली गई। आजकल, समाचार पत्र जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। यह बाजार में लगभग सभी भाषाओं में उपलब्ध होता है। एक समाचार पत्र खबरों का प्रकाशन होता है, जो कागजों पर छापा जाता है और लोगों के घरों में वितरित किया जाता है। अलग-अलग देश अपना अलग समाचार संगठन रखते हैं।पब्लिक एशिया अखबार का उद्देश्य हमें अपने देश में हो रही सभी घटनाओं के साथ ही संसार में हो रही घटनाओं से भी अवगत कराना हैं। यह हमें खेल, नीति, धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, फिल्म उद्योग, फिल्म (चलचित्र), भोजन, रोजगार आदि के बारे में बिल्कुल सटीक जानकारी देता है।

बदलते वक्त के साथ विकास की उड़ान का साक्षी रहा है पब्लिक एशिया ग्रुप।देश के सभी महत्वपूर्ण राज्यों जैसे की उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,हरियाणा,पंजाब,हिमाचल से प्रकाशित ये समाचार पत्र उच्चाइयों को छूता गया। सदा से इस अखबार का उद्देश्य सही और सच का साथ देने का रहा है। इस अखबार के माध्यम से हमने हर उस व्यक्ति को न्याय दिलाने की कोशिश की है जो किसी परिस्तिथिवश संकट में हो। 'पब्लिक की कहे और पब्लिक की सुने' इस अखबार का मोटो रहा है और आम जनता की आवाज़ को इस अखबार के माध्यम से सरकार,अधिकारीयों व लोगो तक पहुंचाने का काम सदा इस समाचार पत्र ने किया है।

समय दर समय इस अखबार ने ऊँची बुलंदियों को हासिल कर एक मुकाम बनाया है। आज पब्लिक एशिया मात्र एक डेली अखबार ही नहीं अपितु हिंदी व अंग्रेजी की मैगज़ीन,संध्या पब्लिक एशिया अख़बार, डिजिटल चैनल , सभी सोशल मीडिया जैसे फेसबुक,ट्विटर,इंस्टाग्राम पर अपनी पहचान बनाने में खासी कामयाबी हासिल कर चुका है ।

वर्तमान समय में, जब सभी लोग अपने जीवन में इतने व्यस्त है, ऐसे में उनके लिए बाहरी संसार के बारे में सूचनाओं या खबरों की जानकारी होना बहुत ही मुश्किल से संभव है, इसलिए पब्लिक एशिया समाचार पत्र इस तरह की कमजोरी को हटाने का सबसे अच्छा विकल्प है। केवल 15 मिनट या आधे घंटे में किसी घटना की विस्तृत जानकारी हम अपने अखबार के माध्यम से देने की भरपूर कोशिश करते है। यह सभी क्षेत्रों से संबंधित व्यक्तियों के लिए बहुत ही लाभदायक है क्योंकि यह सभी के अनुसार जानकारियों को रखता है जैसे विद्यार्थियों, व्यापारियों, राजनेताओं, खिलाड़ियों, शिक्षकों, उद्यमियों आदि।

अनिल शर्मा जी व प्रतिमा चतुर्वेदी द्वारा शुरुआत किया गया ये समाचार पत्र आज एक नयी बुलंदियों को छू रहा है।अनिल शर्मा जी व प्रतिमा चतुर्वेदी के तजुर्बे से बहुत कुछ सीखने को मिला है। समाचार पत्र की बारीकियों को समझना और उसको सूझ भोज से अमल में लाना अनिल शर्मा जी से बेहतर कौन समझा सकता था। मैं मुकेश वत्स इस अखबार के मालिक व समूह संपादक होने के नाते अपनी मेहनत व काबिलयत के बल पर इसे और नयी बुलंदियों तक पहुंचाने का प्रयास किया है और आगे भी निष्ठापूर्ण इसमे प्रयासरत रहूँगा। सम्पूर्ण पब्लिक एशिया अखबार की तरफ से सभी को पब्लिक एशिया के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं।

अब बुद्धू बकसा नहीं रहा टेलीविजन

डॉ घनश्याम बादल

चाहे आपकी रुचि वॉकिंग डेड में किसकी मृत्यु हुई या फेस द नेशन में राष्ट्रपति के साथ साक्षात्कार में हो, वर्चुअल दुनिया में एक पूरा समुदाय है जिसके साथ आप गपशप कर सकते हैं। वैसे भारत में पुरानी पीढ़ी के लोग अधिक टेलीविजन देखना पसंद नहीं करते पर नई पीढ़ी किसी भी माध्यम से टेलीविजन देखने से छुट्टी भी नहीं है शायद दोनों के अपने-अपने आदर्श एवं जीवन शैलियों हैं। पर ,यह तो सच है कि न तो आज के युग में टेलीविजन से कट कर चला जा सकता है और साथ ही साथ यदि हम अपना सारा समय टेलीविजन को ही दे देंगे तो यह भी घातक हो सकता है।

आज के समय में देश और दुनिया का शायद ही कोई ऐसा शहर, गांव या घर होगा जहां पर टेलीविजन की उपस्थिति न हो । आज हमारी दिनचर्या में टेलीविजन देखना एक अपरिहार्य हिस्सा बन चुका है । कह सकते हैं कि जो टेलीविजन के संपर्क में नहीं है वह आज की दुनिया के भी संपर्क में भी नहीं है और ऐसे लोगों को पिछड़ा माना जाता है । आज बड़ों से लेकर बच्चों तक जब आपस में मिलते हैं तो टेलीविजन का जिक्र किसी न किसी संदर्भ में ज़रूर आता है । अब टेलीविजन के बारे में तो सब जानते हैं पर शायद यह बहुत कम लोग जानते होंगे कि 21 नवंबर को पूरी दुनियाभर में टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। आज टेलीविजन संचार और वैश्वीकरण का प्रतीक है जो हमें शिक्षित करता है, सूचित करता है, मनोरंजन करता है और हमारे निर्णयों और विचारों को प्रभावित करता है।

मजे की बात यह है कि आज के इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किसी जाने-माने वैज्ञानिक ने नहीं किया अपितु 1927 में, फिलो टेलर फ़ार्नस्वर्थ नामक 21 वर्षीय जर्मन आविष्कारक ने दुनिया का पहला इलेक्ट्रॉनिक टेलीविज़न बनाया जो 14 साल की उम्र तक बिना बिजली के घर में रहा था । अपनी पढ़ाई के दौरान हाई स्कूल में ही, उसने एक ऐसी प्रणाली के बारे में सोचना शुरू किया जो चलती हुई तस्वीरों को कैप्चर कर सके, उन्हें एक कोड में बदल सके और फिर उन छवियों को रेडियो तरंगों के साथ अलग-अलग डिवाइस पर भेज सके। वह पारंपरिक टेलीविज़न सिस्टम से कई साल आगे था क्योंकि उसकी संरचना इलेक्ट्रॉनों की एक किरण का उपयोग करके चलती हुई छवियों को कैप्चर करती थी। फ़ार्नस्वर्थ ने बाद में अपने टेलीविज़न का उपयोग करके एक डॉलर के चिह्न की छवि को प्रसारित किया, जब एक साथी आविष्कारक ने पूछा 'हम इस चीज़ से कुछ डॉलर कब देखेंगे?' तब उनमें से किसी को भी नहीं पता था कि टेलीविज़न वैश्विक सूचना के प्रसार को बढ़ावा देने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस का प्रतीक बन जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक टेलीविज़न से पहला प्रसारण चार्ल्स फ्रांसिस जेनकिंस द्वारा निर्मित ॠ3ॠ नामक प्रथम यांत्रिक टीवी स्टेशन ने किया।

1996 में 21 और 22 नवंबर को, संयुक्त राष्ट्र ने पहला विश्व टेलीविजन फोरम आयोजित किया। यहाँ, प्रमुख मीडिया हस्तियाँ तेज़ी से बदलती दुनिया में टेलीविज़न के बढ़ते महत्व पर चर्चा और इस बात पर विचार करने के लिए मिलीं कि वे अपने आपसी सहयोग को कैसे बढ़ा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के नेताओं ने माना कि टेलीविज़न संघर्षों की ओर ध्यान आकर्षित कर सकता है, शांति और सुरक्षा के लिए खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ा सकता है और सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने तब टेलीविज़न को सूचना देने, चैनल बनाने और जनमत को प्रभावित करने के एक प्रमुख उपकरण के रूप में स्वीकार किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 नवंबर को विश्व टेलीविज़न दिवस का नाम दिया । अब तो आपको पता है कि 21 नवंबर को टेलीविजन दिवस है तो फिर इस दिवस को कैसे मनाया जाए इसके लिए लिए सोचते हैं कुछ नया।

शेयर करें पसंदीदा टीवी पल

टेलीविज़न पर बहुत कुछ ऐसा है जिसे देखकर आप खुश हो सकते हैं। सोशल मीडिया पर जाएं और

अपने पसंदीदा टेलीविज़न पल के बारे में लिखें, चाहे वह पिछले हफ़्ते हुआ हो या 20 साल पहले।अपने पसंदीदा लोगों को टीवी डिनर के लिए आमंत्रित करें और साथ ही अपना पसंदीदा कार्यक्रम देखें।

खूब मज़े करो

हो सकता है कि आप टीवी देखने से इसलिए परहेज करते हों क्योंकि आपको लगता है कि आपको कुछ काम करने चाहिए? यह दिन आपके लिए ही बना है! कुछ आरामदायक स्वेट पहनें, अपने लिए पॉपकॉर्न बनाएं और अपने पसंदीदा शो के एक के बाद एक एपिसोड देखें। अगर आपको इस तरह की आरामदेह गतिविधि पर कोई अपराधबोध महसूस होता है, तो खुद को याद दिलाएँ कि आप अपने कार्यों से संयुक्त राष्ट्र के आदर्शों का समर्थन कर रहे हैं - या इस मामले में निष्क्रियता डेविड एटनब्रो की 2016 की डॉक्यूमेंट्री श्रृंखला दुनिया भर में प्रकृति की खोज करती है और यह नाजुक वर्णन और आश्चर्यजनक दृश्यों से भरपूर है। और भी ऐसे अनेक कार्यक्रम हो सकते हैं जिन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार देख सकते हैं पर बेहतर हो कुछ सार्थक देखें। ऐसे ही कुछ सार्थक सीरियल्स हैं

प्लैनेट अर्थ

मूल प्लैनेट अर्थ का फिल्मांकन 2006 में किया गया था और यह मूलतः प्लैनेट अर्थ 2 जैसा ही था, लेकिन फुटेज को कैप्चर करने वाली तकनीक थोड़ी पुरानी थी। भाइयों का बैंड

युद्ध ड्रामा लघु श्रृंखला 1942 से द्वितीय विश्व युद्ध के अंत तक 101वीं एयरबोर्न डिवीजन की 506वीं रेजिमेंट, ईज़ी कंपनी की कहानी पर केंद्रित है। ब्रेकिंग बैड यह नाटक एक रसायन विज्ञान शिक्षक की कहानी है, जिसे पता चलता है कि उसे कैंसर है और वह मेथ-निर्माण व्यवसाय में जाने का निर्णय लेता है। चेरनोबिल यह लघु श्रृंखला 1986 में चेरनोबिल में हुई परमाणु आपदा और उसके बाद किए गए सफाई प्रयासों को कवर करती है। यह कार्यक्रम तो महा जे महज सुझाव के लिए हैं दुनिया भर के टेलीविजन कार्यक्रमों की सूची उठाकर देखेंगे तो आपको अपनी पसंद के एवं सार्थक कार्यक्रमों की एक लंबी श्रृंखला मिल जाएगी तो अगर समय है और मन भी है तो टेलीविजन दिवस पर यह कार्यक्रम देख सकते हैं। ज्यादा टेलीविजन देखने के अपराध बहुत से ग्रस्त होने की आपका आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में, औसतन लोग प्रतिदिन 3.5 घंटे टेलीविजन देखते हैं। चाहे वह समाचार हो, खेल हो, संगीत कार्यक्रम हो, शो हो या फ़िल्में हों, हम मनोरंजन और जानकारी के लिए टेलीविजन का सहारा लेते हैं। मनोरंजन के रूप में टेलीविजन केवल संयुक्त राज्य अमेरिका तक ही सीमित नहीं है। दुनिया भर में लगभग 610 मिलियन दर्शक हैं। यह जानना कि इसके उच्च उद्देश्यों के लिए एक दिन समर्पित है, हमें दिन के अंत में थोड़ा टीवी देखने के अपने निर्णय के बारे में बेहतर महसूस कराता है।

एक समय टेलीविजन का मतलब लिविंग रूम में रखा हुआ वह बॉक्स होता था जो रेडियो तरंगें प्राप्त करता था और छवियों को प्रसारित करता था। वे दिन चले गए हैं। टेलीविजन अब कोई भी सिस्टम है जो ध्वनि और छवियों को प्रसारित करता है और स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है। यह अभी भी डेन में बड़ी स्क्रीन हो सकती है, लेकिन यह आपके डेस्कटॉप, लैपटॉप या फोन को भी संदर्भित करती है। जब तक वे कार्यक्रमों तक पहुँच रहे हैं, वे निष्पक्ष खेल हैं! अपने कई नवाचारों के साथ, टीवी मनोरंजन और सूचना का एक स्त्रोत है जिसे हम प्रतिदिन एक्सेस करते हैं। यदि चाहें तो आप सोशल मीडिया पर जाएं और अपना पसंदीदा टेलीविज़न शो, न्यूज़ प्रोग्राम या नेटवर्क टाइप करें और आपको ढेरों कमेंट, लाइक और शेयर मिलेंगी। इसलिए चाहे आपकी रुचि वॉकिंग डेड में किसकी मृत्यु हुई या फेस द नेशन में राष्ट्रपति के साथ साक्षात्कार में हो, वर्चुअल दुनिया में एक पूरा समुदाय है जिसके साथ आप गपशप कर सकते हैं। वैसे भारत में पुरानी पीढ़ी के लोग अधिक टेलीविजन देखना पसंद नहीं करते पर नई पीढ़ी किसी भी माध्यम से टेलीविजन देखने से छुट्टी भी नहीं है शायद दोनों के अपने-अपने आदर्श एवं जीवन शैलियों हैं। पर ,यह तो सच है कि न तो आज के युग में टेलीविजन से कट कर चला जा सकता है और साथ ही साथ यदि हम अपना सारा समय टेलीविजन को ही दे देंगे तो यह भी घातक हो सकता है।

पब्लिक एशिया : पत्र पंजीकरण संख्याः UPHIN/2013/52076, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, शालिनी श्रीवास्तव ने पब्लिक एशिया प्रेस, प्लाट नो. 14, खसरा नो. 3701, अमौसी, सरोजनी नगर, लखनऊ, 226008 (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित व प्रकाशित कराया है। स्वाति वर्मा (संपादक), संपादकीय कार्यालयः पब्लिक एशिया प्रेस, प्लाट नो. 14, खसरा नो. 3701, अमौसी, सरोजनी नगर, लखनऊ, 08 (उत्तर प्रदेश), Mob. 9891945513, 8588891302, Website-www.publicasia.in, E-mail ID: publicasiaup@gmail.com, इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होगें। वैधानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

पालिकाध्यक्ष ने किया एमआरएफ केंद्र का औचक निरीक्षण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हाथरस। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने वॉटरवर्क्स रोड स्थित एमआरएफ मटेरियल रिसायकल फैसिलिटी केंद्र का औचक निरीक्षण किया तथा संबंधित कर्मचारियों अधिकारियों को आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया,स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्थापित एमआरएफ सेंटर में डोर टू डोर कलेक्शन के माध्यम से एकत्रित गीला व सूखा कूड़े को प्रोसेस कर उन्हें प्रयोग के लिए तैयार किया जाता है घरों से निकलने वाले सूखे कूड़े को पृथक पृथक किया जाता है तथा गीले कूड़े से कंपोस्ट खाद बनाया जाता है।, इस केंद्र का पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने औचक निरीक्षण किया तथा संबंधित कर्मचारियों अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए इस अवसर पर उपस्थित लोगों में सफाई निरीक्षक मुजाहिद हुसैन,आईटीसी से अविनाश शर्मा,श्याम चौधरी, अरविंद चौधरी, राजू शर्मा, मुकेश, धर्मेंद्र आदि लोग उपस्थित रहे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने विद्यालंकार डा. पवित्रा को किया सम्मानित

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हाथरस। सिरसागंज में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित आर्य महाकुम्भ सम्मेलन में आर्य समाज के आदि संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती की 200वीं जन्मजयंती के अवसर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दूर दराज से आए विभिन्न गुरूकुलों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के व्यायामों का प्रदर्शन किया। आयोजित कार्क्रम में छात्र-छात्राओं ने स्वामी दयानंद सरस्वती के चरित्र का चित्रण करते हुए एक लघुनाटिका प्रस्तुत की। इस मंचन को देख वहां सभी दर्शक भाव विभोर हो गये और मंचन की काफी सराहना की। कार्क्रम में कन्या गुरुकुल महाविद्यालय सासनी हाथरस की प्राचार्या डॉ पवित्रा विद्याअलंकार व छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

यूपी के सोलर पावर मॉडल को अपनाएंगे अन्य राज्य

देश भर के आईएएस अफसरों को बताया जाएगा, कैसे 'योगी के यूपी' में जल परियोजनाओं में किया गया सोलर पावर का सफल इस्तेमाल

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में उन्नति की कहानी से पूरा देश रूबरू होगा। केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित की जा रही रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन गुड गवर्नेंस में यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा। कॉन्फ्रेंस में देशभर से आए आईएएस अफसर जानेंगे कि किसी तरह से उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल कर परियोजना की लागत को कम कर रहा है। साथ ही साथ कॉर्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण को भी सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। 21 नवंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के तौर पर पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। इसमें दूसरे राज्यों के अफसरों को बताया जाएगा कि किस तरह

से यूपी जैसे बड़े राज्य में जल जीवन मिशन को सफलता से लागू किया गया और ये परियोजनाएं लंबे समय तक कम कीमत पर चल सकें, इसके लिए सोलर पावर का इस्तेमाल किया गया। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस योजना को चुना गया है। ये कॉन्फ्रेंस देशभर के टॉप आईएएस अफसरों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें देशभर में चलाई जाने वाली योजनाओं में हुए उत्कृष्ट कार्यों को शामिल किया जाता है।

योगी के निर्देशन में 80 फीसदी से अधिक परियोजनाएं सोलर पर आधारित

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। जल जीवन मिशन परियोजना में इतने बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। भारत सरकार की तरफ से आयोजित की जा रही इस कॉन्फ्रेंस का मकसद है कि देश के दूसरे राज्य भी इसी तरह का मॉडल अपनाएं। जिससे बिजली की बचत हो सके और परियोजनाएं लंबे समय तक चल सकें। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत यूपी में कुल 41539 परियोजनाएं हैं। जिसमें से 33,157 जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

सोलर तकनीक से पानी निकालने के लिए बिजली का खर्च 50 प्रतिशत से भी होगा कम

सोलर तकनीक के इस्तेमाल से गांवों में की जाने वाली जलापूर्ति की लागत में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। साथ ही पानी की सप्लाई के लिए इलेक्ट्रिसिटी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। लो मेंटेनेंस के साथ-साथ इन सौर ऊर्जा संयंत्रों की आयु 30 साल होती है। 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए होने से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का इमिशन प्रतिवर्ष कम होगा।

12.50 लाख लोगों को सोलर प्रोजेक्ट चलाने की दी गई ट्रेनिंग

जल जीवन मिशन में सोलर आधारित पंपों को चलाने के लिए ग्रामीण इलाकों में 12.50 लाख लोगों को ट्रेनिंग दी गई है। ट्रेनिंग पाने वाले ग्रामीण ही इन परियोजनाओं का संचालन और सुरक्षा करेंगे।

सरकारी आदेश की उड़ाई जा रहीं धज्जियां, सुबह दस बजे से पहले और देर रात तक बेची जा रही है देशी शराब

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। बरेली शहर में देशी शराब की दुकानों में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा सुबह दस बजे से पहले शराब की बिक्री पर रोक लगाए जाने के बावजूद शहर की अधिकांश देशी शराब की दुकानों में इस आदेश का उल्लंघन खुलेआम हो रहा है। सीबीगंज, बिहारीपुर, सुभाष नगर, मढ़ीनाथ, और बदायूं रोड के सनैया धनसिंह जैसे प्रमुख इलाकों में शराब आसानी से सुबह दस बजे से पहले बेची जा रही है।आपको बता दें कि शराब की दुकानों में शटर के नीचे से या खिड़कियों के जरिए शराब की बिक्री होती है। वहीं कुछ दुकानदार रात में ही शराब के पैकेट निकाल कर रख लेते हैं और सुबह होते ही देसी शराब की

दुकान के दाएं बाएं घूमते रहते हैं इससे उनकी बिक्री होती रहती है कई दुकानदार तो बिक्री ज्यादा होने पर शटर तक खोल देते हैं, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि नियमों का कोई पालन नहीं हो रहा है। इसके अलावा रात दस बजे के बाद भी शराब की बिक्री धड़ल्ले से जारी रहती है, और ये काम अधिक कीमत पर शराब उपलब्ध कराने के लिए की जाती है।

सरकारी आदेश का उल्लंघन

राज्य सरकार के आदेशा के अनुसार शराब की बिक्री सुबह दस बजे से पहले अवैध है, लेकिन बरेली शहर में यह नियम न केवल सरेआम तोड़ा जा रहा है, बल्कि पुलिस की नाक के नीचे यह कारोबार चल रहा है। खासकर सीबीगंज थाने से चंद कदम की दूरी और बिहारीपुर पुलिस चौकी के पास ये नजारा देखा जा सकता है जहां सुबह दस बजे से पहले और रात दस बजे के बाद शराब की बिक्री बिना किसी डर के हो रही है। पुलिस और आबकारी विभाग की चुप्पी से यह मामला और भी चौंकाने वाला है क्योंकि बरेली पुलिस और आबकारी विभाग की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री ने इस तरह के मामलों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे और थाना प्रभारियों व वृत्त अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की बात कही थी, लेकिन अब तक इस पर कोई असर नजर नहीं आ रहा है, स्थानीय लोगों का कहना है कि शराब की दुकानें खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर रही हैं और प्रशासन का इस पर कोई कड़ा कदम नहीं उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

शराब के अधिकतम उपयोग और रात के समय अवैध बिक्री से समाज में अव्यवस्था का माहौल बन रहा है। लोगों ने सरकार से इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

> हमें इसकी जानकारी नहीं है। अगर ऐसा कहीं पर हो रहा है तो ऐसे दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। मैं अपनी टीम को भेज कर ऐसी दुकानों को चेक कराउंगा।
>
> **विजय प्रताप सिंह,जिला आबकारी अधिकारी**

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य व हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर प्रदर्शन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

शामली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने व हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर किसान मजदूर भारतीय संगठन ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पउप्र में हाईकोर्ट बैंच न होने के कारण फरियादियों को 700 किलोमीटर दूर जाना पडता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा गया। बुधवार को किसान मजदूर भारतीय संगठन के पदाधिकारियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने व हाईकोर्ट बैंच की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकर्ताओं का कहना था कि राजधानी लखनऊ की दूरी 600 किलोमीटर है जबकि हाईकोर्ट की दूरी 700 किलोमीटर है जिस कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के फरियादियों को इतनी दूर जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पडता है वहीं धन की भी बर्बादी होती है। यदि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बैंच की स्थापना हो जाए तो फरियादियों को काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने से यहां पर भरपूर विकास होगा तथा लोगों की कई समस्याओं का भी समाधान हो जाएगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी अधिकारियों को सौंपा गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई सम्पन्न

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। बरेली में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।बैठक में टीकाकरण में शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति, वीएचएसएनडी की मॉनिटरिंग, वेब मोबिलाइजेशन, जेएसवाई के भुगतान, संस्थागत प्रसव, आशा संगिनी के भुगतान, आभा आईडी, चिकित्सालय व्यय, ई संजीवनी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रमों आदि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में डीएचएस में प्रस्तुत प्रस्ताव पर समिति द्वारा सहमति दी गयी तथा परिवार कल्याण व राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए गये। बैठक में कम वैक्सीनेशन वाले क्षेत्रों में टीकाकरण कराने हेतु लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिये गये। बैठक में एमओआईसी भोजीपुरा से एएनएम राजकुमारी के बारे में जानकारी ली गयी, जिस पर बताया गया कि एएनएम द्वारा अपने कार्य मे सुधार लाते हुए आभा आईडी तथा टीकाकरण मे अच्छा कार्य किया है बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि संचारी रोग हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, संचारी रोग में विगत वर्ष के सापेक्ष केसस कम आने पर स्वास्थ्य विभाग को बधाई दी गयी। बैठक में नियमित टीकाकरण की समीक्षा की गयी और निर्देश दिये गये कि जिन आशाओं के भुगतान लंबित है उन्हें अनिवार्य रूप से भुगतान कर दिया जाये। आशाओं की

बैठक कर कार्य करने हेतु प्रेरित करें तथा लापरवाही करने वालों के विरूद्ध चेतावनी जारी करने के भी निर्देश दिये गये।बैठक में जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा करते हुये पाया कि कुछ विकास खण्डो में संस्थागत प्रसव कम है, जिस पर विकास खण्ड मझगवां व बहेड़ी में संस्थागत प्रसव में प्रगति लाने के निर्देश दिये गये। बैठक में जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में सबसे ज्यादा पुराने जेएसवाई के लंबित भुगतान की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। बैठक में आभा आईडी,आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुये लक्ष्य के अनुरुप आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिये गये।बैठक में क्षय रोग अधिकारी को निर्देश दिए गए कि जो लोग टीबी से ग्रसित हैं उनसे दूरभाष पर संपर्क कर बुलाया जाए तथा उनका निशुल्क उपचार उचित प्रकार से किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पोल्ट्री फार्म की शिकायत करने पर दो पक्षों में जमकर मारपीट

पब्लिक एशिया ब्यूरो

थानाभवन। जिम कर घर वापस लौट रहे युवक ने रास्ते में रोक कर लाठी डंडे एवं धारदार हथियार से मारपीट करने एवं फायर झोंक कर जान से मारने के प्रयास का आरोप लगाकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। वहीं दूसरे पक्ष के लोगों ने भी मारपीट करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों का मेडिकल कराया जबकि एक पक्ष का मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्षेत्र के गांव दखोड़ी जमालपुर निवासी संदीप पुत्र महिपाल ने थाने में एक शिकायती पत्र दिया है। जिसमें आरोप लगाया गया है उसने गांव के ही सोहनवीर सिंह के पोल्ट्री फार्म की एनजीटी में शिकायत की थी जिस पर कार्रवाई के आदेश किए गए थे। शिकायत वापस लेने का दवा बनाने के लिए उस पर बुधवार की सुबह कस्बा जलालाबाद से जिम कर वापस लौट रहा था। तभी रास्ते में गांव के ही तीन लोगों ने मुझे रोक लिया और जान से मारने की नीयत से पिस्टल से फायर कर दिया और मेरे साथ मारपीट की। घायल हुए संदीप को पुलिस ने इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसे जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

वहीं दूसरे पक्ष भूपेंद्र पुत्र निरंजन ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि मैं अपने चाचा के लड़के शक्ति उर्फ सोनू पुत्र पूरन के साथ खेत में चारा लेने के लिए जा रहा था तभी रास्ते में गांव के ही संदीप पुत्र महिपाल एवं अन्य तीन लोगों ने लाठी डंडों एवं धारदार हथियारों से उनके ऊपर हमला बोल दिया। जिसमें वह घायल हो गए पुलिस ने घायलों का अस्पताल में उपचार कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में इंस्पेक्टर क्राइम जितेंद्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि भूपेंद्र पुत्र निरंजन की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि संदीप द्वारा दी गई तहरीर में पिस्टल से फायरिंग करने की बात कही गई है। मेडिकल करा दिया गया है आरोपो की जांच कराई जा रही है जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/वाराणसी–II, उत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर खुली **ई–निविदाएँ एक पैकेट** में आमंत्रित की जाती हैं।

1.	**कार्य का नाम व स्थान**	उत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल पर मुख्य परियोजना प्रबन्धक/वाराणसी के अधीन अनुमोदित जी ए डी के अनुसार विभिन्न आर ओ बी, आर यू बी, प्रमुख पुलों एवं छोटे पुलों के लिए डिजाइन गणना सहित स्ट्रक्चरल ड्राइंग्स प्रस्तुत करना एवं भू तकनीकी जांच करना।
2.	**कार्य पूरा करने की अवधि**	10 (दस) माह
3.	**कार्य की अनुमानित लागत**	रु. 530.02 लाख
4.	**धरोहर राशि**	रू. 4,15,000/–
5.	**ई निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख**	निविदाएँ दिनाँक **11.12.2024** को 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी. एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनाँक **11.12.2024** को समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
6.	**विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र**	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक **20.11.2024** से आई.आर.ई.पी. एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगे व दिनाँक **27.11.2024 से 11.12.2024** तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या 4-टेण्डर/उपमुइंजी/नि०/वाराणसी-II दिनाँक : 18.11.2024 3560/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-LKO-DigiL-66-24-4 (Misc-Static-Services)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.11.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.11.2024 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-BSB-DigiL-67-24-3 (Misc-Static-Services)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.11.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.11.2024 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	MSS-LKO-LKO-SS-78-24-1 (Misc-Static-Services)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	07.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.11.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.11.2024 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-LKO-LKO-OH-513-24-2 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.11.2024 समय 12:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.11.2024 समय 12:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-LKO-LKO-OH-512-24-2 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.11.2024 समय 12:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.11.2024 समय 12:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	ADVT-LKO-LKO-OH-514-24-2 (Advertising-Out of Home)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.11.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.11.2024 समय 12:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.11.2024 समय 12:50 बजे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3566/24

रेलबे की मोबाइल ऐप यात्रियों को दे रही है धोखा, यात्री परेशान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। आजकल रेलवे के मोबाइल ऐप जो की आईआरसीटीसी द्वारा संचालित की जाती हैं पर रेलवे द्वारा गलत जानकारी यात्रियों के सामने परोसी जा रही है जिससे आम यात्रियों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई यात्री तो गलत ट्रेन पर चढ़कर अपना समय और पैसा दोनों ही व्यर्थ कर रहे हैं। बुधवार को बरेली जंक्शन पर एक ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब कुछ यात्रियों से पूछा गया कि वह वेटिंग रूम के बाहर जमीन पर किस ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं तब उनके द्वारा बताया गया कि उन्हें कानपुर जाना था दिल्ली से कानपुर वाली ट्रेन जो कि मुरादाबाद होते हुए सीधे कानपुर पहुंचती है, उसमें बैठने की वजह हम बरेली वाली ट्रेन में बैठ गए। क्योंकि मोबाइल ऐप पर जो ट्रेन की जानकारी दी गई थी वह दिल्ली स्टेशन पर कानपुर वाली ट्रेन के समय पर आकर उसी प्लेटफार्म पर खड़ी हो

गई जिस पर कानपुर वाली ट्रेन को आना था, इससे हमारे टिकट के पैसे और समय दोनों ही व्यर्थ हो गए। अब हम बरेली से कानपुर के लिए बाया लखनऊ दूसरी ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं। मोबाइल ऐप के द्वारा यह पहला घटनाक्रम नहीं है जो गलत जानकारी मोबाइल एप दे रही हो। इसलिए रेलवे को मोबाइल ऐप के जरिए आईआरसीटीसी के माध्यम से अपने सिस्टम को सुधारने की आवश्यकता है। वहीं यात्रियों को भी रेलवे के सिस्टम जो की स्टेशन के माध्यम से पूछताछ केंद्र के माध्यम से दी जाती है इस पर विश्वास करना चाहिए। अन्यथा की स्थिति में उनका समय और धन दोनों इसी प्रकार व्यर्थ होता रहेगा।

पीएम मोदी से पहले प्रयागराज पहुंचेगा 'निषादराज'

13 दिसंबर को पीएम मोदी के आगमन से पूर्व काशी से मंगाए जा रहे क्रूज

पब्लिक एशिया ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को सनातन धर्म का सबसे बड़ा आयोजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार इसे दिव्य, भव्य और अविस्मरणीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही है। महाकुंभ के लिए प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ ही इस आयोजन को उनके लिए यादगार बनाने को अनेक नए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 13 दिसंबर को पीएम मोदी के आगमन से पूर्व अत्याधुनिक सुविधाओं वाले क्रूज को काशी से प्रयागराज लाए जाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसके लिए काशी के डीएम को मेला प्राधिकरण की ओर से प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है। इस पर जल्द निर्णय होने की संभावना है। सबकुछ सही रहा तो जलमार्ग से निषादराज क्रूज के 5 दिसंबर तक प्रयागराज आने की संभावना है। वहीं अलकनंदा और विवेकानंद क्रूज को भी लिए जाने का प्रयास किया जा रहा है। ये क्रूज

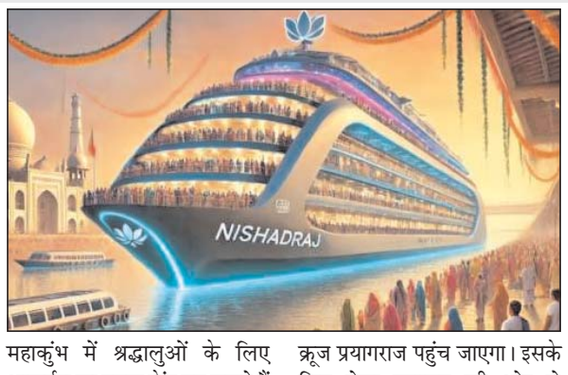

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकते हैं।

5 दिसंबर तक क्रूज के आने की संभावना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में डबल इंजन की सरकार इस बार महाकुंभ को अब तक के सभी कुंभ से ज्यादा आकर्षक और वृहद बनाने की तैयारी कर रही है। क्रूज को महाकुंभ में उतारने का निर्णय इसी का उदाहरण है। पूरी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 13 दिसंबर को प्रयागराज आने से पूर्व निषादराज क्रूज प्रयागराज पहुंच जाएगा। इसके लिए मेला प्रशासन की ओर से वाराणसी के डीएम को प्रस्ताव भेजा गया है। पूरी उम्मीद की जा रही है कि डीएम की अनुमति मिलने के बाद निषादराज क्रूज का संचालन कर रही निजी कंपनी को इसे काशी से प्रयागराज भेजने की तैयारी करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। मेला प्रशासन इसे 5 दिसंबर तक यहां लाने की योजना बना रहा है, ताकि पीएम मोदी के आगमन पर उनके सामने इसे प्रस्तुत किया जा सके।

पूरी तरह प्रदूषण रहित और वातानुकूलित हैं क्रूज

महाकुंभ के साक्षी बनने जा रहे अति आधुनिक क्रूज प्रदूषण रहित और वातानुकूलित भी हैं। बिजली से चलने वाले निषाद राज क्रूज से किसी भी प्रकार का प्रदूषण नहीं होता। इन क्रूज में 100 से अधिक लोग एक साथ सुरक्षित यात्रा कर सकते हैं। इसके साथ ही उनके खाने-पीने का भी इसमें बहुत ही शानदार इंतजाम रहेगा। इसके अलावा क्रूज में लगी एलईडी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बनने जा रही हैं। संगम के दौरान सफर करने वाले यहां के ऐतिहासिक मंदिरों, धार्मिक स्थलों के साथ-साथ अखाड़े समेत तमाम विशेषताओं को सजीव देख सकेंगे।अपर मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया की अत्याधुनिक सुविधाओं वाले क्रूज को प्रयागराज तक लाने में कोई दिक्कत न आने पाए, इसकी पुख्ता तैयारी की जा रही है। निषादराज क्रूज के साथ ही यहां पर एसपीजी के विशेष दस्ते भी सुरक्षा इंतजाम को पुख्ता करेंगे।

ग्रीन महाकुंभ, सुरक्षित महाकुंभ के तहत महाकुंभ में पहली बार तैनात होंगे ऑल-टेरेन व्हीकल

सीएम योगी के सुरक्षित और हरित महाकुंभ के संकल्प को धरातल पर उतार रहा अग्निशमन विभाग

पब्लिक एशिया ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को सुरक्षित और हरित महाकुंभ बनाने के लिए संकल्पित योगी सरकार अनेक उपाय कर रही है। इसी क्रम में पहली बार महाकुंभ में ऑल टेरेन व्हीकल तैनात किया जा रहा है। यह व्हीकल मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पा सकेगा। यह फायर एस्टींगुशर समेत तमाम अत्याधुनिक फायर सेफ्टी डिवाइसेज से लैस होगा। रेत, दलदल और छिछले पानी में भी यह पूरी रफ्तार से दौड़ सकेगा। अग्निशमन विभाग के ट्रेन्ड फायरकर्मी इस पर सवार होकर पूरे मेला क्षेत्र में आपात स्थिति पर नजर रखेंगे। इसे पहली बार महाकुंभ में उपयोग में लाया जाएगा। इसके लिए चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स प्रयागराज पहुंच चुके हैं और अग्निशमन कर्मियों को इसकी राइडिंग और उपयोग की ट्रेनिंग दी जा रही है। सीएम योगी 25 नवंबर को इन चारों व्हीकल्स समेत अन्य डिवाइसेज को हरी झंडी दिखा सकते हैं। इलेक्ट्रिक बैट्री से संचालित होने वाला यह व्हीकल सीएम योगी के सुरक्षित और हरित महाकुंभ के संकल्प को साकार करेगा।

आग बुझाने की प्रभावी क्षमता

उन्होंने कहा कि इसमें नॉर्मल एस्टींगुशर के साथ एयर कंप्रेसर और वैमपैक फायर एस्टींगुशर भी है। इसमें गन से 9 लीटर तक पानी का छिड़काव किया जा सकता है। इसमें 8 लीटर पानी और एक लीटर केमिकल होता है जो छिड़काव के बाद फोम बन जाता है। फ्लोरीन-मुक्त फोम में आग बुझाने की प्रभावी क्षमता होती है। यह आग को तेजी से बुझा सकता है। यह ज्वलनशील तरल पदार्थ की आग को भी दबा सकता है और दोबारा आग लगने से रोक सकता है, जिससे यह पारंपरिक फोम का एक विश्वसनीय विकल्प बन जाता है। इसकी डिस्चार्ज डिस्टेंस 45 फीट तक होती है, जिससे सिस्टम ऑपरेटर और आग के बीच सुरक्षित दूरी बनी रहती है। इसमें 75 फीट की नली होती है जो उपयोगकर्ता को किसी भी दिशा में यूनिट के 100 फीट के भीतर आग तक पहुंचने में सक्षम बनाती है। यह दूरी ऑपरेटर और फायरमैन को विकिरण गर्मी और जहरीली गैसों से भी सुरक्षा प्रदान करती है। यह वाहन अग्निशामकों और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के लिए अधिक सुरक्षित है। यह बायोडिग्रेडेबल और ग्रीन शील्ड प्रमाणित भी है। फ्लोरीन-मुक्त फोम वाले वाहनों का उपयोग करने के लिए अग्निशमन कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में आसान होगी पहुंच

उन्होंने बताया कि आग से जुड़ी ज्यादातर बड़ी घटनाओं में, कर्मियों को अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाकों का सामना करना पड़ता है, जिससे आग बुझाने के प्रयासों में बाधा आती है। उन इलाकों में दमकल गाड़ियों को ले जाना या उनका संचालन करना मुश्किल होता है। इसके परिणामस्वरूप काफी समय बर्बाद होता है। हम एक ऐसा समाधान चाहते थे जिससे हम भीड़भाड़ वाले इलाकों में जल्दी पहुंच सकें और तुरंत ऑपरेशन शुरू कर सकें। महाकुंभ में जब सभी क्षेत्रों में भारी भीड़ मौजूद रहेगी तब आपातकाल स्थितियों में यह वाहन चंद सेकेंड्स में घटनास्थल पर पहुंच सकेंगे। त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए तेजी से चलने की क्षमता के साथ, यह वाहन विभिन्न प्रकार की आग बुझाने में सक्षम होंगे। यह वाहन रेत, कीचड़ और उबड़ खाबड़ इलाकों के साथ-साथ छिछले पानी में भी चलने में सक्षम है। रेत पर जब वाहन फंस जाता है तब यह बूस्ट मोड में काम करता है जिससे इसके चारों पहिए काम करने लग जाते हैं। यह मात्र 4 घंटे में ही चार्ज हो जाता है और 8 घंटे तक काम करता है। यह 60 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकता है।

जर्मनी से प्रयागराज पहुंचे चारों व्हीकल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (यूपी फायर सर्विसेज) की ओर से मेला क्षेत्र को जीरो फायर इंसिडेंट जोन बनाने की व्यापक तैयारी की गई है। ऑल-टेरेन व्हीकल उसी तैयारी का हिस्सा है। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि चार ऑल-टेरेन व्हीकल्स को जर्मनी से प्रयागराज लाया गया है। लगभग ढाई करोड़ की लागत वाले इन व्हीकल्स को सीएम योगी स्वयं हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इन व्हीकल्स की तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि महाकुंभ मेला प्रारंभ होने के बाद क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुचारू रूप से फायर सेफ्टी सर्विसेज का परिचालन किया जा सके। उन्होंने बताया कि वाहन में पानी की टंकियां, नल और पंप सहित अग्निशमन उपकरण लगे हैं, जिससे अधिकारी आग लगने पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगे। यह त्वरित कार्रवाई आग को फैलने से रोकने में महत्वपूर्ण है, खासकर शुरुआती चरणों में।

आबकारी विभाग ने बरामद की 65 लीटर अवैध कच्ची शराब

पब्लिक एशिया ब्यूरो

अमेठी। जिलाधिकारी अमेठी व उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक अमेठी व जिला आबकारी अधिकारी, अमेठी के पर्यवेक्षण में बुधवार को जनपद अमेठी में गठित टीम द्वारा ग्राम-पनवारी, त्रिलोक पुर,देवकली, गुलरिया व थोरी में आकस्मिक दबिश दी गयी। दबिश के दौरान क्षेत्र -3 के थाना- भाले सुल्तान शहीद स्मारक के अन्तर्गत ग्राम - थोरी से लगभग 65 ली0 अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 200 किलो ग्राम लहन महुआ मौके पर नष्ट किया। इस

कार्यवाही मे 5 अभियोग आबकारी अधिनियम में पंजीकृत किए गए। साथ ही आबकारी दुकानो का सघन निरीक्षण किया गया तथा ग्राम वासियो को अवैध शराब के पीने से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए विभाग के संबंधित निरीक्षक के मोबाइल नम्बर पर अवैध शराब के निर्माण करने व बेचने की रोकथाम हेतु सूचना देने की अपील की गइ।

जिले में महिला मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। बरेली में मतदाता सूची में अधिक से अधिक महिला मतदाताओं को जोड़ने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तमाम बालिका विद्यालयों के साथ बालिका महाविद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज स्प्रिंगडेल गर्ल्स महाविद्यालय में उप जिलाधिकारी सदर बरेली गोविंद मौर्य द्वारा अपनी टीम को साथ लेकर सुबह 10:00 बजे से अभियान की शुरुआत की गई 4:00 बजे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में महिला मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदाता सूची में बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी तय करने के लिए जागरूक

किया गया आपको बता दें कि जनपद में जेंडर रेशों को लेकर जिला प्रशासन बीएलओ और सुपरवाइजर के माध्यम से पहले ही कार्य कर रहा है इसमें तेजी लाने के लिए विद्यालयों और महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसका नेतृत्व जिले के आला अधिकारी स्वयं कर रहे हैं ताकि इसमें किसी भी प्रकार कोताही ना बरती जा सके। आपको बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा स्वीप योजना के अंतर्गत मतदाता सूची में महिलाओं के नाम सम्मिलित कराने के उद्देश्य से स्प्रिंगडेल महिला महाविद्यालय में महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए कैम्प का आयोजन उपजिलाधिकारी सदर, बरेली गोविन्द मौर्य, की अध्यक्षता में किया गया। आयोजन में विद्यालय की छात्राओं के द्वारा नुक्कड़ नाटक कर मतदान के लिए जागरूक किया गया। आयोजन उपरांत उपजिलाधिकारी सदर, बरेली के द्वारा आगामी चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विद्यालय के समस्त स्टाफ व छात्राओं को शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद उपजिलाधिकारी सदर गोविन्द मौर्य व विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शिल्पी शर्मा के द्वारा हरि झंडी दिखाकर जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी भोजीपुरा, संबंधित क्षेत्र के बीएलओ के साथ वोटर रिसोर्स सेंटर के ऑपरेटर ऋषि कुमार के साथ महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

झिंझाना में कुत्तों को आतंक, लोगों में छाया खौफ

पब्लिक एशिया ब्यूरो

झिंझाना। कुत्तों के आतंक से कस्बे के साथ-साथ गांव के लोग भी खौफ में जी रहे हैं। एक दिन में छह से अधिक लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। फार्मासिस्ट देवेन्द्र ने बताया कि गत अक्टूबर माह में 149 तथा नवंबर माह में 122 लोगों को कुत्तों ने काट कर घायल कर दिया है। जिन्हे एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। कस्बे व क्षेत्र में कुत्तों की बढ़ती आबादी से शहर से लेकर गांव तक के लोग दहशत में जी रहे हैं। 20 से 30 कुत्ते झुंड बनाकर रहते जो शिकार की तलाश में लोगों पर हमला कर रहे हैं। इनके आतंक का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है, कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झिंझाना पर कस्बे व देहात से एक दिन में छह से अधिक लोग कुत्तों के हमलों से घायल होकर पहुंच रहे हैं। सीएचसी पर तैनात फार्मेसिस्ट ने बताया कि गत अक्टूबर माह में 149 तथा नवंबर माह में 122 लोगों को कुत्तों ने काट कर घायल कर दिया है। जिन्होंने एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। चिकित्सक ने बताया कि सावन मालेंडी, संजू गांव जन्धहेड़ी, नूर हसन आदि को कुत्तों ने काटकर घायल कर दिया था।

होटल में मांग भर पूरी कर ली हसरत, खुशखबरी सुनते ही गायब हुआ पति

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। बरेली में प्रेम प्रसंग का मामला सामने आया है ।यहां एक चेन्नई की रहने वाली युवती 2000 किमी का सफर कर बरेली आ पहुंची ।उसने पुलिस ने अपने प्रेमी की शिकायत की है ।युवती का कहना है। कि बरेली के रहने वाले राजेश से उसको प्यार हो गया था ।दोनों का प्यार परवान चढ़ा तो,एक होटल में मिलने पहुंचे ।जहां युवक ने उसकी मांग भर दी और सारी हसरतें पूरी कर लीं ।उसने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए और पति की तरह उसके साथ रहने लगा एक दिन जब उसने पति को ऐसी खुशखबरी दी जिसे सुनकर वह भाग निकला युवती का कहना है। कि राजेश मुझे अपना नहीं रहा ।बरेली में एक प्रेम की दीवानी अपने प्यार की चाहत में चेन्नई से बरेली आ पहुंची युवती का कहना है ।कि बरेली के एक युवक से उसकी इंस्टाग्राम पर मुलाकात हुई और उसके बाद दोनों ने एक दूसरे के नंबर लिए और उनका प्यार परवान चढ़ा इतना ही नहीं बरेली का युवक लड़की से मिलने चेन्नई गया होटल के कमरे में उसकी मांग भर के उसका शारीरिक संबंध भी बनाए. जब लड़की गर्भवती हुई तो वह वहां से कन्नी काट के बरेली भाग आया ।अब पीड़ित युवती न्याय की गुहार लगाते हुए बरेली पहुंची है ।बरेली के फतेहगंज पश्चिमी थाने पर न्याय की गुहार लगाने वाली पीड़िता चेन्नई से बरेली आई है ।पीड़ित युवती के मुताबिक उसको इंस्टाग्राम पर रील बनाने का शौक था ।उसकी हर रील पर बरेली का राजेश नाम का युवक लाइक करता था ।उसके बाद दोनों ने एक दूसरे के नंबर दिए और नंबर लेने के बाद दोनों की व्हाट्सएप पर चैट शुरू हो गई इतना ही नहीं जब वह करीब आए तो दोनों ने प्यार का इजहार भी किया,इसके बाद युवक उससे मिलने चेन्नई पहुंचा ।चेन्नई में उसके साथ मांग भरने के बाद शारीरिक संबंध बनाए ।युवती को लेकर वह दिल्ली एक होटल में रुका यहां पर उसने उसको अपनी पत्नी के रूप में रूम में एंट्री की मामला यहीं पर नहीं थमा बरेली का युवक चेन्नई युवति के साथ रहने लगा ।क्योंकि वह उसके साथ मांग भर चुका था तो दोनों पति-पत्नी की तरह रह रहे थे ।जब पीड़ित युवती गर्भवती हो गई और जैसे राजेश को पता चला कि उसकी प्रेमिका गर्भवती हो गई है ।वह उसको वहां पर चकमा देकर बरेली आ गया ।अब पीड़ित युवती के मुताबिक बरेली आकर उसने उसका का नंबर को भी ब्लॉक कर दिया ।जब उसने उसके परिवार वालों से बात की तो उन्होंने उसको डरा धमकाकर जान से मारने की धमकी दी ।यह कहा कि अगर वह बरेली आ जाएगी तो उसकी जान से मार देंगे,लेकिन अपने प्यार की चाहत में पीड़ित युवती बरेली पहुंची बरेली के फतेहगंज पश्चिमी थाना में उसने शिकायत की है ।कि राजेश से प्यार करती है ।वह उसका पति है ।और उसकी कोख में पढ़ने वाला बच्चा भी राजेश का है ।पीड़ित युवती का कहना है कि अगर उसे न्याय नहीं मिलता है तो वह अपने जीवन लीला को समाप्त कर लेगी।

वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य कैंप लगाया, वृद्धजनों की हुई जांच

झिंझाना। मेरठ करनाल हाईवे के गाडीवाला चौराहा पर स्थित आवासीय वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आश्रम में रह वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच हेतु कैंप लगाया गया। कैंप में शुगर, मलेरिया, टाइफाइड आदि की जांच की गई। जिसमें स्वास्थ्य विभाग ऊन की तरफ से वृद्धाश्रम में हर महीने होने वाला रूटीन चेकअप के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम से डाक्टर नवीन कुमार, एकांत कुमार, अनिल कुमार, शुभम कुमार, छवि चौधरी, कविता कोहली द्वारा वृद्धजनों के शुगर, मलेरिया, टाइफाइड की जांच उपरांत दवाइयां दी गई। वृद्धाश्रम के प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से आश्रम के सभी वृद्धजनों की प्रतिमाह होने वाली रूटीन स्वास्थ्य जांच की गई। आवासीय वृद्ध आश्रम में 56 महिला पुरुष रहते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस हुआ सम्पन्न

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। बरेली में मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश की अध्यक्षता में आज किसान दिवस का आयोजन विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य विकास अधिकारी ने किसान दिवस में आए किसानों की समस्याओं को सुनकर अतिशीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उप कृषि निदेशक द्वारा विगत माह के किसान दिवसों में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में बिन्दुवार अवगत कराया गया ।तहसील बहेड़ी केशर शुगर मिल के बकाया गन्ना भुगतान के सम्बन्ध में चीनी मिल के महाप्रबंधक द्वारा बताया गया कि बकाया गन्ना भुगतान 31 दिसम्बर 2024 तक कर दिया जायेगा। तहसील नबावगंज शुगर मिल के महाप्रबंधक के द्वारा बताया गया कि मिल बेचने की प्रक्रिया निरस्त हो गयी है तथा किसानों का बकाया गन्ना भुगतान करने के पश्चात ही चीनी मिल का पिराई सत्र शुरू किया जायेगा। वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र डा0 रंजीत सिंह द्वारा कृषि से सम्बन्धित नवीन तकनीकी खेती के बारे

में विस्तृत चर्चा करते हुए कृषकों को उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी गई। उपकृषि निदेशक ने किसान दिवस में आये कृषकों से अनुरोध किया कि वह अपने खेतों में पराली न जलायें, पराली को खेत में अथवा खेत के बाहर इकट्ठा करके गलाने/सड़ाने हेतु विभाग में पर्याप्त मात्रा में डिकम्पोजर उपलब्ध है, जिसका उपयोग पराली प्रबंधन हेतु कर सकते हैं ।जिला उद्यान अधिकारी ने जानकारी दी कि विभाग में कृषकों के लिये सब्जियों के नि:शुल्क बीज उपलब्ध है, जिन्हें कृषक भाई विभाग से प्राप्त कर सकते है एवं उनके द्वारा बताया गया कि नये उद्योग लगाने हेतु जैसे अचार, मुरब्बा, तेल मिल आदि लगाने हेतु तथा पुराने उद्योगों के पुर्नजीवन हेतु 40 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध है, जिसकी विस्तृत जानकारी विभाग के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में रबी फसलों की बुवाई हेतु उर्वरक उपलब्ध है जिन्हें कृषक भाई सहकारी समितियों से प्राप्त कर सकते हैं यदि कहीं से कोई भी समस्या आती है तो वह उन्हें तत्काल अवगत कराएं, जिससे कि समस्या का समाधान किया जा सके।

क्राइम हिस्ट्री वाले नहीं बन पाएंगे एडवोकेट

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बरेली। एलएलबी पास करने के बाद अब वकालत में सीधे एंट्री नहीं होगी। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने वकालत का पंजीकरण कराने के लिए नई प्रक्रिया लागू की है ।जिसमें लिखित परीक्षा, इंटरव्यू और पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिए गए हैं। यह कदम आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को वकालत के पेशे में आने से रोकने के लिए उठाया गया है ।वकालत के पंजीकरण के लिए अभ्यर्थियों को एक लिखित परीक्षा पास करनी होगी। इसके बाद उनका इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थियों का पुलिस सत्यापन और चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। सत्यापन पूरा होने के बाद ही इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा ।बरेली और मुरादाबाद मंडल के अभ्यर्थियों का इंटरव्यू 23 और 24 नवंबर 2024 को क्लासिक लॉ

कॉलेज,बरेली में आयोजित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष और सदस्य शिरीष मेहरोत्रा ने बताया कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को वकालत पेशे से दूर रखने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी किए थे।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पहले ही ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (ढ्ढक्च्श्व) लागू किया है। वकालत के पंजीकरण के लिए यह परीक्षा पूरे देश में आयोजित होती है ।उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने एआईबीई के साथ पुलिस सत्यापन और इंटरव्यू भी अनिवार्य कर दिए हैं। जिन अभ्यर्थियों का पुलिस सत्यापन 25 अगस्त 2024 तक पूरा हो चुका है ।केवल उन्हीं को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया है। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल का यह कदम वकालत के पेशे को आपराधिक प्रवृत्ति से मुक्त रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह प्रक्रिया पेशे में अनुशासन और नैतिकता को बढ़ावा देगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने सत्यापन और अन्य औपचारिकताएं समय पर पूरी करें।

गड्ढो के चलते सड़क बनी काल का कारण, 11 माह में हो चुकी है 10 मौत

पब्लिक एशिया ब्यूरो

बिजनौर। ग्यारह माह से उखडी़ सड़क अब तक 10 लोगों की जान ले चुकी है जबकि 40 से अधिक घायल हुए है पर विभाग की नींद नही टूटने का नाम ले रही है। मामला चांदपुर शहर के धनौरा रोड का है जहाँ सड़क चौडी़ करने के हाइवे

के दोनों और दो दो फीट गहराई की गई है। मंगलवार को देर रात्रि में आइडियल स्कूल के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से दरबाड़ा गाँव निवासी विकास चौहान पुत्र धर्मपाल सिंह की मौत हो गई। विकास की मौत की सूचना पर परिजन व आसपास के ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया जहाँ सभी ने पीडब्ल्यूडी व जिला प्रशासन के रवैये पर रोष प्रकट किया। शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यहाँ गौरतलब है कि शिव सेना प्रमुख वीर सिंह इस मार्ग को ठीक कराये जाने की मांग को लेकर कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके है। सड़क चौडी़ करने के लिए दोनों और गहराई कर दिये जाने के कारण ही अब तक 10 मौतें हो चुकी है कई दर्जन यात्री घायल हुए है पर अधिकारी इस और से लापरवाह बने हुए है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई के लिए बिछ रहा है 1249 किमी लंबा पाइपों का जाल

सीएम योगी के निर्देशानुसार 30 नवंबर तक कार्य हो जाएगा पूरा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए प्रयागराज के संगम क्षेत्र में अस्थाई महाकुंभ नगरी बसना शुरू हो गई। सीएम योगी के निर्देशों का पालन करते हुए मेला प्राधिकरण और प्रदेश के सभी प्रमुख विभाग युद्धस्तर पर विकास कार्य में लगे हुये हैं। इस दिशा में महाकुंभ के दौरान पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध पानी सप्लाई की कार्यदायी संस्था यूपी जल निगम नगरीय भी पूरी प्रतिबद्धता से कार्य में जुटी है। जल निगम नगरीय 1249 किलोमीटर लंबें पाईपों के जाल और 56000 कनेक्शन की मदद से पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध पानी सप्लाई का कार्य करेगी। जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं, संन्यासियों, कल्पवासियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

30 नवंबर तक बिछ जाएगा 1249 किमी लंबा पाईपों का जाल

महाकुंभ 2025 में पूरे मेला क्षेत्र में पीने के पानी की सप्लाई का कार्य यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज कर रही है। इसके लिए 25 सेक्टरों और 4000 हेक्टर में फैले विशाल मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई के लिए पाइप लाईन का जाल बिछाने का काम शुरू हो गया है। इस संबध में जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता अमितराज ने कहा कि इस बार का मेला क्षेत्र पहले के कुंभ मेला की तुलना में सबसे बड़ा है। पूरे मेला क्षेत्र में पानी की सप्लाई के लिए लगभग 1249 किलोमीटर लंबा पाईपों का जाल बिछाया जा रहा है। जिससे परेड ग्राउंड, संगम क्षेत्र से लेकर फाफामऊ और अरैल व झूंसी के क्षेत्रों में भी पानी की सप्लाई आसानी से की जा सके। इसके लिए 40 करोड़ रूपये की लागत से जल निगम नगरीय कार्य कर रहा है, जो कि 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा।

56000 कनेक्शन से होगी महाकुंभ में निर्बाध जलापूर्ति

महाकुंभ मेला क्षेत्र में पानी सप्लाई के बारे में बताते हुए अधिशासी अभियंता ने कहा कि पाईप लाईन बिछाने के बाद सड़कों के किनारे, अखाड़ों के शिविरों, कल्पवासियों और प्रशासन के टेंटों तक पानी के लगभग 56,000 कनेक्शन लगाये जाएंगे। उन्होंने बताया कि सड़क के किनारे के कनेक्शन और नल लगाने का कार्य 30 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। अखाड़ों और कल्पावासियों के शिविरों में पानी कनेक्शन लगाने का कार्य उनके शिविर लगाने के साथ-साथ किया जाएगा। पानी सप्लाई का कार्य 85 नलकूप और 30 जनरेटरों की मदद से पम्पिंग स्टेशनों से किया जाएगा। जिससे महाकुंभ के दौरान पूरे मेला क्षेत्र में निर्बाध जलापूर्ति में किसी तरह का व्यवधान पैदा न हो। कार्य निरिक्षण के लिए सेक्टर वाईज जल निगम के अभियंता और कर्मचारी मेला क्षेत्र में भी तैनात किए जाएंगे।

मुख्य समाचार

अब 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो को आयुष्मान कार्ड

हाथरस। भारत सरकार द्वारा अब 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बुजुर्गो को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ दिया जायेगा द्य इस योजना के तहत पांच लाख तक का निशुल्क केशलेश उपचार प्रदान किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनजीत सिंह द्वारा बताया गया कि कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फ़ोन से प्ले स्टोर से डाउनलोड करके भी अपना आयुष्मान कार्ड स्वयं बना सकते है। योजना के नोडल अधिकारी डॉ.एम.आई. आलम द्वारा ऐसे वरिष्ठ नागरिको जो 70 वर्ष की आयु पूरी कर चुके है उनसे अपील की है की वो शीघ्र ही अपना आयुष्मान कार्ड बनवा कर प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ ले द्यअपना आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए बागला जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय, आशा कार्यकत्री, पंचायत सहायक या नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र , में अपने आधार कार्ड के साथ संपर्क कर सकते है।

चमन नगरिया व चण्डौस में वोटर्स ने किया बहिष्कार

अलीगढ़, (संदीप शर्मा)। खैर विधानसभा सीट पर वोटिंग के दौरान चमन नगरिया और चण्डौस के जला कसेरू में वोटरों ने मतदान का बहिष्कार कर किया। एसडीएम खैर महिमा व एडीएम मीनू राणा के लिखित आश्वासन देने के बाद में ग्रामीणों ने मतदान शुरू किया। भाजपा प्रत्याशी सुरेन्द्र दिलेर भी चमन नगरिया पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया भाजपा से सुरेंद्र दिलेर, सपा से चारू कैन, बसपा से पहल सिंह, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) से नितिन कुमार चोटेल और राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से भूपेंद्र कुमार धनगर प्रत्याशी हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी सुरेंद्र दिलेर और सपा की चारू कैन के बीच कड़ा मुकाबला है। खैर विधानसभा क्षेत्र की कुल आबादी करीब 6.55 लाख है, जिनमें से 4.02 लाख लोग मतदाता हैं। इसमें 2.15 लाख पुरुष, 1.87 लाख महिलाएं और 22 अन्य मतदाता शामिल हैं। सुबह 9 बजे 9.06, 11.00 बजे 19.33, 1.00 बजे 29.00, 3.00 बजे 39.00 और सायं 5 बजे तक 46.55 प्रतिशत वोट पडे। खैर विधानसभा से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी चारु केन बूथ नंबर 248 पर पहुंची, वहां उन्होंने मतदान केंद्र पर सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

जयगंज में गुण्डों का आतंक युवक को लात घूंसों से मारा

अलीगढ़, (संदीप शर्मा)। थाना सासनी गेट क्षेत्र में राजकीय कन्या विद्यालय जयगंज पर बिना कारण एक युवक को गुंडों ने लात घूंसे जमकर पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि चार पांच गुण्डे एक युवक को जमीन पर गिराकर एक युवक को लात घूंसों से मार रहे हैं। बताते हैं कि इन गुंडों ने जयगंज क्षेत्र में आतंक फैला रखा है। ये गुण्डे आये दिन मारपीट करते रहते है। लोगों की माने तो मारपीट करने वाले युवक छोटू यादव, प्रशांत जाटव उर्फ पूसू, निशांत यादव है। ये लोग आए दिन लूटपाट मारपीट लोगों को परेशान करना आदि काम करते रहते है। प्रशासन से अनुरोध है इन लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करें।

पूर्व विधायक प्रमोद गौड ने परिवार के साथ वोट डाला

अलीगढ़, (संदीप शर्मा)। खैर विधानसभा के अन्तर्गत गाँव पीपल गाँव में पूर्व विधायक खैर प्रमोद गौड़ ने अपने परिवार के साथ मतदान किया, साथ में खैर ब्लॉक की पूर्व ब्लॉक प्रमुख रेखा गौड़, पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिवाकर गौड़, ब्लॉक प्रमुख सौम्या गौड़, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रभाकर गौड़ एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रशंसा गौड़ मोजूद हैं।

दिनेश कुमार उपाध्याय एवं रईस खान कोषाध्यक्ष बने

अलीगढ़, (संदीप शर्मा)। अखिल भारतीय पंचायत परिषद उत्तर प्रदेश के सहसंयोजक चौधरी महेंद्र सिंह ने उत्तर प्रदेश प्रभारी ठाकुर गवेंद्र सिंह एडवोकेट की संस्तुति एवं स्वीकृति से दिनेश कुमार निवासी ग्राम मगोला ब्लॉक खैर को जिला उपाध्यक्ष एवं रईस खान पूर्व प्रधान ग्राम समसपुर कोटा को जिला कोषाध्यक्ष अखिल भारतीय पंचायत परिषद का मनोनीत किया है दोनों को आज प्रदेश प्रभारी गवेंद्र सिंह ने मनोनयन पत्र दिया इस अवसर पर दोनों लोगों ने कहा जिले में संगठन को मजबूत करने के लिए पंचायत परिषद के संगठन के साथ निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को जोड़ेंगे जिससे त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था मजबूत हो और महानुभावों के ग्राम स्वराज के सपने को साकार किया जा सके प्रदेश प्रभारी गवेंद्र सिंह एडवोकेट ने दोनों लोगों को हार्दिक बधाई दी और कहा जब तक ग्राम पंचायतो को और अधिक विकास के अधिकार देकर सशक्त नहीं किया जाएगा तब तक ग्रामीण जन खुशहाल एवं सशक्त नहीं होंगे। इस अवसर पर प्रदेश संगठन सचिव ताहिर हुसैन एवं आमिर खान भी मौजूद थे।

मां पाटेश्वरी के दरबार में सीएम योगी ने टेका मत्था

दो दिवसीय दौरे पर बलरामपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पब्लिक एशिया ब्यूरो

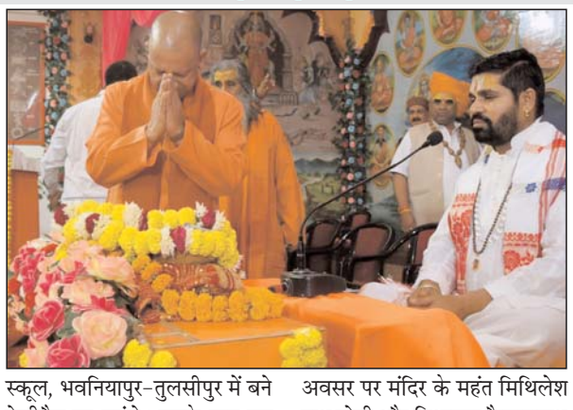

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम दो दिवसीय दौरे पर बलरामपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां मां पटेश्वरी देवी के मंदिर में दर्शन पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। सीएम योगी यहां मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर देवीपाटन में ब्रह्मलीन महंत योगी महेंद्रनाथ जी महाराज की 24वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर श्री राम कथा के भव्य आयोजन में शामिल हुए। सीएम योगी अयोध्या से हेलीकॉप्टर द्वारा मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, भवनियापुर-तुलसीपुर में बने हेलीपैड पर पहुंचे। इसके बाद वह शाम को देवीपाटन मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी और विधायक कैलाशनाथ शुक्ल ने उनका स्वागत किया। उन्होंने यहां बलरामपुर फाउंडेशन की ओर से सीएसआर फंड से निर्मित मां पाटेश्वरी थारू (वनवासी) छात्रावास का लोकार्पण किया, साथ ही बच्चों में वस्त्रों का वितरण किया।

इस अवसर पर बलरामपुर चीनी मिल्स के अध्यक्ष विवेक सरावगी, बलरामपुर फाउंडेशन की न्यासी अवंतिका सरावगी, डीएम पवन अग्रवाल, एसपी विकास कुमार, एडीएम प्रदीप कुमार, एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव, डीपीआरओ श्रेया उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सीएम के आगमन को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

राजकीय जिला पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयार छात्र-छात्राएं

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हाथरस। जनपद में राजकीय जिला पुस्तकालय रमनपुर में प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से सांय 5 बजे तक संचालित है। उक्त पुस्तकालय में जनपद के छात्र/छात्रायें एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी अपना रजिस्ट्रेशन कराकर पुस्तकालय में बैठकर स्व-अध्ययन कर सकते हैं।राजकीय जिला पुस्तकालय में कैरियर गाइडेंस तथा तनाव प्रबन्धन प्रकोष्ठ की स्थापना भी की गयी है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक शनिवार को विषय विशेषज्ञों द्वारा कैरियर काउन्सिलिंग तथा तनाव प्रबंधन हेतु काउन्सिलिंग कर उचित परामर्श नि:शुल्क दिया जाता है। जनहित में सर्वसाधारण तथा माध्यमिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रबंधकों/ प्रधानाचार्यों से अपील की गई है कि शासन के निर्देशानुसार अनुमन्य पुस्तकालय एवं कैरियर काउन्सिलिंग व तनाव प्रबन्धन की नि:शुल्क सुविधा का लाभ उठाने हेतु अपने स्तर से छात्र-छात्राओं के मध्य उक्त योजना का प्रचार-प्रसार करायें जिससे अधिक से अधिक छात्र-छात्रायें लाभान्वित हो सकें। अधिक जानकारी के लिये छात्र-छात्रायें राजकीय जिला पुस्तकालय रमनपुर में सम्पर्क कर सकते हैं।

एफसीआई गोदाम में 145 बंदरों की मौत से खलबली

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हाथरस। शहर के कलवारी रोड स्थित एफसीआई के गोदाम में जहरीला पदार्थ खाकर काफी बंदरों की मौत हो जाने से खलबली मच गई है। एफसीआई गोदाम के कर्मियों ने बिना प्रशासन को सूचित किए इन बंदरों के शव गोदाम परिसर में ही दफन करा दिए। जब कुछ हिंदूवादी नेताओं को जानकारी हुई तो उन्होंने वहां जाकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पाकर मौके पर एडीएम (जे) शिवनारायण शर्मा, एसडीम सदर, सीओ सिटी काफी पुलिस फोर्स के साथ वहां पहुंच गए। पूछताछ में यह बात निकाल कर आई कि यहां 145 से ज्यादा बंदरों की मौत हुई है और उन्हें दफन कर दिया गया। अधिकारियों ने वहां पूछताछ और जांच पड़ताल शुरू कर दी। शहर के कलवारी रोड पर एफसीआई का गोदाम है। वहां खाद्यान्न रखा जाता है। खाद्यान्न के साथ-साथ विषाक्त की गोलियां भी रखी जाती हैं। पिछले सप्ताह गोदाम में काफी तादाद में बंदर जहरीला पदार्थ खाकर मर गए। कर्मचारियों ने इस बात को छिपाए रखा और इन बंदरों के शव गोदाम परिसर में दफन करा दिए। इस बारे में जैसे ही प्रशासन को जानकारी मिली तो एडीएम सदर (जे) एसडीएम सदर, सीओ सिटी पुलिस फोर्स के साथ वहां पहुंच गए। इन अधिकारियों ने जब कर्मचारियों से पूछताछ की तो यह जानकारी मिली कि यहां 145 बंदरों की मौत हुई थी और बिना प्रशासन को सूचित किए इन बंदरों को गोदाम परिसर में ही दफन कर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारी पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। अधिकारियों का कहना था कि मामले की जांच कराई जा रही है और यदि जरूरत होगी तो उस स्थान की खुदाई भी कराई जाएगी, जहां बंदरों के शव दफन किए गए हैं।

सीएम योगी के नेतृत्व में चकबन्दी विभाग में वर्षों से रुकी पदोन्नति हुई पूरी, 122 का हुआ प्रमोशन

सीएम योगी के फैसले से चकबंदी के कार्यों को मिलेगी रफ्तार, किसानों को होगा बड़ा फायदा

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चकबन्दी विभाग में वर्षों से रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया को तेज गति मिली है। बीते महीने 728 चकबंदी लेखपालों की पदोन्नति के बाद अब लंबे समय से प्रतीक्षारत संयुक्त संचालक, उप संचालक, बन्दोबस्त अधिकारी, चकबन्दी अधिकारी, और सहायक चकबन्दी अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर 122 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। वहीं 288 चकबन्दी लेखपालों को सहायक चकबन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया जारी है।

चकबन्दी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि विभाग के कई पद वर्षों से रिक्त थे, जिससे कार्यों में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन और निदेशालय स्तर पर विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया गया, जिसने पात्र अभ्यर्थियों की सेवा स्थिति का परीक्षण कर निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि चकबन्दी विभाग में संयुक्त संचालक, उप संचालक, बन्दोबस्त अधिकारी, चकबन्दी अधिकारी, और सहायक चकबन्दी अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर 122 अधिकारियों को पदोन्नति किया गया है।

5 चकबंदी अधिकारियों की शीर्ष पदों पर हुई पदोन्नति

विभाग द्वारा 5 चकबंदी अधिकारियों की शीर्ष पदों पर पदोन्नति दी गई है। जिसमें संयुक्त संचालक चकबन्दी के रिक्त पद पर मधुसूदन दूबे को पदोन्नत करते हुए मुख्यालय में तैनात किया गया है। वहीं, उप संचालक चकबन्दी के 4 रिक्त पदों पर आलोक कुमार, मातादीन मौर्य, शशिकांत शुक्ला और अनिल कुमार को पदोन्नति दी गई है।

17 अधिकारियों को बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी पद पर हुआ प्रमोशन

चकबन्दी अधिकारी के पद पर पिछले 23 वर्षों से कार्यरत 17 अधिकारियों को बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। यह निर्णय विभागीय कार्यों की सुगमता और कुशल प्रबंधन में बड़ा बदलाव लाने वाला है।

26 वर्षों बाद हुई सहायक चकबन्दी अधिकारियों की पदोन्नति

वर्ष 1998 में नियुक्त सहायक चकबन्दी अधिकारियों को 26 वर्षों तक पदोन्नति का इंतजार करना पड़ा। सीएम योगी के प्रयासों से अब पात्र 55 सहायक चकबन्दी अधिकारियों को चकबन्दी अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है, जिनमें 2 दिव्यांगजन भी शामिल हैं। इसके अलावा आशुलिपिक के पद पर पिछले 7 वर्षों से रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया को पूरा करते हुए 42 आशुलिपिकों को उनके अग्रतर श्रेणी में पदोन्नति दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यालय स्तर पर 1 वरिष्ठ सहायक को प्रधान सहायक और 2 कनिष्ठ सहायकों को वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

पदोन्नति से कृषि एवं कृषकों को होगा लाभ

चकबन्दी विभाग में रिक्त पदों पर त्वरित पदोन्नति से विभागीय कार्यों को नई गति मिलेगी। यह कदम प्रदेश की कृषि प्रणाली को मजबूत करने में सहायक होगा। चकबन्दी प्रक्रिया को कुशलता से पूरा कर कृषि भूमि के बेहतर प्रबंधन और उपयोग में मदद मिलेगी, जिससे प्रदेश के किसानों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। चकबन्दी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर इतने कम समय में विभाग में 850 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा है और विभाग में उत्साह का वातावरण बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का यह कदम न केवल विभागीय कार्यों को सुचारु बनाने की दिशा में है, बल्कि राज्य के कृषि और कृषकों के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा।

प्रदेश के पर्यटन स्थल को दीजिए वोट, सीएम ने अयोध्या से महाअभियान का किया शुभारंभ

पब्लिक एशिया ब्यूरो

अयोध्या। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के 'देखो अपना देश- पीपल्स चॉइस 2024' को उत्तर प्रदेश पर्यटन महाअभियान के रूप में चला रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या से इसका शुभारंभ किया। 25 नवंबर 2024 तक चलने वाले इस कैंपेन में जनसामान्य से लेकर जनप्रतिनिधि और अफसर सहित अन्य लोग राज्य में स्थित अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल को वोट देंगे। साथ ही, सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। महाभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश विश्व पर्यटन के मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। बीते वर्ष 2023 में यहां 48 करोड़ से अधिक पर्यटक आए थे। यानी जितनी यहां की आबादी है उससे लगभग दोगुना पर्यटकों की संख्या। आंकड़े बताते हैं कि प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान बुद्ध की यह धरती देश में सबसे अधिक घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन में यह उपलब्धि हासिल करने के निरंतर प्रयास किया जा रहा है। पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन स्थलों, सड़क के किनारे होटल, ढाबे, वैवाहिक स्थलों आदि में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही कनेक्टिविटी पर तीव्र गति से कार्य हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी क्रम में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के कैंपेन 'देखो अपना देश-पीपल्स चॉइस 2024' को उत्तर प्रदेश सरकार महाअभियान के रूप में चला रही है। इसका उद्देश्य प्रदेश के धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, भगवान गौतम बुद्ध से जुड़े स्थल, ऐतिहासिक, प्राकृतिक विरासत आदि सर्वश्रेष्ठ पर्यटक स्थलों के सबंध में आम लोगों की राय जानना है। ताकि इन स्थलों को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सके।

महाभियान के तहत 25 नवंबर तक विद्यार्थी, युवा पर्यटन क्लब के सदस्य, शिक्षक, अधिकारी गण, सभी जनप्रतिनिधि सहित अन्य सभी लोग क्यूआर कोड स्कैन कर पोर्टल पर फॉर्म भर कर अपने पसंदीदा पर्यटन आकर्षण को बताएंगे। इसके साथ ही हाल में कहां घूमे हैं, कहां घूमने की योजना बना रहे हैं। इसी तरह अन्य सूचनाएं दर्ज करनी होंगी। क्यूआर के अलावा सीधे https://docs.google.com/forms/d/e/vFAIpQLSfwExpxXuVhzTRCyVmcqW®yQU~VzaXAwD{TnvuTqkzmNsVUxw/viewform पर फार्म भर कर अपने पसंदीदा पर्यटन आकर्षण को बता सकते हैं।

प्रत्येक जिले के प्रमुख स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जा रहे हैं। यहां सेल्फी लेकर क्यूआर कोड के माध्यम से फोटो और रील्स अपलोड कर सकते हैं। महाभियान में सबसे अधिक योगदान देने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महाभियान को सफल बनाने के लिए सभी जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों को निर्देशित किया गया है। इस अभियान में इन्फ्लुएंसर, ब्लॉगर सहित अन्य लोगों को शामिल किया गया है, जो अधिक से अधिक योगदान देकर इस महाभियान को सफल बनाएंगे।

श्याम के भजनों पर देर रात तक झूमे श्रद्धालु, उमडी श्रद्धालुओं की भीड

पब्लिक एशिया ब्यूरो

शामली। श्याम लखदातार श्रृंगार सेवा समिति द्वारा मंदिर हनुमान टीला पर 50वां भव्य श्री श्याम मासिक संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में पहुंचे गायकों ने एक से बढकर एक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात शहर के मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम पर श्री श्याम लखदातार श्रृंगार सेवा समिति द्वारा भव्य श्री श्याम मासिक संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया गया। संकीर्तन का शुभारंभ मंदिर के प्रधान सलिल द्विवेदी व रमेश धीमान ने दीप प्रज्जवलित कर किया। भजन कलाकार हरीश नामदेव ने गणेश वंदना से संकीर्तन की शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने आसरा तुम्हारा बजरंगबली, कीर्तन की है रात बाबा, आज तुम्हें आना है, बाबा की जगमग ज्योत जले सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सहारनपुर से आई गायिका हिमांशी कौशल ने श्याम बाबा बाबा श्याम बाबा अब तो दर्श दिखा दो, पकड़ लो हाथ बनवारी नहीं तो छूट जाएंगे, सुनाया। संजय वर्मा शामली ने दो अक्षर का प्यारा नाम श्री राम जय राम जय जय राम, साथी हमारा कौन बनेगा तुम ना सुनोगे बाबा कौन सुनेगा, सुनाकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। राजस्थान हनुमानगढ़ से आए देवचुध ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, दरबार मेरी श्याम का सबको बुला रहा है आदि सुनाकर माहौल को भक्तिमय कर दिया। इसके बाद महाआरती व प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री पुनीत द्विवेदी, योगेंद्र कुमार, हरिओम पांचाल, विनय पांचाल, रमेश चंद पांचाल, तरुण, रवि संगल आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर और हनुमानगढ़ी में की पूजा-अर्चना

पब्लिक एशिया ब्यूरो

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर हनुमत दरबार में हाजिरी लगाई। इसके उपरांत सीएम योगी श्रीरामलला के मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। सीएम योगी ने दोनों मंदिरों में प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। आज उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए हो मतदान के बीच अयोध्या पहुंचे हैं। इससे पहले अयोध्या पहुंचने पर महापौर एवं विधायक समेत जनप्रतिनिधियों व भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री बुधवार दोपहर रामकथा पार्क पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां संकटमोचन हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाई। यहां मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेम दास से मुलाकात की, जिन्होंने सीएम योगी को अंगवस्त्र पहनाकर आशीर्वाद दिया। सीएम ने यहां दर्शन-पूजन के उपरांत अयोध्यावासियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि पहुंचे और श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। मुख्यमंत्री ने यहां भी विधिवत दर्शन-पूजन किया। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीपोत्सव के दौरान अयोध्या पहुंचे थे। सीएम ने उस दौरान भी श्रीराम व संकटमोचन हनुमान जी के चरणों में हाजिरी लगाई थी। दर्शन-पूजन के दौरान महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्त, आदि मौजूद रहे।

खाद्य विभाग की छापामार कार्यवाही, पनीर,दूध व बर्फी के सैंपल भरे

पब्लिक एशिया ब्यूरो

हाथरस। जिलाधिकारी द्वारा दिए गए आदेश के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार मिलावट करने वालों एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों पर कार्यवाही कर रहा है द्यइसी क्रम में खाद्य विभाग की टीम द्वारा आज कस्बा मेंण्डू क्रॉसिंग के पास ई रिक्शा से दो ड्रम में हाथरस ले जाये जा रहे पनीर मात्रा लगभग एक कुंटल पनीर का निरीक्षण किया गया। मिलावट के संदेह के आधार पर पनीर का एक नमूना जांच हेतु लिया गया द्य इसी क्रम में तालाब चौराहे के पास पिकअप गाड़ी में ले जा रहे नोवा कंपनी के होमोजेनाइज्ड स्टैंडर्ड मिल्क का नमूना जांच हेतु लिया गया । शहर के नवीपुर चौराहा आगरा रोड के पास स्थित श्री बालाजी इंटरप्राइजेज से अमूल ब्रांड की काजू बर्फी का नमूना शिकायत के आधार पर जांच हेतु लिया गया । टीम द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय अगसौली सिकंद्राराऊ से बच्चों को परोसे जाने वाले कड़ी व चावल के सर्वे नमूना जांच हेतु लिए गए द्य मौके पर 600 बच्चों को मिलावट पहचान के तरीके बताए गए एवं जागरूकता कार्यक्रम किया गया द्य प्राथमिक विद्यालय सैफयू तहसील सादाबाद से बच्चों को मिड डे मील के तहत दिए जा रहे सब्जी व रोटी के सर्वे नमूने जांच हेतु लिए गए द्य विद्यालय में 64 बच्चों को मिलावट के प्रति जागरूक किया गया।उक्त संबंध में खाद्य विभाग के मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। अग्रिम कार्यवाही रिपोर्ट प्राप्ति के बाद की जाएगी।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत क्विज व विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

शामली। जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में बुधवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में जनपद शामली के सभी विकास क्षेत्रों से चयनित उच्च प्राथमिक विद्यालय के 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जबकि प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर से चयनित 15-15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी रहे। निर्णायक समिति में जिला कार्यक्रम अधिकारी बाबर खान, जीआईसी पावटी के प्रिंसिपल अमित मलिक एवं जीआईसी लिलौन की प्रिंसिपल पूजा रहीं। क्विज प्रतियोगिता में शामली विकास क्षेत्र से उच्च प्राथमिक विद्यालय बलवा से दीपक कुमार ने प्रथम स्थान, उच्च प्राथमिक विद्यालय हुरमंजपुर कांधला से वंशिका ने द्वितीय स्थान, उच्च प्राथमिक विद्यालय सिम्भालका से गुलाब सिंह ने तृतीय स्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर से अक्षय कुमार ने चतुर्थ स्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय सोंटा से शानू ने टॉप फाइव में स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता के प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को टैबलेट का वितरण किया गया जबकि मॉडल प्रदर्शनी में टॉप फाइव स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों में कैराना विकास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय अलीपुर से मोनू, उच्च प्राथमिक विद्यालय जंधेडी से सागर, उच्च प्राथमिक विद्यालय बीबीपुर जलालाबाद ऊन से अर्जुन उच्च प्राथमिक विद्यालय बुच्चाखेड़ी से शिवानी तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर शामली से वंश को विज्ञान किट पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। वहीं क्विज एवं विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले अन्य सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में बैग एवं स्टेशनरी प्रदान की गई। सीडीओ ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लता राठौर, एसआरजी प्रवीण कुमार शर्मा, सुनील कुमार, सचिन कुमार, जिला समन्वयक राहुल कुमार, अमित कुमार, जितेंद्र कुमार खंड शिक्षा अधिकारी प्रिंसी, सविता डबराल, सुशील शर्मा, विकास कुमार, नरेंद्र सिंह, राहुल धामा तथा एआरपी प्रताप, भोला, अमित, पंकज, अजय, अनुज, इकबाल, विनोद, परमेंद्र, राजेंद्र आदि उपस्थित रहे।

डीएपी की किल्लत को लेकर हंगामा

किसान दिवस में किसानों ने अधिकारियों पर जताई नाराजगी

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। कृषि विभाग का दावा है कि जिले में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है और यह प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने भी कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में किसान डीएपी की भारी किल्लत का सामना कर रहे हैं। किसान दिवस के अवसर पर यह समस्या प्रमुख रूप से सामने आई, जहां किसानों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

किसान दिवस पर हंगामाः कृषि विज्ञान केंद्र बिचपुरी में आयोजित किसान दिवस में किसानों ने डीएपी की कमी, नहरों में टेल तक पानी न पहुंचने और सफाई में अनियमितताओं को लेकर हंगामा किया। उन्होंने शिकायत की कि शासनादेश के अनुसार जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) और सभी विभागों के जिले स्तर के अधिकांश विभागों के वरिष्ठ अधिकारी नहीं आए और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भेज दिया। खासकर अधिकारियों का कार्यक्रम में उपस्थित होना अनिवार्य है। बावजूद इसके, विद्युत विभाग से कोई भी प्रतिनिधि नहीं पहुंचा, जिससे किसानों में आक्रोश बढ़ गया।

किसानों की समस्याएं और मांगें

भारतीय किसान संघ के प्रदेश मंत्री मोहन सिंह चाहर ने डीएपी की किल्लत पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अगर खाद की कोई कमी नहीं है तो किसानों को सहकारी समितियों पर लंबी कतार में क्यों खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि इससे जुड़े किसान भी लाभान्वित हो सकें। श्याम सिंह चाहर ने किसान दिवस को औपचारिकता करार देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में जिले स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिए। उन्होंने नहरों और माइनरों की सफाई में हो रही अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की।

अधिकारियों और वैज्ञानिकों की उपस्थिति

इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने किसानों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। किसान दिवस में उप निदेशक कृषि पुरुषोत्तम मिश्रा, कृषि केंद्र प्रभारी डॉ. राजेंद्र सिंह चौहान, डॉ. भोज कुमार, आदर्श कुमार सहित कई अधिकारी और किसान नेता मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स को साइबर विशेषज्ञ ने साइबर सुरक्षा से संबंधित दी जानकारी

- **कैडेटों के संग साइक्लोथोन यात्रा होगी ऐतिहासिकः ब्रिगेडियर एन एस चारग**
- **एक जनवरी को मेरठ से शुरू होगी साइक्लोथोन 26 जनवरी को पहुंचेगी दिल्ली**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा। एनसीसी आगरा ग्रुप का एनसीसी का एटीसी 15 का दस दिवसीय कैंप चौधरी रघुनाथ सिंह महाविद्यालय किरावली आगरा में चल रहा है आज कैम्प के चौथे दिन कैडेटों को फायर सेफ्टी और साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से प्रदान किया गया। मेजर रविन्द्र कुमार ने लेक्चर हॉल में एनसीसी कैडेट्स को व्यक्तित्व विकास पर जानकारी दी गई। इस कैंप के दौरान लखनऊ निदेशालय के 14 कैडेट्स के संग ग्रुप कमांडर बिग्रेडियर नरेन्द्र सिंह चारग सेना मेडल द्वारा साइक्लोथोन की तैयारी की जा रही है। यह साइक्लोथोन 1 जनवरी 2025 को 1857 की प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के ऐतिहासिक स्थल मेरठ से प्रारम्भ हो कर उत्तर प्रदेश में लगभग 2000 किलोमीटर की यात्रा करते हुए देश की राजधानी दिल्ली में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संग 26 जनवरी 2025 को आरडीसी परेड में शामिल होंगे। इस दौरान कैम्प कमांडेंट कर्नल परितोष विभु,एडम आफिसर कर्नल दीपेन्द्र सिंह, मेजर किशन लाल, कैम्प एजुडेंट मेजर ओमवीर सिंह सोलंकी, मेजर रविन्द्र कुमार, लेफ्टिनेंट श्याम किशोर, थर्ड ऑफिसर वाई पी सिंह, थर्ड ऑफिसर मनोज पंत, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार गुरुमुख सिंह,बी एच एम हवलदार यतेन्द्र सिंह, हवलदार रसूल,विजय कुमार दीक्षित, सी पी शर्मा सहित सभी ऑफिस स्टॉफ,पीआई स्टॉफ एवं कैडेट्स उपस्थित रहे।

मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत: विधायक भगवान सिंह कुशवाह

फतेहाबाद का प्रख्यात सती मेला शुरू

पब्लिक एशिया ब्यूरो

फतेहाबाद। फतेहाबाद तहसील का प्रख्यात सती मेला बुधवार से शुरू हो गया। पहले दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सती यशोदा देवी मंदिर पर जाकर माता की मनौती मांगी। दो दिवसीय मेले में दूर दराज से भक्तगण आते हैं तथा माता के दरबार में मत्था टेकते हैं। खेरागढ़ के विधायक भगवान सिंह कुशवाहा ने समर्थकों के साथ सती यशोदा देवी के दरबार में मत्था टेका तथा मिलेगा औपचारिक शुभारंभ किया। विधायक ने कहा कि मेला हमारी आस्था का प्रतीक है, इन्हें हमें सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाना चाहिए। इस दौरान विधायक भगवान सिंह कुशवाहा एवं समाजसेवी राजेश कुशवाहा ,सांसद पुत्र परमवीर चाहर ने मंदिर पर पूजा अर्चना भी की। कार्यक्रम से पूर्व दोनों ही जनप्रतिनिधियों ने मेले का अवलोकन किया तथा दूर दराज से आए दुकानदारों से बातचीत भी की। इस दौरान राजस्थान, मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में सती यशोदा देवी के भक्त गढ़ मेले में मौजूद रहे। इस इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर बीपी कुशवाहा, पूनाराम कुशवाहा, उत्तम चंद कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा, होरीलाल कुशवाहा समस्त मेला कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

पुलिस ने बिहार जा रही 20 लाख रुपये की शराब पकड़ी

- **कंटेनर में फिनायल के डिब्बों में छिपाकर हो रही थी तस्करी**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

फिरोजाबाद। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कंटेनर से 20 लाख रुपये की कीमत की अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक बंद बॉडी कंटेनर में फिनायल के डिब्बों में अवैध शराब छुपाई जा रही है। जब पुलिस ने कंटेनर को रोका और उसकी जांच की, तो उसमें 118 पेटी हरियाणा मार्का की अवैध अंग्रेजी शराब मिली। यह शराब हरियाणा राज्य में बेची जाने वाली थी, लेकिन इसे बिहार में तस्करी के द्वारा ले जाया जा रहा था। बिहार में शराबबंदी लागू है, इसलिए वहां अवैध रूप से शराब की तस्करी की जाती है, ताकि इसे अधिक कीमत पर बेचा जा सके। पकड़ी गई शराब की कीमत लगभग 20 लाख रुपये है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कंटेनर को रोका

एसपी सिटी रवी शंकर प्रसाद ने बताया कि थाना रसूलपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में अवैध शराब तस्करी के लिए ले जाई जा रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कंटेनर को रोका और उसमें से 118 पेटी अवैध शराब जप्त की। इसके अलावा एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है, जो इस तस्करी में शामिल था।

इस कार्रवाई से पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है और यह संदेश दिया है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करने का वादा किया है।

आगरा में सचिव से 4 लाख रुपए लूटे

- **बाइक में टक्कर मार कर गिराया, मुंह पर मारा घूंसा, रुपए से भरा बैग लेकर फरार**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

आगरा (प्रदीप सिंह, संवाददाता)। सहकारी समिति के सचिव के साथ 4 लाख रुपए की लूट हो गई है। क्षेत्र के थाना शमसाबाद क्षेत्र में सहकारी समिति के सचिव को बदमाशों ने टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद उनका रुपए से भरा बैग लूटकर भाग गए। सचिव के साथ लूट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। बदमाशों की पकड़ के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे देख रही है। कौलारा कला सहकारी समिति में मुकेश कुमार सचिव हैं। मंगलवार रात को वो खाद बिक्री का कैश लेकर वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में लुहारी टंकी के पास दो बाइक पर बदमाश आए। बदमाशों ने उनकी बाइक में टक्कर मारी, जिससे वो गिर पडे।। इसके बाद एक बदमाश ने उनका रुपए से भरा बैग छीनने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने बैग नहीं छोड़ा। बदमाश ने उनके मुंह पर घूंसा मारा। इसके बाद वो बैग लूटकर फरार हो गए। इसके बाद उन्होंने शोर मचाया, लेकिन उस समय वहां पर कोई नहीं था। बदमाश इरादत नगर की तरफ भाग निकले। बैग में करीब 4 लाख रुपए कैश था।

सूचना पर पहुंची पुलिस

सचिव के साथ लूट की सूचना पर एसीपी समेत थाने का फोर्स पहुंच गया। सचिव से पूछताछ के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे देखे हैं। एसीपी गिरीश कुमार का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बदमाशों को पकड़ने के लिए टीमें लगा दी गई है। जल्द ही बदमाश पकड़ लिए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई दंपति का ट्रेन में छूटा आईफोन, टूंडला जीआरपी ने आगरा जाकर लौटाया, खिल उठे चेहरे

पब्लिक एशिया ब्यूरो

फिरोजाबाद। ऑस्ट्रेलिया से भारत आए एक दंपत्ति का मोबाइल बनारस से आते समय ट्रेन में खो गया। टूंडला जीआरपी ने विदेशी दंपत्ति से संपर्क कर उनका मोबाइल लौटा दिया। थाना प्रभारी ने खुद आगरा पहुंचकर दंपत्ति को मोबाइल सौंपा। अपना खोया मोबाइल पाकर विदेशी दंपत्ति बेहद खुश हुए। उन्होंने पुलिस का आभार जताया।

टूंडला उतरते समय आईफोन 16 प्रो ट्रेन में ही छूट गया

राजकीय रेलवे टूंडला थाने के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार के अनुसार ऑस्ट्रेलिया निवासी डंकन राइस अपनी पत्नी के साथ भारत घूमने आए थे। वह ट्रेन संख्या 12581 से बनारस से टूंडला जा रहे थे, तभी टूंडला उतरते समय उनका आईफोन 16 प्रो ट्रेन में ही छूट गया। वहां से ट्रेन दिल्ली चली गई। दंपत्ति ने इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी। यहां से पुलिस को सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई और मोबाइल बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए।

काफी प्रयास के बाद मोबाइल दिल्ली से बरामद हुआः थाना प्रभारी ने बताया कि फोन बरामदगी के लिए टीटी और एस्कॉर्ट पुलिसकर्मियों से संपर्क किया गया, काफी प्रयास के बाद मोबाइल दिल्ली से बरामद कर टूंडला लाया गया। इसके बाद जीआरपी थाना प्रभारी अमित कुमार ने विदेशी दंपत्ति से संपर्क कर आगरा के होटल में ठहरे विदेशी पर्यटकों को बुलाकर खुद ही उनका फोन लौटाया। फोन वापस मिलने पर विदेशी दंपत्ति ने पुलिस का आभार जताया है।

एक्टिवा और बाइक की भिड़ंत बाइक सवार जीजा साले घायल

फतेहाबाद (पब्लिक एशिया ब्यूरो)। थाना डौकी क्षेत्र के वाजिदपुर पुलिया के पास एक्टिवा तथा बाइक में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार जीजा साले घायल हो गए।जिन्हें एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद भर्ती कराया। एक्टिवा सवार एक्टिवा लेकर भाग गया। संजय पुत्र फूल सिंह निवासी कांकड़ थाना डोकी शनि पुत्र बुद्ध सागर दोनों जीजा साले एक बाइक पर थे।बाजिदपुर के पास सामने से आ रही एक्टिवा से बाइक की भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों जीजा साले घायल हो गए। संजय अपनी बहन उषा देवी को पिनाहट छोड़कर आ रहा था। इसके बाद बाजिदपुर पुलिया के पास सामने से एक्टिवा बाइक की भिड़ंत में जीजा साला घायल हो गया ।मौके पर पहुंची एंबुलेंस 108 द्वारा घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया एक्टिवा सवार मौके से फरार हो गया।

दूध व्यापारी की नृशंस हत्या का खुलासा

मां से संबंध होने पर उतारा था मौत के घाट

- **आरोपी निकला बाल अपचारी**

पब्लिक एशिया ब्यूरो

मथुरा। थाना महावन क्षेत्र में यमुना ऐक्सप्रेस-वे, माइल स्टोन 115 के पास दूध कारोबारी की कुल्हाडी से गला काट कर निर्मम हत्या की घटना का थाना महावन पुलिस स्वाट टीम व सर्विलांस सेल की मदद से खुलासा किया गया। घटना करने के आरोप में बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि देवेन्द्र सिंह ग्राम नगला धनुआ का भांजा पंकज दूध का काम करता था, 16 नवम्बर को गांव धनुआ से कृष्णा दुग्धालय कंसखार थाना कोतवाली जनपद मथुरा दूध डालकर वापस अपने घर के लिये आ रहा था । तभी यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 115 के पास अन्डर ब्रिज से सिहोरा-कारव मार्ग पर अन्डर ब्रिज से करीब 50 मीटर आगे कारव की तरफ अज्ञात व्यक्ति ने पंकज की कुल्हाडी से गला काट कर निर्मम हत्या कर दी थी,जिसके सम्बन्ध में मृतक के मामा देवेन्द्र प्रधान ने थाना महावन पर तहरीर दी और पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मामला पंजीकृत किया। घटना के खुलासे के लिए एसएसपी ने कई टीमें लगाई। चार दिन बाद घटना का पटाक्षेप कर दिया। घटना करने वाला बाल अपचारी है।

आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह अपने मामा के यहां रहकर गांव में सुबह शाम घरों से पशुओं का दूध निकलवाने जाया करता था। इसी दौरान पंकज के सम्बन्ध बाल अपचारी की मां से हो गये,जिसकी जानकारी बाल अपचारी को हुई और उसने पंकज की हरकतों को देख भी लिया। बस इसी बात को लेकर वह अन्दर कुण्ठा महसूस करने लगा। जिसके सम्बन्ध में बाल अपचारी द्वारा पंकज से ऐसा कार्य न करने के लिये भी बोला गया था। लेकिन पंकज ने उसकी बात नहीं मानी जिससे बाल अपचारी द्वारा आवेश में आकर समाज में अपने परिवाल की छवि धूमिल होने से बचाने के लिये पंकज की कुल्हाडी से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी।

भारतीय बकरी क्षेत्र के लिए नीतियां और रणनीतियां राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

पब्लिक एशिया ब्यूरो

मथुरा। बुधवार को भा.कृ.अ.प. केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम द्वारा पशुपालन एव डेयरी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से को 'अमृत काल में भारतीय बकरी क्षेत्र के लिए नीतियाँ और रणनीतियाँ' विषय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस संगोष्ठी का आयोजन भारतीय सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग के सहयोग से किया गया । संगोष्ठी में देशभर के नीति निमार्ता, विशेषज्ञ, शोधकर्ता, और बकरी पालन से जुड़े किसान एवं उद्योग के 150 प्रतिनिधि शामिल हुए। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बकरी क्षेत्र में अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के आधार पर नीतियाँ तैयार करना था, ताकि 'अमृत काल' में इस क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्य अतिथि अल्का उपाध्याय, आईएएस, सचिव (डीएएचडी) और विशिष्ट अतिथि डॉ. अभिजीत मित्र, एनिमल हसबेंड्री कमिश्नर, और डॉ. आर. भट्टा, डीडीजी (एनिमल साइंस) जैसे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह संगोष्ठी बकरी पालन को लाभकारी व्यवसाय में बदलने की रणनीतियों पर केंद्रित रही। विशेषज्ञों ने बकरी स्वास्थ्य में सुधार, टीकाकरण कवरेज बढ़ाने और उत्पादन में होने वाले नुकसान को कम करने के लिए ठोस नीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया।

संगोष्ठी के दौरान भारतीय बकरी पालन क्षेत्र के लिए आवश्यक रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। इसमें बकरी पालन से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों के बारे में विचार किया गया, साथ ही बकरी उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय सुधारने के लिए नीतियों पर भी विचार किया गया। विशेषज्ञों ने बकरी पालन में सुधार, पशुपालन के आधुनिक तरीकों, और नवाचार को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया।

भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस संगोष्ठी में भाग लिया और भारतीय बकरी क्षेत्र की दिशा और विकास के लिए आवश्यक कदमों पर अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी में बकरी पालन को अन्य कृषि गतिविधियों के साथ जोड़कर इसके लिए समग्र विकास योजनाएँ तैयार करने पर चर्चा की गई।

इस आयोजन में यह भी उल्लेख किया गया कि बकरी पालन, विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में, एक महत्वपूर्ण आय का स्रोत बन सकता है। पशुपालन के साथ-साथ बकरी उत्पादों की प्रौद्योगिकी और विपणन में सुधार करने से देशभर में आर्थिक सुधार संभव है।

इस संगोष्ठी के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय बकरी क्षेत्र के लिए समग्र दृष्टिकोण और नीति निर्धारण से किसानों की स्थिति में सुधार होगा और बकरी पालन क्षेत्र के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

संस्थान निदेशक डॉ0 चेटली द्वारा अपने भाषण में मुख्य अतिथि, अति विशिष्ट एवं विशिष्ट अतिथिगण एवं कार्यक्रम में उपस्थित हुए समस्त आगंतुकों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज दिन का एक एतहासिक दिन है । इसके साथ ही संस्थान निदेशक डॉ0 चेटली ने संस्थान में चल रहे विभिन शोध-अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षणों एवं परियोजनाओं की जानकारी दी जो कि किसानों के आर्थिक उत्थान एवं आय दोगुनी करने में सहायक है।

संगोष्ठी में बकरी दूध और मांस प्रसंस्करण के लिए सब्सिडी और छोटे पैमाने पर स्लॉटर हाउस स्थापित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। इसके अलावा, देशी नस्लों के संरक्षण के लिए जीनोमिक चयन और उच्च गुणवत्ता वाले जर्मप्लाज्म के लिए राष्ट्रीय भंडार बनाने की सिफारिश की गई। घटते चरागाहों और बदलते मौसम की चुनौतियों से निपटने के लिए सामुदायिक चारागाहों और जलवायु-प्रतिरोधी आवास जैसे टिकाऊ उपायों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। संगोष्ठी का समापन इस मांग के साथ हुआ कि भारत सरकार एक महीने को पशुपालन जागरूकता माह के रूप में मनाए, जिससे पशुधन विकास और उत्पादकता को बढ़ावा दिया जा सके। संगोष्ठी के अंत में निर्णय लिया गया कि बकरी पालन से संबंधित रणनीतिक दस्तावेज बनाकर केंद्र सरकार को भेजा जाएगा तथा उसके अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग, द्वारा दिए जाएंगे । रणनीतिक दस्तावेज को बनाने की जिम्मेदारी केंद्रीय बकरी अनुसंधान के वैज्ञानिकों को दी गई है।

बकायदार नलकूप उपभोक्ताओं के विद्युत विभाग ने उतारे ट्रांसफार्मर

पब्लिक एशिया ब्यूरो

पिनाहट। बुधवार को पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र में विद्युत विभाग की टीम ने बकायदार नलकूप उपभोक्ताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अवर अभियंता नीरज कुमार के नेतृत्व में चलाए गए चेकिंग अभियान में पांच ट्रांसफार्मर उतारे गए।

नलकूप उपभोक्ताओं पर लगभग 28 लाख रुपये का बकाया था, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। विभाग की टीम ने पिनाहट ब्लॉक क्षेत्र के गांव क्योंरी, उटसाना, उमरैठा सहित अन्य गांवों में चेकिंग अभियान चलाया गया।

इस दौरान छोटे बकायदारों को बिल भुगतान के लिए कहा गया। यह कार्रवाई विद्युत विभाग की ओर से बकायेदारों के खिलाफ की गई है ताकि विभाग के राजस्व में बढ़ोतरी हो सके।

वही इस मामले में एसडीओ पिनाहट का कहना है कि बकायदारो के खिलाफ विद्युत विभाग की कार्यवाही की गई है आगे भी विद्युत बकायदारो के खिलाफ ऐसे ही सख्त से सख्त आवश्यक कार्यवाही जारी रहेगी।

लंबे लोगों में 'एट्रियल फिब्रिलेशन' का खतरा

एट्रियल फिब्रिलेशन जो कि हृदय की अतालता (Cardiac arrhythmias) का एक प्रकार है। एट्रियल फिब्रिलेशन एक हृदय स्थिति है, जहां व्यक्ति की दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। वैश्विक स्तर पर इस हृदय रोग से लगभग 33 मिलियन लोग प्रभावित हैं। यह स्थिति किसी भी दिल से जुड़ी बीमारी जैसे हाई बीपी या मोटापे, मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उत्पन्न हो सकती है। एट्रियल फिब्रिलेशन से स्ट्रोक और यहां तक कि दिल की विफलता (Heart Failure) हो सकती है।

एक अध्ययन से पता चलता है कि लंबे लोगों को एट्रियल फिब्रिलेशन का खतरा हो सकत है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हर अतिरिक्त इंच के साथ, एट्रियल के कंपन का खतरा तीन प्रतिशत बढ़ जाता है। यह इंगित करता है कि ऊंचाई एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए एक जोखिम कारक हो सकती है।

शोधकर्ता माइकल लेविन, एमडी, कार्डियोवस्कुलर मेडिसिन, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए जोखिम-पूर्वानुमान उपकरणों में ऊंचाई को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है,

उन्होंने कहा, वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए व्यापक स्क्रीनिंग के खिलाफ सलाह है, हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि मरीजों का एक निश्चित समूह, विशेष रूप से, बहुत लंबे रोगियों को स्क्रीनिंग से लाभ हो सकता है।

पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम ने एंथ्रोपोमेट्रिक ट्रायल्स (GIANT) और एट्रियल फिब्रिलेशन जेनेटिक्स (AFGen) संगठनों की आनुवांशिक जांच से लगभग 700,000 लोगों का डेटा लिया, जो एट्रियल फिब्रिलेशन और ऊंचाई के बीच संबंध का अध्ययन करते हैं। शोधकर्ताओं ने उनके बीच एक कड़ी स्थापित करने के लिए एक सांख्यिकीय पद्धति का उपयोग किया, जहां उन्होंने पाया कि किसी व्यक्ति की ऊंचाई एट्रियल फिब्रिलेशन से निकटता से जुड़ी हुई है। वरिष्ठ शोधकर्ता स्कॉट डैमराउर ने बताया ये विश्लेषण दिखाते हैं कि कैसे हम मानव आनुवंशिकी का उपयोग कर सकते हैं, ताकि हमें आम बीमारी के लिए कारण जोखिम वाले कारकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सके। वे यह भी बताते हैं कि हम संस्थागत बायोबैंक से व्यक्तिगत स्तर के डेटा के साथ बड़े स्तर के अध्ययन से सारांश-स्तर के आंकड़ों को कैसे जोड़ सकते हैं, ताकि मानव रोग की हमारी समझ को आगे बढ़ाया जा सके।

सेहत के दुश्मन 12 बैक्टीरिया और फंगस की हुई पहचान

केजीएमयू ने मरीजों की जान ले रहे खतरनाक बैक्टीरिया और फंगस को पहचानने में कामयाबी हासिल की है। माइक्रो बायोलाजी विभाग ने मरीजों की सेहत बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार 12 बैक्टीरिया और वायरस की पहचान माल्डी-टॉफ एमएस मशीन के जरिए की है।

इस तरह के घाव से सबसे ज्यादा फैलता है ये फंगस

इस जानकारी का लाभ न सिर्फ केजीएमयू, बल्कि देश के अन्य अस्पतालों को भी मिलेगा। केजीएमयू के डॉक्टर वेब कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विदेश के बड़े विशेषज्ञों से जुड़े हुए हैं। समय-समय पर सूचनाओं का भी लेन-देन होता है। इससे पहले तक कुछ ही खतरनाक बैक्टीरिया व वॉयरस की पहचान केजीएमयू में हो पाती थी।

मरीजों की जान बचाना होगा आसान

केजीएमयू मेडिसिन विभाग के डॉ. डी हिमांशु के मुताबिक स्ट्रेप्टो कॉकस-ए गैल्कटी व स्ट्रेप्टोकॉकस पायोजीन अस्पताल के बाहर से आता है। बाकी बैक्टीरिया एवं फंगस भर्ती मरीजों को होने की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि समय पर बैक्टीरिया एवं फंगस की पहचान से मरीज की जान बचाना आसान हो जाता है, क्योंकि बिना बैक्टीरिया और फंगस की पहचान सही एंटीबायोटिक दवा के चयन में अड़चन आती है।

कई तरह के एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल मरीज की सेहत के लिए घातक है। एक समय के बाद एंटीबायोटिक मरीज पर काम नहीं करती है। एंटीबायोटिक दवाएं सीमित हैं। लिहाजा इन्हें बचाकर रखने में कामयाबी मिलेगी।

इन मरीजों में खतरा अधिक

आईसीयू एवं वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों में रोगों से लड़ने की ताकत पहले से कम होती है। ऐसे में बैक्टीरिया एवं फंगस आसानी से उन्हें अपनी चपेट में ले लेते हैं।

146 मरीजों की जांच

माल्डी-टॉफ एमएस मशीन से कई तरह के घातक बैक्टीरिया और फंगस की पहचान आसान हो गई है। अब तक केजीएमयू में भर्ती 146 मरीजों की जांच इस मशीन से की गई।

30 से अधिक अस्पतालों में मशीन उपलब्ध

दिल्ली एम्स, पीजीआई लखनऊ समेत देश के 30 से अधिक बड़े अस्पतालों में माल्डी-टॉफ एमएस मशीन उपलब्ध है, लेकिन इन बैक्टीरिया और फंगस को पहली बार वृहद स्तर पर पहचाने का काम केजीएमयू ने किया है।

केजीएमयू में इन बैक्टीरिया और फंगस की हुई पहचान

एलीजाबेथकिंगी एनाफीलिज : इस बैक्टीरिया से नवजात निमोनिया की जद में आ रहे हैं। यह बैक्टीरिया दिमागी बुखार का कारण भी है।

स्ट्रेप्टो कॉकस-ए गैल्कटी : यह बैक्टीरिया मां से जन्म लेने वाले शिशु को होता है। इसकी चपेट में शिशु को दिमागी बुखार हो जाता है।

स्ट्रेप्टोकॉकस पायोजीन : यह एक प्रकार का खतरनाक फंगस है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। समय पर पहचान न होने से मरीज के हाथ-पैर में सड़न पैदा हो जाती है। मरीज का पूरा शरीर संक्रमण की जद में आ जाता है। मरीज की जान तक जा सकती है।

कैंडिडा यूटिलिस : खुले घाव से यह फंगस फैलता है, जो खून में जाकर संक्रमण पैदा करता है। समय पर सटीक एंटीफंगल दवा न मिलने से जान जोखिम में पड़ सकती है।

सियूडोमोनास स्टूडजेरी : आईसीयू पर भर्ती मरीजों को यह बैक्टीरिया संक्रमण फैलाता है। यह बैक्टीरिया घाव के माध्यम से शरीर में दाखिल होता है।

आंखों के पास जमा कोलेस्ट्रॉल हटाने अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आंखों के आसपास जमा पीले पपड़ी जैसे निशान दरअसल कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जो आपके चेहरे की खूबसूरती खराब करते हैं। इनका निशान हटाने के लिए आप आर्टिकल में बताए गए चार घरेलू उपाय अपना सकते हैं, जिससे कुछ दिनों में ही ये निशान गायब हो जाएंगे।

क्या आपकी आंखों के ऊपर की त्वचा पपड़ीदार नजर आने लगी है? पलकों के आसपास दाग जैसी दिखने वाली ये त्वचा दरअसल कोलेस्ट्रॉल है, जो इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया है और आपको इसे कंट्रोल करने की जरूरत है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं दे सकता है। ये संकेत दिखने पर आपको कम से कम एक बार डॉक्टर से सलाह लेकर अपने कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए। आंखों के ऊपर जमा इस पपड़ी वाली त्वचा हटाने कोलेस्ट्रॉल घटाना जरूरी है, साथ ही आप कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं, जिनसे धब्बे जैसे दिखने वाला ये निशान जल्दी गायब हो जाएगा। जानें इनके बारे में।

लहसुन का करें प्रयोग

आंखों के पास जमा पपड़ी को हटाने लहसुन एक प्रभावी उपाय है। बस एक लहसुन की कली लीजिए और इसे छीलकर बीच से काट लीजिए। इसे आंखों के आसपास जहां त्वचा पर दाग या दाने दिख रहे हैं, वहां थोड़ी देर रगड़िए। आपको त्वचा पर थोड़ी जलन महसूस होगी, मगर उससे कोई समस्या नहीं है। दिन में 2-3 बार ऐसा करें, धीरे-धीरे ये दाग गायब हो जाएंगे।

केले का छिलका

केले के छिलके का प्रयोग करके भी आप आंखों पर जमा कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और रात में सोने से पहले गीले वाले हिस्से को धब्बों वाली जगह पर लगाएं और टेप या बैंडेड की मदद से चिपका लें। रातभर ऐसे ही सोएं और सुबह टेप निकाल दें। 2-3 दिन ऐसा करने से दाग कम होने लगेंगे।

प्याज का रस

प्याज का रस लगाने से भी आंखों के पास जमा कोलेस्ट्रॉल हटाया जा सकता है। इसके लिए एक छोटे प्याज काटें और इसे पीस लें। अब सूती कपड़े या छन्नी की मदद से प्याज का रस निचोड़ लें। रस में थोड़ा नमक मिलाएं और रात भर इसे छोड़ दें। सुबह उठने के बाद रस को आंखों के आसपास जमा दाग-धब्बों पर लगाएं। जल्द ही आपकी त्वचा स्मूथ होने लगेगी।

कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल)

अगर आपकी आंखों पर कोलेस्ट्रॉल जमा होने के निशान या दाने आना अभी हाल में ही शुरू हुए हैं, तो अरंडी के तेल (कैस्टर ऑयल) का प्रयोग करके भी आप इससे छुटकारा पा सकते हैं। इसके प्रयोग के लिए थोड़े से अरंडी के तेल में रूई का फाहा (कॉटन बड) भिगोएं और पपड़ी वाली जगह पर लगाएं। दिन में 3-4 बार जब भी समय मिले इसे रूई की मदद से लगा लें। कुछ दिन में आपके दाग पूरी तरह साफ हो जाएंगे।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर (सेब का सिरका) भी कोलेस्ट्रॉल डिपॉजिट को ठीक करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए रूई के एक फाहे को सेब के सिरके में भिगोएं और इसके फाहे को कोलेस्ट्रॉल जमा वाली जगह पर रखकर टेप से चिपका लें। 2 घंटे तक लगा रहने दें और फिर सादे पानी से मुंह धो लें। जल्द ही आपको इनसे छुटकारा मिल जाएगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ द दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3357

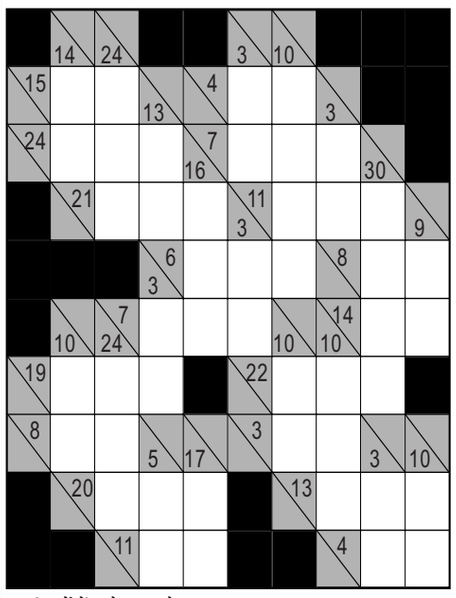

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

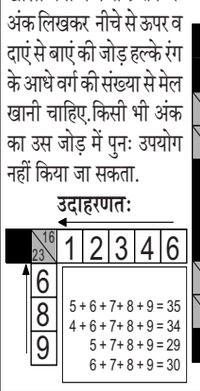

काकुरो - 3356 का हल

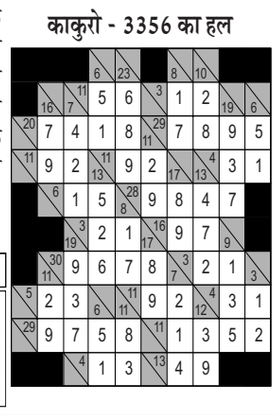

हंसी के फव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'

'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'

'नहीं तो ?'

'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला-जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली - 3357

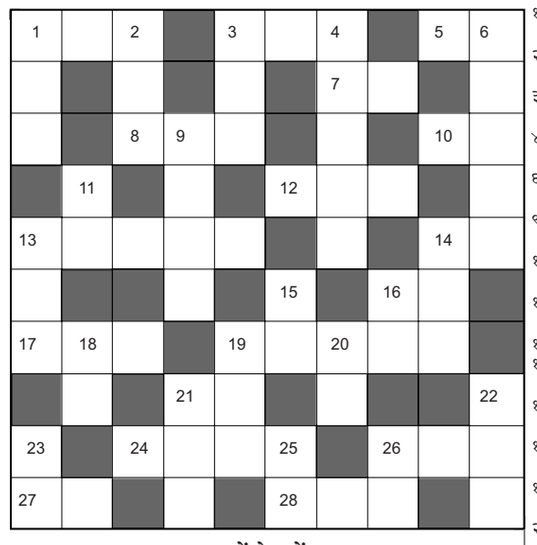

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, खवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वेल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी ?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3356

य	स	बॉ	स	■	ह	मे	शा	■	स
हू	■	ड	■	रॉ	की	■	■	खौ	फ
दी	दा	र	■	■	क	स	क	■	र
■	मि	■	की	म	त	■	री	ना	■
सु	नी	ल	■	र्या	■	हि	ना	■	कि
जा	■	व	ही	दा	■	म्म	■	जि	स्म
ता	ल	■	रो	■	सौ	त	न	■	त
■	ल	म्हे	■	सौ	दा	■	ज	या	■
शा	का	■	जी	■	ग	■	र	■	प्या
का	र	तू	स	■	र	वी	ना	■	सा

सूडोकु -3357

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3356 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3357

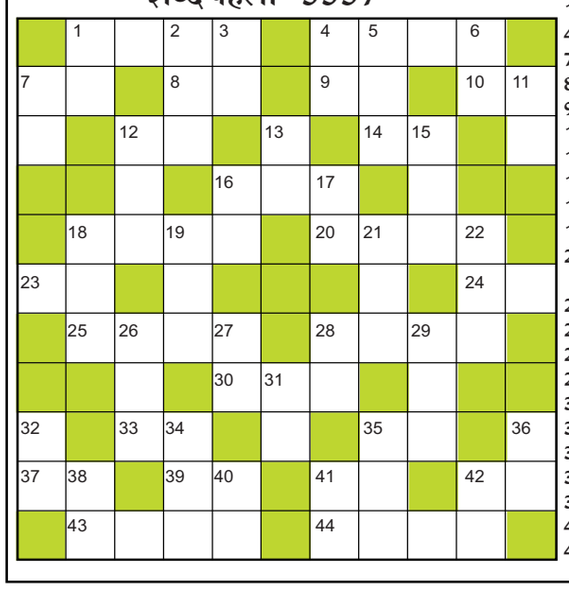

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -3356 का हल

■	अ	नु	भ	व	■	शा	का	हा	र	■
अ	■	का	■	ल	■	मि	■	नि	■	अ
ह	म	■	का	या	प	ल	ट	■	का	का
म	■	रा	■	का	■	हो	■	श	■	र
क	हा	नी	का	र	■	ना	म	क	र	ण
■	द	■	■	■	■	■	■	■	सो	■
अ	सा	म	वि	क	■	आ	ज	मा	ई	श
चा	■	स्त	■	म	■	रा	■	न	■	रा
न	ल	■	नी	ल	क	म	ल	■	खौ	फ
क	■	भ	■	ना	■	दे	■	क	■	त
■	को	ला	ह	ल	■	ह	र	जा	ई	■

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग

वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉट्र्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

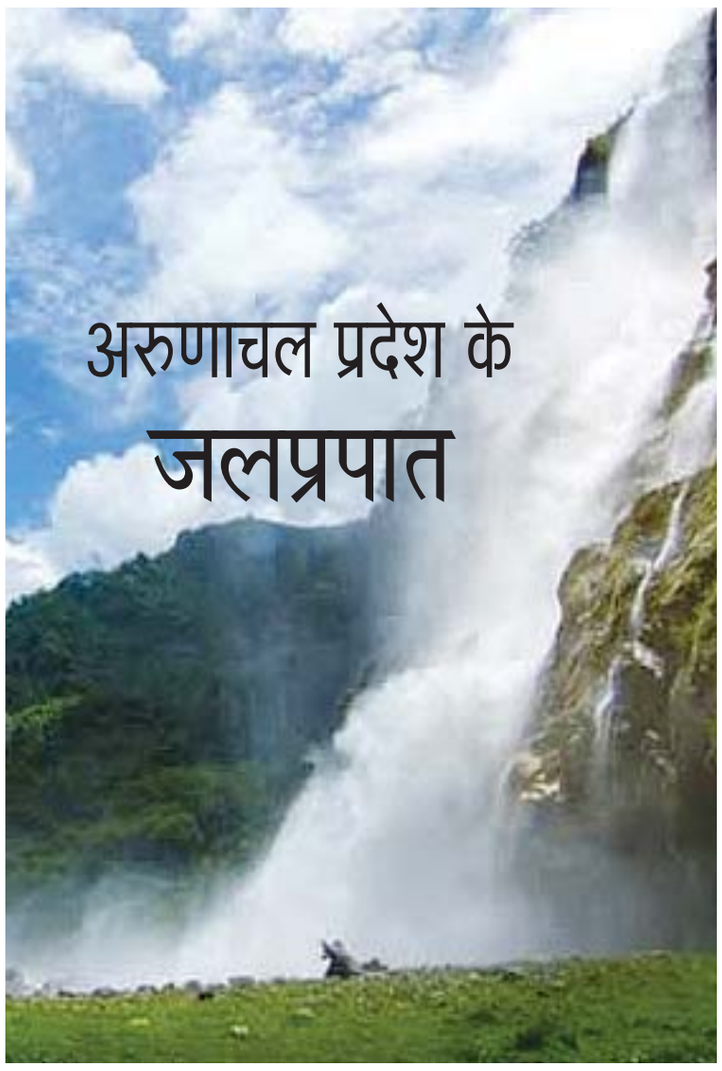

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

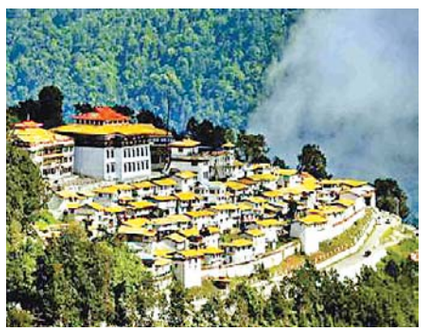

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उत्तरी छोर पर स्थित है। हाल ही में इटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपा तानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्स्प्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैंपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

संक्षिप्त समाचार

मध्य चीन में स्कूल गेट पर वाहन की चपेट में आने से कई बच्चे घायल

बीजिंग, एजेंसी। चीन के मध्य क्षेत्र स्थित हुनान प्रांत के एक प्राथमिक विद्यालय के गेट पर मंगलवार सुबह वाहन की चपेट में आ जाने से कई बच्चे घायल हो गए। मीडिया में इस बारे में खबरें प्रसारित हुईं। खबरों के मुताबिक, हुनान के चांगडे स्थित योंगान प्राथमिक विद्यालय में सुबह आठ बजे कक्षा के लिए जब बच्चे आ रहे थे तभी यह घटना हुई। इस बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है और यह भी साफ नहीं है कि क्या वाहन के नियंत्रण खो देने से यह हादसा हुआ या यह जानबूझकर किया गया एक हमला था। यह घटना ऐसे वक्त हुई है जब कुछ दिन पहले चीन के झुहाई क्षेत्र स्थित 'स्पोर्ट्स फैसिलिटी में एक व्यक्ति ने अपनी कार से वहां मौजूद लोगों को रौंद डाला था। इस घटना में 35 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 43 व्यक्ति घायल हो गए थे।

पाकिस्तान की टिकटॉक स्टार इम्शा रहमान के बाद मथिरा का प्राइवेट वीडियो हुआ लीक

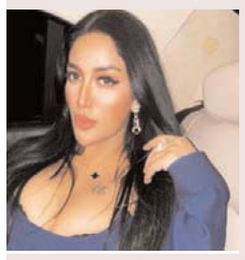

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक और सेलेब्रिटी मथिरा मोहम्मद का निजी वीडियो लीक हो गया है। हालांकि, उन्होंने इन फोटो वीडियो को फर्जी बताया है। साथ ही कहा है कि उनके नाम और तस्वीरों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। खास बात है कि यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब टिक टॉक स्टार इम्शा रहमान समेत कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के वीडियो वायरल होने की खबरें सामने आई थीं। मथिरा ने एक्स पर लिखा, लोग मेरे नाम और फोटोशूट के दौरान ली गई तस्वीरों का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और फर्जी चीजें जोड़ रहे हैं। शर्म आनी चाहिए। इन बकवास बातों में मुझे शामिल न करें। मथिरा पाकिस्तान में काफी पॉपुलर हैं और सेलेब्रिटी टीवी होस्ट हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें फॉलो करने वालों की संख्या 25 लाख से ज्यादा है। वहीं, एक्स पर उन्हें 60 हजार से ज्यादा यूजर फॉलो करते हैं। इन सेलेब्स के वीडियो भी हुए वायरल मथिरा से पहले कथित तौर पर इम्शा रहमान के वीडियो भी वायरल होने की खबरें सामने आई थीं, जिनमें वह आपत्तिजनक स्थिति में हैं। इसके चलते उन्हें सोशल मीडिया यूजर्स की काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। आरोप लगाए जा रहे थे कि उन्होंने ये वीडियो जानबूझकर वायरल कराए हैं। खबर है कि अब उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट्स को डिएक्टिवेट कर दिया है। रहमान से पहले सोशल मीडिया स्टार मिनाहिल मलिक को लेकर भी इसी तरह के दावे किए जा रहे थे। कथित तौर पर उनके निजी वीडियो वायरल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने भी इनके चलते सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी। बाद में उन्होंने इन वीडियोज के फर्जी होने का दावा किया था और शिकायत दर्ज कराई थी।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कोमा में ! कार्यालय ने तस्वीर जारी कर दी सफाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 85 वर्षीय खामेनेई कोमा में हैं और उन्होंने गुप्त बैठक में अपने बेटे मोजतबा खामेनेई को उत्तराधिकारी नामित किया है। हालांकि, रविवार को खामेनेई के आधिकारिक कार्यालय ने इन अटकलों को खारिज करते हुए उनकी एक तस्वीर साझा की। इसमें खामेनेई को लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी के साथ बातचीत करते हुए देखा गया। खामेनेई के एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर यह तस्वीर पोस्ट की गई, जिसमें लिखा गया, इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्लाह खामेनेई ने लेबनान में ईरान के अनुभवी राजदूत मोजतबा अमानी से आज दोपहर अपने दैनिक बैठकों के दौरान मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खामेनेई अक्टूबर में गंभीर रूप से बीमार थे, और उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह दावा किया था। वहीं, खामेनेई ने अक्टूबर 5 को पांच साल बाद पहली बार एक सार्वजनिक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने फिलिस्तीन और लेबनान के हमास और हिज़्बुल्लाह के समर्थन में बयान दिया था।मो जतबा अमानी, जिनसे खामेनेई ने मुलाकात की, सितंबर में लेबनान में एक विस्फोट में घायल हो गए थे। यह विस्फोट हिज़्बुल्लाह के उपकरणों में हुआ था, जिसमें 39 लोगों की मौत और लगभग 3,000 लोग घायल हुए थे। अमानी ने अपनी सेहत से जुड़ी रिपोर्ट खामेनेई को सौंपी।

हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं

कोलंबो, एजेंसी। हरिनी अमरसूर्या श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री बनाई गई हैं। इस पद पर पहुंचने वाली वह श्रीलंका की तीसरी महिला नेता हैं। वे 2 महीने पहले श्रीलंका में बनी अंतरिम सरकार में भी प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। प्रधानमंत्री बनाई गई हरिनी अमरसूर्या की पढ़ाई 1991 से 1994 तक दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से हुई है। उन्होंने 5 साल पहले ही राजनीति में एंट्री ली थी। श्रीलंका में 14 नवंबर को संसदीय चुनाव हुए थे। इसमें राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन एनपीपी को जीत मिली थी। सोमवार को सरकार की नई कैबिनेट का गठन किया गया।

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कैबिनेट के सदस्यों को राष्ट्रपति सचिवालय में शपथ दिलाई। इस कैबिनेट में राष्ट्रपति समेत 22 सदस्य हैं। कैबिनेट में 2 महिलाओं और 2 तमिल सांसद भी शामिल किए गए हैं। डिप्टी मिनिस्टर के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। श्रीलंका के संविधान के अनुसार कैबिनेट मंत्रियों की संख्या 30 और उप मंत्रियों की संख्या 40 से ज्यादा नहीं हो सकती। दिसानायके ने सरकार की लागत को कम करने के लिए कैबिनेट को छोटा रखा है।

तीसरी महिला प्रधानमंत्री बनीं हरिनी अमरसूर्या : अमरसूर्या श्रीलंका में प्रधानमंत्री पद पर काबिज होने वाली तीसरी महिला हैं। उनसे पहले सिरिमाओ भंडारनायके (3 बार) और चंद्रिका कुमारतुंगा (1 बार) देश की महिला प्रधानमंत्री रह चुकी हैं। हरिनी अमरसूर्या 2020 में पहली बार सांसद बनी थीं। राजनीति में कदम रखने से पहले अमरसूर्या श्रीलंका ओपन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थीं।

अमरसूर्या का जन्म एक मिडिल क्लास फैमिली में हुआ था। उनके पिता एक चाय बागान के मालिक थे। साल 1972 में श्रीलंका में भूमि सुधार कानून लागू हुआ। इसमें अमरसूर्या के पिता का चाय बागान सरकार ने ले लिया। इसके बाद वे गाले से कोलंबो आकर बस गए।

4 साल तक भारत में पढ़ाई की, इम्तियाज अली और अर्नब गोस्वामी बैचमेट थे साल 1988-89 में श्रीलंका में तमिल आंदोलन को लेकर हालात हिंसक हो गए। इस दौरान स्कूल, कॉलेज बंद हो गए। ऐसे में हरिनी अमरसूर्या आगे की पढ़ाई के लिए भारत आ गईं। यहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में दाखिला लिया। 1991 से 1994 तक उन्होंने सोशियोलॉजी की पढ़ाई की। इस दौरान चर्चित फिल्ममेकर इम्तियाज अली और पत्रकार अर्नब गोस्वामी उनके बैचमेट थे।

भारत से लौटने के बाद अमरसूर्या स्वास्थ्य से जुड़े एनजीओ से जुड़ गईं, वहां वह सुनामी से प्रभावित हुए बच्चों की मदद करती थीं। इसके कुछ सालों बाद वह पीएचडी की पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया चली गईं। वहां से लौटने के बाद 2011 में एक कॉलेज में प्रोफेसर बनीं। अमरसूर्या ने साल 2015 में सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। इसी दौरान उनका दिसानायके से संपर्क हुआ। वह साल 2019 में उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना से जुड़ गईं। साल 2020 में वह संसदीय चुनाव जीतकर पहली बार सांसद बनीं। 21 कैबिनेट मंत्रियों ने ली शपथ, राष्ट्रपति दिसानायके बोले- हमारा आकलन, सरकार के कामकाज से होगा

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के समक्ष सोमवार सुबह कोलंबो स्थित राष्ट्रपति सचिवालय में 21 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली। कार्यक्रम में घोषणा की गई कि उपमंत्रियों को बाद में शपथ दिलाई जाएगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 21 सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद दिसानायके ने जिस कैबिनेट के साथ शासन की बागडोर संभाली उसमें हरिनी अमरसूर्या और विजिता हेराथ शामिल थे। नए कैबिनेट मंत्रियों का चयन 14 नवंबर को हुए संसदीय चुनाव में विजयी रहे नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के 159 सांसदों में से किया गया। आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली लागू होने के बाद यह पहली बार है जब किसी राजनीतिक दल ने संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया।

नए मंत्रिमंडल को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि लोगों ने श्रीलंका की राजनीतिक और आर्थिक दिशा बदलने के लिए सितंबर और नवंबर में दो बार एनपीपी को वोट दिया। दिसानायके ने कहा कि लोगों ने एनपीपी पर उनकी नीतियों और पार्टी सदस्यों की ईमानदारी के आधार पर भरोसा जताया है और अब से लोग एनपीपी का मूल्यांकन सरकार के रूप में उनके प्रदर्शन के आधार पर करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीलंका के लोगों ने जातीय और धार्मिक विभाजनों से ऊपर उठकर उन्हें वोट दिया है और वे लोगों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एलओसी पर सहमति के बाद पहली बार चीनी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी ने सोमवार रात रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की है। हाल ही में लद्दाख में सीमा को लेकर बनी सहमति के बाद यह दोनों की पहली मुलाकात थी। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने सीमा पर हुई प्रगति को स्वीकार किया और भारत और चीन के लिए भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, रियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। हमने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल ही में हुई वापसी में हुई प्रगति पर चर्चा की और हमारे द्विपक्षीय संबंधों में अगले कदमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक स्थिति पर भी चर्चा की। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वांग ने दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को बढ़ावा देने की जरूरत पर बातचीत की। वांग यी ने भारत से सीधी फ्लाइट्स फिर से शुरू करने, पत्रकारों का आदान-प्रदान करने और वीजा की सुविधा देने पर सहयोग बढ़ाने का भी आग्रह किया है। इससे पहले चीन ने पिछले महीने विवादित सीमावर्ती इलाकों में सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के लिए समझौते को लागू करने की पुष्टि की थी। इस दौरान जयशंकर ने स्पष्ट किया है की कि कजान में नेताओं द्वारा किए गए समझौतों को योजना के अनुसार लागू किया जा रहा है। जयशंकर ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि जमीनी स्तर पर उस योजना का कार्यान्वयन योजना के अनुसार हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने-अपने विदेश मंत्रियों और विशेष प्रतिनिधियों को जल्द ही एक बैठक बुलाने का निर्देश दिया है।

डाकुओं के ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक, कई अपराधियों की मौत- नाइजीरियाई वायु सेना

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी राज्य जामफारा में एयर स्ट्राइक में कई डाकू मारे गए हैं। नाइजीरियाई वायु सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नाइजीरियाई वायु सेना के प्रवक्ता ओलुसोले अकिनबोयेवा ने कहा कि हवाई हमले शुक्रवार को जम्फारा के त्सेफ स्थानीय सरकारी क्षेत्र के बब्बन काउये गांव में किए गए, जहां संदिग्ध डाकू मौजूद थे। प्रवक्ता ने कहा कि सेना के हवाई हमलों का उद्देश्य नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में डाकुओं के खतरों को खत्म करना था। उन्होंने कहा, खुफिया सूत्रों से पता चला है कि अपराधियों ने सैन्य कर्मियों या नागरिकों पर हमला करने की योजना बनाई है।

वायु सेना प्रवक्ता ने कहा, इस ऑपरेशन से डाकुओं की ताकत को गंभीर झटका लगा है। चाड के राष्ट्रपति महामत इद्रिस देबी इत्नो और नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नुहू रिबादू की एक अहम बैठक रविवार को हुई। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने और आतंकवाद से निपटने पर चर्चा हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दो सप्ताह पहले महामत देबी ने मल्टीनेशनल ज्वाइंट टास्क फोर्स से चाड के हटने की धमकी दी थी।

खालिस्तानियों को खत्म करने के लिए भारत के साथ आया न्यूजीलैंड

वेलिंगटन, एजेंसी। झूठ के पांव नहीं होते हैं और जब सच सामने आता है तो झूठ का सिर झुक जाता है। अब जो खबर आई है वो इसी कहावत को सच साबित कर रही है। हाल ही में न्यूजीलैंड में हुए खालिस्तान के तथाकथित जनमत संग्रह पर न्यूजीलैंड की सरकार की प्रतिक्रिया ने ये साबित कर दिया कि झूठ और नफरत फैलाने वालों की सच्चाई ज्यादा दिन तक छुप नहीं सकती। न्यूजीलैड की सरकार ने खालिस्तानी समर्थन संगठन सिख फॉर जस्टिस यानी एसएफजे के एजेंडे को सिरे से खारिज करते हुए भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को सम्मान देने की बात कही। खालिस्तानी संगठन एसएफजे जिसे भारत में अनलॉफुल एक्टिविटी एक्ट यूएपीए के तहत प्रतिबंधित किया गया है। दुनिया के अलग अलग देशों में ऐसे जनमत संग्रह आयोजित करा रहा है। इससे पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में भी इस संगठन ने इसी तरह के शो आयोजित किए जो कि भारत विरोधी एजेंडे का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एसएफजे ने अपने समर्थन में इस तथाकथित जनमत संग्रह का आयोजन किया। हालांकि न्यूजीलैंड की सरकार ने तुरंत स्पष्ट कर दिया कि ऐसे आयोजन उनकी नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विरूद्ध हैं।

न्यूजीलैंड की सरकार ने कहा कि हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं। हम मानवाधिकार का समर्थक भी हैं। लेकिन वहीं वैद्य और शांतिपूर्ण होने चाहिए। ये प्रतिक्रिया स्पष्ट रूप से दिखाती है कि खालिस्तानी एजेंडा न केवल गैर कानूनी है बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी कोई समर्थन नहीं मिल रहा है। खालिस्तान के इस

कथाकथित जनमत संग्रह को कवर करने में पाकिस्तानी मीडिया ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। पाकिस्तानी चैनलों ने इसे बढ़ा चढ़ाकर पेश करने की कोशिश की। लेकिन सच्चाई ये है कि ये केवल भारत विरोधी दुस्प्रचार का हिस्सा है। पाकिस्तान जो खुद बलूचिस्तान और अन्य प्रांतों में मानवाधिकारों का हनन कर रहा, वो ऐसे झूठे अभियानों के जरिए ध्यान भटकाना चाह रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के संबंध हमेशा से सकारात्मक और मजबूत रहे हैं। हाल ही में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री पीटर्स के बीच कई बैठके हुई। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह तथाकथित जनमत संग्रह से अवगत है और जबकि देश घर और दुनिया भर में मानवाधिकारों का एक मजबूत समर्थक है, बशर्ते ऐसी पहल वैध और शांतिपूर्ण हो। एसएफजे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूके जैसे अन्य देशों में इसी तरह के जनमत संग्रह कराता रहा है। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स की इस साल कई बार मुलाकात हुई, जिसमें इस महीने की शुरुआत भी शामिल है। बातचीत के प्रमुख क्षेत्र शिक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि, गतिशीलता और भारत-प्रशांत की स्थिति पर रहे हैं।

पंजाबी सिंगर गैरी संधू पर ऑस्ट्रेलिया में हमला शो के दौरान हमलावर स्टेज पर चढ़ा, गला पकड़ा

न्यू साउथ वेल्स , एजेंसी। पंजाब के जालंधर से संबंध रखने वाले पंजाबी सिंगर गैरी संधू पर ऑस्ट्रेलिया में एक शो के दौरान विवाद के बाद हमला किया गया। संधू के शो में आए एक फैन ने उन्हें मारने की कोशिश की। आरोपी ने स्टेज पर चढ़कर संधू का गला पकड़ लिया था। हालांकि, मौके पर मौजूद संधू के सिक्योरिटी गार्ड और पुलिस ने किसी तरह उक्त युवक को पकड़ स्टेज से नीचे उतारा। बाद में उसकी धुनाई की और पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले गई। बता दें कि गैरी संधू इन दिनों ऑस्ट्रेलिया टूर पर हैं।

उंगली उठाकर इशारा करने पर भड़का था हमलावर : बीते रविवार को ऑस्ट्रेलिया में गैरी संधू लाइव शो कर रहे थे। यहां बड़ी संख्या में लोग जमा थे। गैरी संधू ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में शो कर रहे थे, जहां उनकी आवाज से लोगों में उत्साह था। इसी दौरान एक गाने की प्रस्तुति देते हुए गैरी ने भीड़ की ओर हाथ की बीच की उंगली उठाकर इशारा किया। (यह इशारा सामाजिक रूप से अभद्र माना जाता है) इसके बाद भीड़ से एक युवक निकलकर स्टेज पर चढ़ गया और गैरी की ओर लपका। उसने आकर गैरी की गर्दन पकड़ ली। इसके तुरंत बाद ही गैरी की टीम के लोग और सुरक्षा में तैनात न्यू साउथ वेल्स के पुलिसकर्मी गैरी के पास पहुंच गए।

सुरक्षाकर्मियों ने गैरी को हमलावर से बचाया : उन्होंने गैरी को हमलावर के चंगुल से काफी मशक्कत कर छुड़ाया। इस दौरान हमलावर और गैरी संधू के बीच काफी बहस और गाली-गलौज भी हुई। हमलावर काफी आक्रामक हो रहा था, इसलिए पुलिस ने उसे उठाकर धरती पर गिरा लिया और उसकी धुनाई की गई। हालांकि, इस हमले को लेकर अब तक गैरी ने या उनकी टीम ने कोई बयान साझा नहीं किया है। जबकि, सोशल मीडिया पर इस हमले का वीडियो जारी कर कई लोग गैरी को ट्रोल करने में लगे हुए हैं।

जालंधर के रूड़का कलां गांव के रहने वाले हैं संधू : बता दें कि पंजाबी गायक गैरी संधू कई सुपर हिट गाने कर चुके हैं। वह मूल रूप से जालंधर के गांव रूड़का कलां के रहने वाले हैं। वह फिलहाल यूनाइडेट किंगडम में ही रहते हैं।

ब्राजील: प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी से की द्विपक्षीय वार्ता, रक्षा, व्यापार रहा अहम मुद्दा

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ब्राजील में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की. इस दौरान दोनों नेताओं ने अहम मुद्दों पर बातचीत की. वार्ता का केंद्र रक्षा क्षेत्र, सुरक्षा, व्यापार को बढ़ावा और प्रौद्योगिकी के विकास पर रहा. पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इटली के बीच मित्रता एक बेहतर भविष्य में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है. प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, रियो डी जेनेरियो जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मिलकर खुशी हुई. मुलाकात के दौरान रक्षा क्षेत्र, व्यापारिक विकास और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा हुई. हमने संस्कृति, शिक्षा और ऐसे अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की. भारत-इटली की दोस्ती एक बेहतर विश्व के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान दे सकती है. पीएम मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक की. कुछ नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के इतर भी बैठक हुई. पीएम मोदी ने प्रमुख रूप से नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर , फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ, स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज, इंडोनेशिया, पुर्तगाल के नेताओं से भेट की. अपनी चर्चाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने वाणिज्य और रक्षा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर साझा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने का आश्वासन दिया.

जायसवाल ने एक्स पर लिखा,भारत-इंडोनेशिया-गर्मजोशी और मैत्रीपूर्ण संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 ब्राजील शिखर सम्मेलन के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो से मुलाकात की. प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति प्रबोवो को बधाई दी और उन्हें भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मौजूदा क्षेत्रों में और नए क्षेत्रों की खोज के माध्यम से विस्तारित करने का आश्वासन दिया. इसके अतिरिक्त पीएम मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज से मुलाकात की. बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की यात्रा पर हैं. यात्रा के पहले चरण में नाइजीरिया पहुंचे, इसके बाद उनका पड़ाव ब्राजील था. यहां वह जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल हुए. यहां से गुयाना के लिए निकलने का कार्यक्रम है।

चीन: निजी स्कूल की कैंटीन में परोसा जा रहा सड़ा हुआ बदबूदार मांस

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी शहर कुनमिंग के एक निजी स्कूल में अक्टूबर 2024 की शुरुआत में खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ा घोटाला सामने आया। युन्नान प्रांत के चांगफेंग मिडिल स्कूल में कई छात्रों को पेट दर्द और पाचन संबंधी समस्याएं होने लगीं। पहले इसे सामान्य मौसमी बीमारी समझा गया, लेकिन जल्द ही पता चला कि समस्या स्कूल की कैंटीन में परोसे जा रहे खाने से जुड़ी है। एक अभिभावक ने स्कूल की रसोई का निरीक्षण किया और वहां खराब, बदबूदार मांस पाया, जो बच्चों को परोसा जाने वाला था। इस मांस की तस्वीरें अभिभावकों के वीचैट ग्रुप में वायरल हो गईं, जिससे भारी आक्रोश फैल गया। इस घटना को सड़ा मांस कांड कहा जा रहा है और यह राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया। जब अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन से इस मुद्दे पर सवाल किए, तो उन्हें अनदेखा कर दिया गया। अभिभावकों ने जबरदस्ती कैंटीन में प्रवेश किया और वहां ब्राजील से आयातित मांस का एक पैकेट देखा, जिस पर 2015 लिखा हुआ था। इसे देखकर अभिभावकों ने इसे जॉम्बी मांस कहकर संदर्भित किया। बाद में पता चला कि यह तारीख मांस की गुणवत्ता प्रमाणन से जुड़ी थी, न कि उसके उत्पादन या समाप्ति की। स्कूल प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी लेने की बजाय एक रसोई कर्मचारी को दोषी ठहराया और उसे सार्वजनिक माफी मांगने पर मजबूर किया। स्कूल के वाइस प्रिंसिपल ने अभिभावकों के सामने हल्की मुस्कान के साथ खड़े रहकर मामले को टालने की कोशिश की, जबकि स्कूल का चेयरमैन बीच बैठक से चला गया। स्थानीय प्रशासन ने 16 अक्टूबर को

जांच शुरू की। रिपोर्ट में सामने आया कि मांस खराब होने का कारण उसकी गलत हैंडलिंग थी। इसे घंटों तक प्लास्टिक बैग में रखा गया और फिर बिना ठंडे परिवहन के सामान्य तापमान पर छोड़ दिया गया। जांच से यह भी पता चला कि स्कूल कैंटीन का संचालन करने वाली कंपनी के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं था। यह कंपनी सालाना 400,000-500,000 युआन (55,000-70,000डालर) फीस लेती थी, जबकि स्कूल प्रति छात्र 26,000 युआन (3,600डालर) ट्यूशन और प्रति भोजन 14 युआन (2डालर) चार्ज करता था। जांच के बाद तीन स्कूल अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया और प्रिंसिपल व कानूनी प्रतिनिधि को हटा दिया गया। स्कूल पर 100,000 युआन (13,700डालर) का जुर्माना लगाया गया।

अब केवाईसी न होने पर अकाउंट नहीं होगा फ्रीज, आरबीआई ने लगाई फटकार

दिशा-निर्देशों का पालन सटीकता और सहानुभूति के साथ किया जाए

नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने उन बैंकों को फटकार लगाई है जो केवाईसी न होने पर अकाउंट फ्रीज कर रहे हैं जिनके खाते में सरकार से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) फंड मिलता है। इसमें सब्सिडी, पेंशन, किसी खास योजना का पैसा आदि शामिल हैं। इसके अलावा आरबीआई ने इन बैंकों को केवाईसी अपडेट में देरी करने के लिए भी दोषी पाया है। इस कारण काफी लोगों के अकाउंट फ्रीज हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निजी क्षेत्र के बैंकों के निदेशकों को संबोधित करते हुए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा कि बैंकों को तय करना चाहिए कि केवाईसी दिशा-निर्देशों का पालन सटीकता और सहानुभूति दोनों के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने पहले भी बैंकों को निर्देश दिए थे। इनमें कहा गया था कि बैंक केवाईसी के अभाव में उन अकाउंट को फ्रीज नहीं करें जिनमें सरकारी योजनाओं का पैसा ट्रांसफर होता है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक को ग्राहकों से संबंधित कई समस्याओं के बारे में पता चला है। इनमें ग्राहकों की केवाईसी को समय-समय पर अपडेट करने में बैंक के स्तर पर ज्यादा देरी होना। ग्राहकों की सहायता करने और जरूरी डॉक्यूमेंट्स प्राप्त करने में सक्रिय दृष्टिकोण की कमी होना। कई जरूरी कार्यों को पूरा करने के लिए स्टाफ का पूरा न होना। इस कारण किसी काम के लिए ग्राहक को मना करना। हर काम के लिए ग्राहक को होम ब्रांच भेजना। ग्राहकों की ओर से सभी जरूरी डॉक्यूमेंट देने के बाद भी सिस्टम में जानकारी अपडेट करने में देरी करना शामिल है। स्वामीनाथन ने कहा कि जिस तरह से दिशा-निर्देशों को लागू किया जा रहा है, उसके कारण कई अकाउंट फ्रीज हो रहे हैं। इससे ग्राहकों को उनका पैसा नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्डों को यह तय करना चाहिए कि बैंकों की सर्विस में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। खासकर सीनियर सिटिजंस आदि के लिए।

पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम: अच्छा निवेश विकल्प

- ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध

नई दिल्ली।

आजकल निवेश करने वाले लोग बेहद सावधानी से अपनी धनराशि लगाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। इस संदेश को ध्यान में रखते हुए, सरकारी पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक अच्छा निवेश विकल्प प्रस्तुत करती है। यह स्कीम विभिन्न आयु समूहों के लिए रुचिकर ब्याज दर के साथ आता है। एनएससी स्कीम में निवेश करने वालों को मिलने वाला 7.7 फीसदी का ब्याज न केवल उनके पैसे को दोगुना करता है, बल्कि इनकम टैक्स एक्ट के तहत निवेश की रकम पर टैक्स छूट का भी लाभ मिलता है। इस स्कीम का लॉक-इन पीरियड 5 वर्ष का होता है, जो निवेशकों के लिए एक सावधानीपूर्ण समयावधि प्रदान करता है। इस सेविंग्स स्कीम में छोटे बच्चों के नाम से भी अकाउंट ओपन कराने की सुविधा दी गई है, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित रहे। निवेशकों को सरकार द्वारा दी गई गारंटी के साथ निवेश करने का मौका मिलता है। इस स्कीम के तहत ऑनलाइन निवेश की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे निवेशकों को किसी भी समय और किसी भी स्थान से आसानी से निवेश करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम एक सुरक्षित, लाभकारी और आसान निवेश विकल्प प्रदान करती है जो निवेशकों के लिए एक बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

एनसीआर में नया शहर बसाने की योजना, भूमि अधिग्रहण की कवायद तेज

पहले चरण में 3,165 हेक्टेयर भूमि पर काम शुरू किया जाएगा

नई दिल्ली।

नोएडा प्राधिकरण के एक वेरिष्ठ अेधिकारी ने नए नगर न्यू नोएडा के विकास की योजना में गति लाने के लिए कार्य शुरू कर दिया है। इस नगर के लिए भूमि अधिग्रहण को सर्वे करने का काम अब भूमि मालिकों, गांववासियों और ग्राम प्रधानों के साथ किया जा रहा है। न्यू नोएडा का विकास डेडीकेटेड दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन (डीएनजीआईआर) के तहत किया जाएगा।

इस परियोजना में गौतम बुद्ध नगर के और बुलंदशहर के कई गांव शामिल होंगे। आर्थिक विकास को ध्यान में रखकर, पहले चरण में 3,165 हेक्टेयर भूमि पर काम शुरू किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस परियोजना के मास्टर प्लान 2041 को मंजूरी दी है, जिसमें भूमि के विभिन्न हिस्सों को आवासीय, व्यावसायिक, हरित, सार्वजनिक और अन्य क्षेत्रों के लिए आरक्षित किया गया है। डीएनजीआईआर क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआइसी) के एक महत्वपूर्ण निवेश क्षेत्र के रूप में माना जा रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक क्षेत्र और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से जुड़े इस क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं होंगी।

इसके साथ ही न्यू नोएडा को पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा। न्यू नोएडा का विकास एक उच्चतम स्तरीय परियोजना है जो मुख्य शहरों के साथ संविदान किया गया है। भूमि अधिग्रहण की तैयारियाँ तेजी से जारी हैं और यह नगर एक नया मील का पत्थर बनने की दिशा में अग्रसर है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर 55 फीसदी तक गिरा

- निवेशकों को 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली।

हाल ही में लिस्टेड कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपने निवेशकों को बड़ी चोट पहुंचाई है। इस कंपनी का शेयर करीब 55 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे निवेशकों के लगभग 38,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया है। मंगलवार को यह शेयर 70 रुपए पर बंद हुआ, जबकि 20 अगस्त को यह उच्चतम स्तर पर था। ओला इलेक्ट्रिक के ग्राहकों की खराब सेवा और उत्पाद गुणवत्ता का आरोप शेयरों में गिरावट का मुख्य कारण बन रहा है। कई ग्राहकों ने गाड़ी में तकनीकी समस्याओं की शिकायत की है, जैसे कि ब्रेक शू की खराबी और बैटरी व सॉफ्टवेयर की समस्याएं। इससे कंपनी के शेयरों में व्यापक गिरावट देखने को मिल रही है। इसके अतिरिक्त ओला इलेक्ट्रिक के खराब वित्तीय नतीजे भी शेयर में गिरावट का बड़ा कारण है। कंपनी की दूसरी तिमाही में 495 करोड़ रुपए का घाटा हुआ, जो कंपनी की बढ़ती संख्याओं को दर्शाता है। ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल की कॉमेडियन कुणाल कामरा के साथ सोशल मीडिया पर हुई बहस के बाद, कंपनी की भड़की किरकिरी का सामना करना पड़ा। कुणाल कामरा ने कंपनी के उत्पादों में पाई जा रही समस्याओं को सामने रखकर कंपनी पर हमला किया, जिससे कंपनी की साख और धक्का लगा। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में गिरावट और वित्तीय संकष्टों के बढ़ते दबाव के बीच कंपनी का भविष्य अभी अनिश्चित बना हुआ है। निवेशकों और ग्राहकों की उम्मीदें कंपनी पर बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

टाटा मोटर्स ने सऊदी अरब में लॉन्च किया पहला ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन

दम्माम।

टाटा मोटर्स ने सऊदी अरब में अपना पहला ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) ट्रक, टाटा प्राइमा 4440.एस एएमटी लॉन्च करने का ऐलान किया है। टाटा मोटर्स ने दम्माम में हैवी इक्विपमेंट एंड ट्रक्स (एचईएटी) शो में अपने पांच हाई-परफॉरमेंस प्रोडक्ट प्रदर्शित किए जिन्हें देश की जरूरत के अनुरूप डिजाइन किया गया है और जो अलग-अलग तरह के एप्लीकेशन को पूरा करते हैं।

टाटा मोटर्स के एचईएटी शो पवेलियन के दौरान टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के हेड ने कहा कि सऊदी अरब टाटा मोटर्स के लिए एक खास और अहम क्षेत्र है। सऊदी अरब तेजी से बदलाव के दौर में है, इसलिए हम अपने एडवांस सॉल्यूशन के साथ इसकी उभरती गतिशीलता जरुरतों को सपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, विश्वसनीयता और ग्राहक लाभप्रदता पर मजबूत फोकस के साथ, हमें सऊदी अरब में अपना पहला ऑटोमेटेड मैनुअल ट्रांसमिशन ट्रक लॉन्च करने पर गर्व है।

टाटा मोटर्स के ट्रकों की रेंज व्यापक सेवाओं से पूरी की जाती है, जो इसके ऑफिशियल डिस्ट्रीब्यूटर मोहम्मद यूसुफ नागी मोटर्स कंपनी के साथ साझेदारी में प्रदान की जाती है। प्राइमा 4440.एस एएमटी कैरियर, हेवी इक्विप्मेंट ट्रांसपोर्टेशन के लिए उपयुक्त है। कंपनी के मुताबिक फ्यूल सेविंग और ड्यूरेबल ऑटोमेटेड ट्रांसमिशन के साथ यह ट्रक बहुत से स्मार्ट फीचर्स जैसे लोड-बेस्ड स्पीड कंट्रोल सिस्टम, सिस्टम डाउन प्रोटेक्शन सिस्टम और बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी के लिए ऑटो स्टार्ट-स्टॉप सिस्टम से लैस है। इसमें यूरो-वी कम्प्लाइंट 8.9-लीटर कमिंस इंजन है जो 400 बीएचपी और 1,700 एनएम का टॉर्क पैदा करता है ताकि यह तय हो सके कि सबसे भारी लोड, सबसे कठिन इलाकों और सबसे खड़ी ढलानों को संभालने के लिए पर्याप्त हो।

बयान में कहा गया कि न्यूमेटिकली सस्पेंडेड सीट और टिल्ट-एंड-टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग व्हील वाला आधुनिक केबिन, ड्राइवर के आराम और सुविधा को बढ़ाता है, जिससे उत्पादकता में बढ़ोतरी होती है। टाटा मोटर्स 40 से ज्यादा देशों में एक वाइड कमर्शियल व्हीकल पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें 1 टन से लेकर 60 टन तक के कार्गो वाहन और 9-सीटर से लेकर 71-सीटर मास मोबिलिटी सॉल्यूशन शामिल हैं। टाटा मोटर्स की एडवांस आरएंडडी क्षमताओं द्वारा समर्थित, इन वाहनों को स्थानीय बाजार की जरुरतों के अनुरूप मजबूती से इसका निर्माण किया गया है।

यूपीआई मंच पर तकनीकी अस्वीकारण की दर में 0.8 प्रतिशत की कमी: एनपीसीआई

कम राशि वाले लेनदेन को यूपीआई लाइट में स्थानांतरित करने पर विचार

मुंबई। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यहां एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि यूपीआई मंच पर तकनीकी अस्वीकरण की दर अब घटकर 0.8 प्रतिशत तक रह गई है। उन्होंने हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि तकनीकी अस्वीकरण की दर 2016 में 8-10 प्रतिशत से घटकर अब 0.7-0.8 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने अद्वितीय उपयोगकर्ताओं की संख्या को भी 40 करोड़ बताया। इसके साथ ही एनपीसीआई विचार कर रहा है कि कम राशि वाले लेनदेन को यूपीआई लाइट में स्थानांतरित करके सर्वर पर दबाव कम किया जा सके। इस बढ़ते उपयोगकर्ता संख्या और तकनीकी सुधार के साथ, यूपीआई मंच की प्रभावीता में सकारात्मक बदलाव देखने की संभावना है।

ट्रम्प प्रशासन का दबाव कम करने भारत से संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा चीन: अघी

- चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों में शुल्कों में कमी करने का सुझाव दिया गया था

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच सामरिक और राजनितिक एकीकरण की महत्वपूर्ण घटना हुई है जो अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बाद हुई है। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनावों के नतीजे के बाद अमेरिका चीन के दबाव को कम करने के लिए भारत के साथ समर्थन की ओर ध्यान देने के लिए कोशिश कर रहा है। अमेरिका में हाल ही में पुनरावृत्ति संपन्न हुई और जो उम्मीदवार राष्ट्रपति पद के लिए चुना गया है, उन्होंने चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों में शुल्कों में कमी करने का सुझाव दिया था। अघी ने कहा कि ट्रम्प की जीत ने भारत-चीन संबंधों पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला है। इस संबंध में अमेरिकी कांग्रेस की एक समिति ने भी चीन के साथ अधिक सख्ती बनाने की सिफारिश की है। चीन के साथ सामान्य व्यापारिक रिश्तों को समाप्त करने की मांग की गई है। इससे पहले भारत ने पिछले महीने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा के मामले में समझौता किया और सैन्य गतिरोध को समाप्त करने का आह्वान किया था। इस नए परिवर्तन के साथ अमेरिका-चीन संबंधों की समीक्षा और जलवायु में परिवर्तन की संभावना है जिससे व्यापार युद्ध के आसार हैं। यह एक महत्वपूर्ण समय है जहां भारत और अमेरिका के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग की जरूरत है।

गोदरेज ने कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया

परियोजना की अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड एक भारतीय रियल एस्टेट कंपनी ने अपनी नवीनतम परियोजना के लिए कोलकाता में 53 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। यह भूमि कोलकाता के जोका में स्थित है और इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगी। कंपनी ने इस समाचार को शेयर बाजार में जारी हुए एक वक्तव्य के माध्यम से जानकारी दी कि इस परियोजना में 13 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र का विकास किया जा सकता है। मुख्य रूप से आवासीय प्लॉट के विकास को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना की अनुमानित राजस्व क्षमता करीब 500 करोड़ रुपये है। कंपनी के एक अेधिकारी ने बताया` कि यह भूमि हमारी उपस्थिति को गहरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा लक्ष्य एक उत्कृष्ट प्लॉट विकास परियोजना के निर्माण में समर्पित है। यह अधिग्रहण कंपनी के विकास के कल्पना को मजबूती देगा और क्षेत्र में उनकी उपस्थिति को मजबूत करेगा।

सोने की कीमतों में तेजी का रुझानद्व रिपोर्ट

- दिसंबर 2025 तक एक औंस सोने की कीमत पहुंच सकती है 3,000 डॉलर तक

नई दिल्ली। भारत में शादी का सीजन चल रहा है, और सोने-चांदी के बाजार में रौनक देखी जा रही है। 18 और 19 नवंबर को सुनहरे वस्त्रों के बीच सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई थी, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने लोगों के ध्यान को आकर्षित किया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की कीमतों में बड़ी तेजी आने की संभावना है। इसके अनुसार केंद्रीय बैंकों की सोने में बढ़ी हुई खरीदारी और अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती के कारण सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकती हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2025 तक एक औंस सोने की कीमत 3,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुता बिक ट्रम्प प्रशासन और बढ़ती व्यापारिक टेंशन के कारण भी सोने की कीमतों में इजाफा हो सकता है। अमेरिकी वित्तीय स्थिति को लेकर बढ़ती चिंताएं भी सोने की कीमतों को समर्थन दे सकती हैं। भारत में भी सोने की कीमतों में बदलाव देखा गया है। नोएडा में 19 नवंबर को 22 कैरेट सोने की कीमत 7,095 रुपए प्रति ग्राम थी, जो 20 नवंबर को बढ़कर 7,165 रुपए हो गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत भी 7,450 रुपए से बढ़कर 7,523 रुपए प्रति ग्राम हो गई है। इस रिपोर्ट ने सोने खरीदने वालों को सोचने पर मजबूर कर दिया है, जिसके चलते उलझन और चिंताएं उभर रही हैं।

मारुति ब्रेजा ने की 16,565 यूनिट्स की बिक्री, ब्रेजा और फ्रोंक्स का दबदबा

नई दिल्ली।

बीते महीने अक्टूबर 2024 के आंकड़ों के अनुसार, देश में सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में मारुति सुजुकी का दबदबा रहा। मारुति ब्रेजा ने 16,565 यूनिट्स की बिक्री के साथ पहला स्थान हासिल किया। यह आंकड़ा पिछले साल के 16,050 यूनिट्स से 3.21प्रतिशत अधिक है। वहीं, मारुति फ्रोंक्स ने 44.57प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 16,419 यूनिट्स बेचीं। अन्य प्रमुख मॉडल्स के प्रदर्शन की बात करें तो टाटा पंच- 15,740 यूनिट्स (2.76प्रतिशत वृद्धि), टाटा नेक्सन- 14,759 यूनिट्स (12.6प्रतिशत गिरावट), हुंडई वेन्यू- 10,901 यूनिट्स (5.87प्रतिशत गिरावट), किआ सोनेट- 9,699 यूनिट्स (49.38प्रतिशत वृद्धि) और महिंद्रा एक्सयूवी 300- 4,865 यूनिट्स (96.55प्रतिशत वृद्धि)। हुंडई एक्सटर और निसान मैग्नाइट ने क्रमशः 7,127 और 3,119 यूनिट्स की बिक्री की, जबकि टोयोटा टैसर ने 3,092 यूनिट्स बेचीं। हालांकि, मारुति जिम्नी और रेनो काइगर की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। एसयूवी सेगमेंट का बाजार में हिस्सा अब 50 प्रतिशत से ऊपर हो गया है। फ्रोंक्स और ब्रेजा जैसी गाड़ियों के साथ मारुति ने इस सेगमेंट में अपनी मजबूती दिखाई है। बेहतर फीचर्स और किफायती कीमत के चलते ये मॉडल्स बाजार में लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं। बेहतर स्पेस और ग्राउंड क्लीयरेंस के चलते ग्राहक इन्हें हैचबैक गाड़ियों पर प्राथमिकता दे रहे हैं। मारुति सुजुकी के मॉडल्स ने अपनी विश्वसनीयता और परफॉर्मेंस से ग्राहकों को आकर्षित किया है।

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 94 हजार डॉलर के पार पहुंची कीमत

- बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर

वाशिंगटन।

आधुनिक वित्तीय दुनिया में क्रिप्टोकरेंसी के क्षेत्र में बिटकॉइन ने एक बार फिर से अपनी ताकत दिखाते हुए नई ऊंचाई को छू लिया है। बिटकॉइन की कीमत 94,000 डॉलर के पार पहुंच गई है, जो एक रिकॉर्ड है। इस बड़ी बढ़त के पीछे बितकॉइन के प्रमुख समर्थक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के मालिक एलन मस्क का समर्थन माना जा रहा है। कंपनी क्राइन डेस्क के आंकड़ों के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत ने 94,038.97 डॉलर के स्तर तक पहुंच कर रिकॉर्ड बनाया। पिछले हफ्ते में बिटकॉइन में 2 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली, जबकि पिछले महीने में इसने 33 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया। वर्तमान में बिटकॉइन का बाजार मूल्य 1.82 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एलन मस्क की पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी डॉगकॉइन की भी कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्तमान में डॉगकॉइन की कीमत 0.38 डॉलर हो गई है, जो पिछले हफ्ते में 1.30 फीसदी तक बढ़ गई है। ट्रंप की जीत के बाद डॉगेकॉइन ने निवेशकों को 175 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि पिछले एक साल में इसने 400 फीसदी से ज्यादा की कमाई दी है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट ने भी नई ऊंचाई छू ली है और अब यह 3 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच चुका है। हालांकि पिछले 24 घंटे में गिरावट आई है, लेकिन कुल मार्केट कैप में 5 नवंबर के बाद से 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है।

एसएलसीएम ने बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ की साझेदारी

- कंपनी 19 भारतीय राज्यों में 17,000 से अधिक गोदामों का संचालन करती है

नई दिल्ली। कृषि वित्त पोषण में सुधार के लिए सोहन लाल कमोडिटी मैनेजमेंट (एसएलसीएम) ने बक ऑफ बड़ौदा के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के माध्यम से किसानों को अपनी फसलों के बदले ऋण प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कंपनी के अनुसार एसएलसीएम ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां 73 प्रतिशत बढ़ाकर 11,952 करोड़ रुपये हो गई है। इससे पहले यह 6,911 करोड़ रुपये थी। इस साझेदारी से कंपनी की एग्री रीच प्रौद्योगिकी से डिफॉल्ट जोखिम को कम करने और कृषि परिवेश के लिए वित्तीय पहुंच में सुधार होगा। एसएलसीएम क्षेत्र में भारत और म्यांमा में 20 से अधिक वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी कर रही है। कंपनी 19 भारतीय राज्यों में 17,000 से अधिक गोदामों और 36 कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं का संचालन करती है और विभिन्न वस्तुओं का प्रबंधन करती है। कृषि सेक्टर में नए और विशेषज्ञ सेवाएं किसानों को बढ़ी हुई आवश्यकताओं का सामना करने में मदद कर सकती हैं। इस साझेदारी के माध्यम से एसएलसीएम के सामर्थ्य का उपयोग करके किसानों को अधिक विकल्प देने का काम भी किया जा सकता है।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी2024 : भारतीय महिला हॉकी टीम ने दोहराया इतिहास, चीन को 1-0 से हराकर फिर बनी एशियन चैंपियन

राजगीर (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने इतिहास को दोहराया है। दरअसल, महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर भारत ने फिर से चैंपियन बन गया है। चीन के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया और गेंद को ज्यादातर समय अपने नियंत्रण में रखा और दूसरी तरफ चीन के खिलाड़ी मैच में एक भी गोल करने में नाकामयाब रहे। भारत ने तीसरी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है और साउथ कोरिया की बराबरी कर ली है। बता दें कि, साउथ कोरिया ने भी 3 बारACT चैंपियंस ट्रॉफी का टाइटल तीन बार जीता था।

हरेंद्र सिंह के हेड कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम ने अपना पहला खिताब जीता। वहीं भारत की तरफ से एकमात्र गोल दीपिका ने किया है। सलीमा टेटे के अगुवाई मं भारतीय महिला टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में दबदबा कायम रखा और पूरे टूर्नामेंट में एक भी मुकाबला नहीं हारा। सेमीफाइनल में भारत ने जापान को 2-0 से मात दी थी। ये तीसरी बार है जब भारत एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम करने में कामयाब हुआ है। इससे पहले भारत ने 2016, 2023 में ये खिताब अपने नाम किया था।

वहीं मुकाबले की बात करें तो, पहला हाफ में दोनों टीमों की तरफ से कोई गोल नहीं हुआ। हां लेकिन दूसरे हाफ के पहले ही मिनट में भारत को मिले पेनाल्टी कॉर्नर पर दीपिका ने गोल करके खचाखच भरे बिहार खेल यूनिवर्सिटी स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में उत्साह का संचार कर दिया। दूसरे हाफ में पहले ही मिनट में लालरेम्सियामी ने पेनल्टी कॉर्नर दिलाया। इस पर पहला शॉट चूक गया लेकिन गेंद सर्कल के भीतर ही थी और नवनीत की स्टिक से डिफ्लैक्ट होकर दीपिका के पास पहुंची जिसने शानदार फ्लिक से उसे गोल के भीतर डाला। भारत के पास तीसरे क्वार्टर में ही बढ़त दोगुनी करने का सुनहरा मौका था लेकिन 42वें मिनट में मिले पेनाल्टी स्ट्रोक पर दीपिका का शॉट चीन की गोलकीपर ने दाहिनी ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

विराट की पोस्ट से परेशान हुए प्रशंसक

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की एक पोस्ट से उनके प्रशंसक चिंता में पड़ गये हैं। इसका कारण ये है कि पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वहीं अब विराट ने अपने कपड़ों के ब्रांड रॉगन की 10वीं वर्षगांठ पर सभी को हैरान करते हुए लिखा, पीछे मुड़कर देखें तो हम हमेशा थोड़े अलग रहे हैं। हम कभी भी किसी भी बॉक्स में फिट नहीं हुए। दो बेमेल, जो बस एक-दूसरे से जुड़ गए। हम पिछले कुछ सालों में बदल गए हैं पर हमेशा अपने तरीके से काम किया है। कुछ लोग हमें पागल कहते थे; दूसरे इसे समझ नहीं पाए। उन्होंने आगे लिखा, लेकिन ईमानदारी से? हमें परवाह नहीं थी। हम यह पता लगाने में व्यस्त थे कि हम कौन हैं। 10 साल के उतार-चढ़ाव और यहां तक कि महामारी भी हमें हिला नहीं सकी। अगर कुछ भी हो, तो इसने हमें याद दिलाया अलग होना हमारी ताकत है।।

वहीं बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट से पहले पूर्व रिकी पोंटिंग ने कोहली की प्रशंसा की, उन्हें खेल का एक पूर्ण सुपरस्टार बताया, जो अपने खेलने के तरीके के प्रति बेहद भावुक हैं जिसके कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया में बहुत सम्मान मिला है। उन्होंने कहा, कोहली एक स्टार हैं। वह एक सुपरस्टार हैं, इतने लंबे समय से खेल के सुपरस्टार हैं। वह जिस तरह से खेलते हैं, उसके प्रति भावुक हैं। वह अपनी टीम के प्रति भावुक हैं। वह जीतना चाहते हैं और वह अपने दिल की बात कहते हैं। यही वह चीज है जो सुपरस्टार खिलाड़ी दुनिया भर में पैदा करते हैं और बनाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया से कमजोर नजर आ रहा भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण

-कमिंस से भी कम हैं भारतीय गेंदबाजों के कुल विकेट

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय टीम के इस बार ऑस्ट्रेलिया दौरे में गेंदबाजी आक्रामण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा बाकि गेंदबाज नये हैं और टीम में अनुभव की कमी है। ऐसे हालातों में वे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के सामने वे कहीं नहीं टिकते। भारतीय दल में शामिल सभी छह तेज गेंदबाजों के टेस्ट विकेट मिलाकर भी पैट कमिंस से कम हैं। कमिंस के विकेट 269 हैं जबकि भारतीय गेंदबाजों के कुल विकेट भी 265 है। इससे दोनो के बीच का अंतर पता चलता है। अपनी धरती पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाज उछाल भरी पिचों पर और भी घातक हो जाते हैं। की वहीं पिच जब ऑप्टस स्टेडियम की हो तो यह तय है कि ये उसकी तेजी के कारण हावी रहेंगे हालांकि हालात भारतीय तेज गेंदबाजों के लिए भी वही होंगे पर अनुभवी की कमी उनके आड़े आ जाएगी। इसके अलावा हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भातरीय गेंदबाज असफल रहे थे और उन्हें इससे भी उबरना होगा। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के पहले टेस्ट से बाहर होने के कारण बुमराह को गेंदबाजी के साथ ही कप्तानी की भी जिम्मेदारी संभालनी होगी। उन्हें खुद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के साथ ही अन्य गेंदबाजों से भी अनका सबसे अच्छा प्रदर्शन निकलवाना होगा। तेज गति और उछाल वाली पिच पर गेंदबाजों के लिए सही लेंथ का चुनाव सबसे अहम होता है। बुमराह के अलावा मोहम्मद सिराज ही केवल ऑस्ट्रेलिया की हालातों को कुछ जानते हैं। बुमराह कमान संभालेंगे तो सिराज को दूसरे छोर से अपना बेहतरीन प्रदर्शन करना होगा। सिराज का हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अन्य गेंदबाजों का भी अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना होगा। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने हालांकि गेंदबाजी को ठीक बताया है। उन्होंने कहा, गेंदबाजों ने अभ्यास में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने हालातों को बहुत अच्छी तरह से समझा। मुझे लगता है कि हम 22 तारीख के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे है।मोर्कल ने पिछले कुछ समय से खराब लय में चल रहे सिराज का बचाव करते हुए कहा, वह शानदार गेंदबाज और मजबूत मानसिकता वाला इंसान हैं। गेंदबाजी में उनका रवैया आक्रामक रहता है और वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में शीर्ष पर हैं। मैं इस दौरे पर उनके प्रदर्शन को देखने का इंतजार कर रहा हूं। सिराज ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर तीन मैचों में 29.53 औसत से 13 विकेट लिए थे।

हार्दिक टी20 अंतरराष्ट्रीय सूची में फिर शीर्ष पर, तिलक वर्मा ने लगाई 69 स्थान की लंबी छलांग

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या बुधवार को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए जबकि उभरते हुए स्टार खिलाड़ी और टीम के उनके साथी तिलक वर्मा भी 69 स्थान की लंबी छलांग के साथ बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं।

हार्दिक ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 श्रृंखला के दौरान गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी को पीछे छोड़ा। हार्दिक ने चार मैच की श्रृंखला के दूसरे मैच में नाबाद 39 रन की पारी खेली जबकि चौथे और अंतिम मुकाबले में आठ रन देकर एक विकेट चटकाया जिससे भारत को 3-1 से श्रृंखला जीतने में मदद मिली।

हार्दिक दूसरी बार टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में नंबर एक बने हैं। वह इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। पांड्या आईसीसी रैंकिंग में छलांग लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे वर्मा ने दो शतक की मदद से 280 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 69 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। वर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के बाद तीसरे स्थान पर हैं। वह भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले बल्लेबाज हैं।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के नुकसान से चौथे पायदान पर हैं। भारत के संजू सैमसन भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दो शतक की बदौलत बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 22वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा और नाथन एलिस को टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में सबसे अधिक फायदा हुआ है। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत तीन स्थान आगे बढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ नौवें स्थान पर हैं।

बुमराह का सामना करना बेहद कठिन : हेड

पर्थ ।ऑस्ट्रेलियई क्रिकेटरों का मानना है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अहम भूमिका निभा सकतो है। ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी उनको लेकर कितने परेशान है उसका अंदाजा हेड के सोशल मीडिया में आये इस बयान से लगाया जा सकता है जिसमें उन्होंने कहा कि बुमराह का सामना करना बेहद कठिन रहेगा। वहीं पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि वह कब आकर अपनी गेंदबाजी से मैच बदल दें कहा नहीं जा सकता। बुमराह शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट में भारत की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा इस मैच से बाहर हैं। आस्ट्रेलिया के कई वर्तमान और पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि जीत के लिए बुमराह को रोकना जरुरी होगा। बुमराह को लेकर ये डर वेवजह नहीं है। बुमराह ने पिछले दो टेस्ट दौरों पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ 32 विकेट लिए थे। हेड ने कहा, 'उसका सामना करना बेहद कठिन है। आपको लगता है कि आप एक कदम आगे हैं लेकिन हमेशा वह आपसे एक कदम आगे निकलता है। खेल के किसी भी प्रारूप में वह सबसे अलग है। वह एक्स फैक्टर है और हर मैच में छाप छोड़ने वालों में से है। बड़े मैचों में आपको बड़े खिलाड़ी चाहिये और वह सबसे बड़ा है। वह बल्लेबाजों की परेशानी का कारण बनने वाला है। बुमराह का गेंदबाजी एक्शन भी पारंपरिक नहीं है जिससे भी उन्हें समझना कठिन होता हे। वहीं सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा, 'जब मैने पहली बार बुमराह का सामना किया तो मुझे लगा कि अरे यह अचानक कहां से आ गया।

कोएत्जी, एडवर्ड्स और सुफियान को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर लगी फटकार

दुबई - नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स, ओमान के गेंदबाज सुफियान महमूद और दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को सप्ताहांत में अपने मैचों में आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। एडवर्ड्स को खिलाड़ियों और सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के दो अनुच्छेदों का उल्लंघन करते पाया गया। अनुच्छेद 2.8 जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने' से संबंधित है और अनुच्छेद 2.2 जो 'अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग' ' से संबंधित है। ओमान और नीदरलैंड के बीच तीसरे टी-20 के दौरान उनके आउट होने के बाद दोनों उल्लंघन हुए। पहली घटना उस समय हुई जब एडवर्ड्स ने पगबाधा आउट दिए जाने पर अंपायर को अपना बल्ला दिखाया। वहीं दूसरी घटना में उन्होंने अपनी टीम के ड्रेसिंग रूम की ओर लौटते समय अपना बल्ला और दस्ताने मैदान पर फेंक दिए। प्रतिबंधों के अनुसार उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और दो डिमेरिट अंक प्राप्त किए गए हैं। उसी मैच में महमूद पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया, क्योंकि उन्हें खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया। यह घटना उस समय हुई जब गेंदबाज (महमूद) ने बल्लेबाज तेजा निदामनुरु को आउट किया और उन्हें वापस उनकी टीम के ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा करके विदा किया। एडवर्ड्स और महमूद दोनों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार किए और आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के नियामुर राशिद राहुल द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार किया और इस तरह औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं रही। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच चौथे टी-20 में गेराल्ड कोएत्जी को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। कोएत्जी को इसके लिए फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया।

कैरी ने इन बदलावों से हासिल किया फार्म

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरु होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले शानदार लय में आ गये हैं। कैरी ने हाल ही में घरेलू टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में काफी रन बनाये हैं। कैरी के अनुसार अपनी बल्लेबाजी में किए गए सामान्य तकनीकी बदलाव से ही वह अच्छा फार्म हासिल कर पाये हैं। कैरी ने शेफील्ड शील्ड सत्र में 90.4 की औसत से 452 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। सत्र की शुरुआत में कैरी की बल्लेबाजी में बदलाव इन कारणों से आये हैं। पहला कारण यह है कि वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से लंबे समय से दूर हैं जिससे वह तरोताजा हुए है। दूसरा कारण तकनीकी बदलाव है जो उन्होंने गेंदबाज के गेंद छोड़ने पर बल्ले को थोड़ा ऊपर रखकर किया, जिससे उन्हें अपने स्ट्रोकप्ले को ताकत और सटीकता के साथ हिट करने के लिए अधिक समय मिला। कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के पहले टीम प्रशिक्षण सत्र के बाद कहा, यह केवल मामूली है, लेकिन इस समय ऐसा लगता है कि मैं अच्छी स्थिति में हूं और गेंद पर काफी अच्छी तरह से प्रतिक्रिया कर रहा हूं। आप खेलते हैं और खेलते हैं और, आपको वास्तव में बहुत अधिक चीजों पर काम करने का मौका नहीं मिलता है। उन्होंने कहा, कुछ समय के लिए मैच नहीं होने के कारण मैंने अपने हाथों से थोड़ा सा खेल किया और कुछ ऐसा पाया जो अच्छा लगा और उसी के साथ आगे बढ़ा। मैंने अपने हाथों को थोड़ा ऊपर उठाया, बल्ले को आसमान की ओर उठाया और वहां से, बस प्रतिक्रिया करने की कोशिश की। यह तुरंत ही काफी अच्छा लगा, इसलिए मुझे बहुत अधिक खोज करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। अब उनका लक्ष्य टेस्ट सीरीज में अपने फार्म को बनाये रखना है।

नडाल ने टेनिस को अलविदा कहा , डेविस कप का अपना अंतिम मैच हारे

मलागा (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस स्टार रफल नडाल ने खेल से संन्यास ले लिया है। यहां हुए डेविस कप क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड्स के हाथों स्पेन की हार के साथ ही नडाल का करियर समाप्त हो गया। अपने इस अंतिम टूर्नामेंट में नडाल को बॉटिक वैन डे जैस्चुल्प ने 6-4, 6-4 से हराया। डेविस कप के साथ ही टेनिस से विदा होते हुए 38 साल के नडाल भावुक हो ये और उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करते हुए कहा कि मैं खुशकिस्मत था जो अपने शौक को करियर बना सका और इतनी सफलता हासिल कर सका। 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि डेविस कप में वह अपना पहला मैच हार गए थे और अब अपना अंतिम मैच भी हार गये। इस तरह उन्होंने एक सर्किल को पूरा कर लिया है। नडाल का नाम विश्व के महाने टेनिस खिलाड़ियों में शामिल है । पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रहे नडाल सर्बिया के नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। जोकोविच के नाम 24 खिताब हैं जबकि नडाल के नाम 22 खिताब हैं। फ्रैंच ओपन के सबसे सफल खिलाड़ी होने की वजह से उन्हें लाल बजरी का बादशाह भी कहा जाता है। 22 ग्रैंड स्लैम में से 14 खिताब उन्होंने फ्रैंच ओपन के रुप में जीते हैं। इसके अलावा 4 बार स-ओपन और 2-2 बार विबंलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किए। नडाल ने अपने करियर में 1080 एकल खिताब जीते हैं। इसके सात ही वह 209 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर 1 रहे। उनके नाम 92 एकल खिताब भी हैं।

इसके अलावा उन्होंने 2008 ओलंपिक में टेनिस के एकल में स्वर्ण पदक भी जीता था हालांकि इस बार वह फाइनल में जोकोविच से हार गये थे। उनके शानदार करियर के सम्मान में सेंटर कोर्ट पर एक समारोह का भी आयोजन किया गया था। उनके करियर की झलकियां दिखाता वीडियो जब चलाया गया तो नडाल की आंखें भर आई। समारोह के बाद नडाल ने अपने साथी खिलाड़ियों को गले लगाया और दोनों हाथों से उनका अभिवादन किया। नडाल की विदायी को लेकर स्विटरजरलैंड के रोजर फेडरर और अमेरिका की सेरेना विलियम्स सहित कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ियों ने भी उन्हें अपना संदेश देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय टीम का आना बीसीसीआई नहीं सरकार पर निर्भर : शोएब अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने चैम्पयंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाक दौरे से इंकार करने को लेकर कहा कि ये क्रिकेट बोर्ड नहीं बल्कि सरकार पर निर्भर है। अख्तर ने कहा, यह वास्तव में सरकारों पर निर्भर है। इसका बीसीसीआई से कोई लेना-देना नहीं है। दौरे का फैसला सरकार ही कर सकती है। इस मामले में वे ही फैसला करेंगे। इसलिए हमें उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। हमें समाधान की उम्मीद करनी चाहिए। हम सभी जानते हैं कि आईसीसी को 95-98 प्रतिशत प्रायोजन लाभ भारत से मिलता है। भारतीय टीम के नहीं आने से पाकिस्तान आईसीसी प्रायोजन करार से मिलने वाले 100 मिलियन डॉलर खो देगा जबकि मेजबान देश कमाएगा। इसलिए अच्छा ये होगा कि भारत पाकिस्तान में आकर खेले। लेकिन यह वास्तव में सरकार पर निर्भर करता है। इसका बीसीसीआइ से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, विराट कोहली पाकिस्तान में बेहद लोकप्रिय हैं। पूरा पाकिस्तान विराट को खेलते देखना चाहता है। कल्पना कीजिए कि वह पाकिस्तान में शतक बनाता है। यह अच्छा होगा, वह यहां शतक नहीं बनाता और जल्दी आउट हो जाता है। यह उसके लिए एक पूर्ण चक्र होगा। उन्होंने आगे कहा, पाक पर यह ठप्पा लगा है कि वह विश्व कप या चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं कर सकता। अगर यह चैंपियंस ट्रॉफी सफल होती है, तो यह बड़े आयोजनों के लिए एक कदम होगा। इसलिए मुझे भारतीय टीम के आने की उम्मीद है।

यशस्वी पर्थ में सफल रहा तो आगे परेशानी नहीं आयेगी : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रहे रवि शास्त्री ने युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में और बेहतर बल्लेबाज के तौर पर उभरेगा। शास्त्री ने कहा कि अगर यशस्वी पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट में अच्छा स्कोर करते हैं तो उन्हें अन्य मैचों में भी परेशानी नहीं आयेगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया से वापसी पर वह एक बेहतर बल्लेबाज के तौर पर उभरेगा। उसकी तकनीकी और रवैया बेहद सकारात्मक रहता है। इसी कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ सफल रहा था। वह सहजता से खेलता है जिससे गेंदबाज उसपर दबाव नहीं बना पाते। वह हालात के अनुरूप ढल जाता है। पर्थ की पिच में काफी उछाल है इसलिए यहां खेलना आसान नहीं है ऐसे में यहां सफल रहना सबसे काफ अहम होगा। इसके लिए आपको इसके लिए तैयार रहना होगा। लेकिन यहां सफल रहने पर वह आगे अच्छा ही खेलेगा। उसे ऐसी पिचें पसंद भी है और खुलकर रन बना सकता है।

यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ इस साल की शुरूआत में टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। शास्त्री ने कहा, 'वह काफी चुनौतियों का सामना करके आया है इसलिए रनों की भूख और जुनून उसकी आंखों में दिखता है। वह खेल में डूब जाना चाहता है। शास्त्री जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह काफी कठिन होगा। मैं तीन बार कोच के तौर पर यहां आया हूं और मुझे पता है कि आपको सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाने के लिए शुरू से ही अच्छा खेलना होगा। मेजबानों को जरा भी अवसर नहीं दिया जा सकता। यही एक तरीका है। और कोई तरीका नहीं है।

उन्होंने कहा, 'आपको शुरू ही से समझना होगा कि मीडिया ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ ही होगा पर आप अच्छा खेलते हैं तो मीडिया आपका भी साथ देगा। वहीं विराट कोहली के खराब फॉर्म को लेकर शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट श्रृंखला की शुरूआत से ही कोहली फिर से रन बनाएगा। उसे बनाना ही है और मैं उसे फिर से उसी तरह खेलते देखना चाहता हूं। ऑस्ट्रेलिया में उसने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईपीएल नीलामी में ऋषभ को मिल सकती है सबसे अधिक रकम : उथप्पा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को आईपीएल नीलामी में सबसे अधिक 25-28 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। दिल्ली कैपिटल्स द्वारा रिटेन न किए जाने के बाद ऋषभ पर सऊदी अरब के जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली नीलामी में सभी टीमों की निगाहें रहेंगी। नीलामी में उनके होने से, पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जैसी टीमों उन पर भारी बोली लगा सकती हैं। उथप्पा ने कहा, मुझे लगता है कि ऋषभ पंत को 25-28 करोड़ के आसपास में खरीदा जाएगा। उन्हें निश्चित रूप से बड़ी रकम मिलेगी और वे इस नीलामी में सबसे अधिक भुगतान पाने वाले खिलाड़ी बनेंगे। पंत को इतनी कीमत पर खरीदना देखना दिलचस्प होगा, क्योंकि मुझे लगता है कि पंजाब किंग्स उन्हें खरीदना चाहेगी और आरसीबी भी उन्हें नेतृत्व की भूमिका और विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर खरीदना चाहेगी। वहीं भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इसी तरह की राय जाहिर की। मुझे लगता है कि ऋषभ आईपीएल के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। अगर पंत और पंजाब किंग्स के बीच अच्छा तालमेल है, तो वे उन्हें खरीदने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, नहीं तो आरसीबी ऋषभ के लिए सबसे संभावित जगह बन जाएगी। लेकिन मेरा मानना ??है कि अन्य टीमें भी पंत के लिए बोली लगाएंगी। इस मेगा नीलामी में भारतीय खिलाड़ी सबसे ज्यादा बिकने वाले हैं।उथप्पा को यह भी लगता है कि डीसी श्रेयस अय्यर को वापस खरीदने के लिए कड़ी मेहनत करेगी. जो 2015 से 2021 तक फ्रेंचाइजी के साथ थे।

इस मैदान पर अर्शदीप सिंह का करियर फलेगा-फूलेगा : रॉबिन उथप्पा का दावा

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा कि वह चाहेंगे कि लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मेगा नीलामी के दौरान तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के लिए कड़ी मेहनत करे। बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज को जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली आईपीएल मेगा नीलामी से पहले पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने रिलीज कर दिया था। अर्शदीप ने 60 टी20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और पहले ही 18.10 की औसत से 95 विकेट ले चुके हैं, जिससे वह टी20 में भारत के लिए सबसे सफल तेज गेंदबाज बन गए और 2022 में डेब्यू करने के बावजूद अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इस साल भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा और टूर्नामेंट में 8 मैचों में 12.47 की औसत से 17 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

अर्शदीप का आईपीएल रिकॉर्ड

2019 से अपने आईपीएल डेब्यू के साल से अर्शदीप ने 65 मैचों में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने 27.00 की औसत से 76 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/32 का रहा है। इस साल सीजन में उनका अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन रहा। उन्होंने 14 मैचों में 26.58 की औसत से 19 विकेट लिए।

लखनऊ का मैदान बढ़िया होगा

रॉबिन ने कहा कि वह चाहेंगे कि एलएसजी ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस पर अपने 'राइट-टू-मैच' का इस्तेमाल करे और अर्शदीप के लिए जाए। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज को इकाना स्टेडियम में गेंदबाजी करना पसंद आएगा। उन्होंने कहा कि मैं आरटीएम के रूप में स्टोनिस को चुनूंगा। मैं वास्तव में अर्शदीप के लिए कड़ी मेहनत करूंगा क्योंकि यह एक ऐसा स्थान है जिसमें उसे गेंदबाजी करने में भी मजा आएगा। यह एक बड़ा स्थान है, इसलिए तेज गेंदबाज इन स्थानों को पसंद करते हैं। यह बड़ा मैदान है। पिच पर उछाल भी होती है। वह वैसे भी सामान्य परिस्थितियों में फलता-फूलता है। मुझे लगता है कि वह यहां खूब फलेगा-फूलेगा।

अयोध्या में संत सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पांच सौ साल पहले एकजुट हुए होते, तो नहीं देखना पड़ता गुलामी का मुंह : सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में किया सुग्रीव किले के श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण

पब्लिक एशिया ब्यूरो

अयोध्या » मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या में सुग्रीव किले के भव्य श्री राजगोपुरम द्वार का अनावरण किया। इस अवसर पर देशभर से आए साधु-संतों को संबोधित करते हुए उन्होंने अयोध्या की पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अयोध्या में भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण और सनातन धर्म की एकता पर बल देते हुए कहा कि जो काम 500 साल से रुका हुआ था, जिसके लिए न जाने कितनी पीढ़ियां बलिदान हो गईं, वो केवल सनातनियों के एकजुट होने मात्र पर मोदी जी के नेतृत्व में दो वर्ष में ही पूरा हो गया। अगर 500 साल पहले हमने एकता दिखाई होती, तो गुलामी का सामना नहीं करना पड़ता।

...तो दुनिया की कोई ताकत हमें कमजोर नहीं कर सकती : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी स्मृतियां हमें समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं। जब भी हम एकता का परिचय देंगे, तो दुनिया की कोई ताकत हमें कमजोर नहीं कर सकेगी। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 500 साल का लंबा इंतजार समाप्त हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान करने का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने सनातन धर्मावलंबियों की एकता को इस सफलता का आधार बताया।

मानीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी बुधवार को अयोध्या में प्राचीन ऐतिहासिक दिव्यदेश श्री सुग्रीव किला में स्थापित श्री राजगोपुरम का अनावरण करते हुए।

सीएम ने की समाज को बिखराव से बचने की अपील : मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में धर्म और समाज को कमजोर करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या जो समाज और राष्ट्र को कमजोर करती हो, हमें उससे खुद को अलग करना होगा। ऐसे तत्वों को बेनकाब कर समाज से अलग-थलग करना धर्म का कार्य होना चाहिए।

देवरहा बाबा से भी रहा है सुग्रीव किला का संबंध : मुख्यमंत्री ने कहा कि सुग्रीव किला का संबंध देवरहा बाबा से भी रहा है। उन्होंने बताया कि यह स्थल श्रीराम के वनवास काल से जुड़ा है, जब भरत जी ने इसे श्रीराम के निवास के लिए तैयार किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इस किले तक पहुंचने का मार्ग संकरा था, लेकिन अब इसे चौड़ा और सुगम बना दिया गया है। उन्होंने इसे अयोध्या के विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। योगी ने कहा कि अयोध्या अब न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण का केंद्र है, बल्कि विश्व की सबसे सुंदर नगरी के रूप में भी विकसित हो रही है।

अयोध्या में हो रहा विश्वस्तरीय सुविधाओं का विकास : योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन चुका है, जो अयोध्या को वैश्विक स्तर पर जोड़ने में मदद करेगा। उन्होंने अयोध्या को विश्व की सबसे सुंदर नगरी बनाने का संकल्प दोहराया और इसे अयोध्यावासियों की जिम्मेदारी बताया कि वे इस धरोहर को सुरक्षित और संरक्षित रखें। मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास के साथ अन्य धार्मिक स्थलों के कायाकल्प की भी बात कही। उन्होंने कहा कि संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या को श्रीराम के आदर्शों वाली नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने संत पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज के योगदान का भी उल्लेख करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त किया। इस अवसर पर जगद्गुरू रामानुजाचार्य पूज्यस्वामी श्रीविश्वेशप्रपन्नाचार्य जी महाराज, श्रीरंगम से पधारे संतजन, हनुमानगढ़ी के श्रीमहंत धर्मदास जी महाराज, श्रीमहंत रामलखन दास, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी सहित पूज्य संतजन एवं अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

» बोले सीएम योगी, पहले सुग्रीव किले तक आने का रास्ता था बेहद संकरा, आज दोनों ओर चौड़ी सड़कें

» संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या को श्रीराम के आदर्शों वाली नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा : योगी

तिब्बती बच्चों को अपनी भाषा, संस्कृति, धर्म से दूर कर रहे हैं चीनी बोर्डिंग स्कूल

एजेंसी

नई दिल्ली » चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की सरकार तिब्बत में बगावत को हमेशा के लिए शांत करने के लिए शिक्षा को हथियार बना कर काम कर रही है और तिब्बत में जगह-जगह तथाकथित आवासीय विद्यालयों में करीब आठ लाख तिब्बती बच्चों को माता-पिता की इच्छा के खिलाफ बलपूर्वक भर्ती कराके उन्हें तिब्बती भाषा एवं संस्कृति से पृथक कर घृणा एवं हिंसा सिखायी जा रही है। तिब्बती भाषा एवं संस्कृति के विद्वान एवं तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट के डॉ. ग्याल लो ने यहां सेंटर फॉर चाइना एनालिसिस एंड स्ट्रैटजी (सीसीएएस) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में तिब्बत में चीनी कम्युनिस्ट शासन की इस नयी दमनकारी बर्बर नीति का खुलासा किया। यह प्रणाली चीनी छात्रों की तुलना में तिब्बती और जातीय अल्पसंख्यक बच्चों को अधिक लक्षित करके बनायी गयी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीसीएएस के अध्यक्ष जयदेव रानाडे ने की।

डॉ. ग्याल लो ने बताया कि तिब्बती बच्चों पर चीन के सरकारी बोर्डिंग स्कूलों का बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। ये संस्थान तिब्बत में तिब्बती युवाओं की राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना को पारंपरिक संस्कारों से दूर करके चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडा में ढाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीनी बोर्डिंग स्कूल तिब्बती बच्चों की राजनीतिक विचारधारा और सांस्कृतिक संस्कारों को समाप्त करके उन्हें एक चीनी विचार में आत्मसात करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ये संस्थान, जिन्हें अक्सर आधुनिकीकरण और शिक्षा के उपकरण के रूप में स्थापित किया जाता है, ऐसे स्थान बन गए हैं जहाँ तिब्बती बच्चों को उनकी भाषा, धार्मिक प्रथाओं और ऐतिहासिक परंपराओं को नष्ट करने के लिए व्यवस्थित प्रयासों के अधीन किया जाता है। डॉ. ग्याल लो ने खुलासा किया कि 78 प्रतिशत तिब्बती छात्र (लगभग आठ लाख बच्चे) अब तिब्बत में औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूलों के एक नेटवर्क तक सीमित हैं, जहाँ उन्हें चीनी सरकार की नीति के तहत अपने परिवारों से जबरन अलग होने और व्यवस्थित एक चीन के सांस्कृतिक विचार में ढाला जा रहा है। इसके लिए माता-पिता को डराने-धमकाने और विकल्पों की कमी के ज़रिए अपने बच्चों को इन संस्थानों में भेजने के लिए मजबूर किया जाता है।उन्होंने कई ऐसे वीडियो भी साझा किये जिनमें बच्चों को बलपूर्वक गाड़ियों में डाल कर बोर्डिंग स्कूल ले जाया जा रहा है और एक बच्चा किसी तरह से छूट कर तेजी से भाग कर एक नदी में छलांग लगा देता है और आत्महत्या का प्रयास करता है हालांकि उसे किसी तरह से बचा लिया जाता है।

झारखंड के लातेहार में उग्रवादियों ने मचाया तांडव, पांच हाईवा को किया आग के हवाले

अनिल, पब्लिक एशिया

रांची » झारखंड के लातेहार में कल देर रात मंगलवार को कोयला ढुलाई में लगे पांच हाईवा को उग्रवादियों ने आग के हवाले कर दिया।इस दौरान उग्रवादियों ने चालकों के साथ मारपीट करने और 15-20 राउंड फायरिंग करने की भी सूचना है।

लातेहार के हेरहंज थाना क्षेत्र के लात जंगल के पास मंगलवार रात को उग्रवादियों ने डीवीसी द्वारा संचालित तुबेद कोल माइंस से कोयला ले जा रहे पांच हाईवा को आग के हवाले कर दिया। इस बाबत जेपीसी (झारखंड प्रस्तुत कमेटी) नामक उग्रवादी संगठन ने पर्चा छोड़कर घटना की जिम्मेदारी ली है। उग्रवादियों ने इस दौरान दहशत फैलाने के लिए 15 से 20 राउंड फायरिंग भी की है।

उग्रवादियों द्वारा कोयला ट्रांसपोर्टिंग के लिए जा रही पांच हाईवा को आग के हवाले कर देने से हाईवा पूरी तरह जलकर नष्ट हो गयी। जानकारी के मुताबिक 10 के 12 की संख्या में अपराधी पहुंचे और कोयला ट्रांसपोर्टिंग कर रही हाईवा वाहन में आग

लगा दिया ।उग्रवादियों ने घटनास्थल पर पर्चा छोड़ दिया है. जेपीसी (झारखंड प्रस्तुत कमेटी) नामक उग्रवादी संगठन ने घटना की जिम्मेदारी ली है। इस दौरान चालकों के साथ मारपीट की गई है।दहशत बनाने के लिए उग्रवादियों ने 15 से 20 राउंड गोली भी चलाई है। घटना के बाद आज अहले सुबह बुधवार को पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार कदम बढ़ा रही

एजेंसी

रायपुर/नई दिल्ली » प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मार्च 2026 तक नक्सलवाद के खात्मे के संकल्प की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार कदम बढ़ा रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नयी दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान यह बात कही। बैठक में राज्य के विकास, सुरक्षा एवं अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई।

श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ सरकार को नक्सलवाद के खिलाफ हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। बैठक के दौरान श्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे अभियानों और सुरक्षा बलों की कार्रवाई की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है।गृह मंत्री ने इन प्रयासों की सराहना की और केंद्र की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में नक्सल उन्मूलन की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई।

श्री साय ने कहा कि श्री शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी जा रही है। सुरक्षा के मोर्चे पर हमारी सरकार ने एंटी-नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की है। पिछले 11 महीने में लगभग 200 नक्सली मारे गए हैं, वहीं 700 से अधिक नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है।

अधिवक्ता शैलश सिंह ने राष्ट्रीय लोक दल की सदस्यता ग्रहण की

अधिवक्ता समाज राष्ट्रीय लोक दल के साथ-शैलश

पब्लिक एशिया ब्यूरो

लखनऊ» बुधवार को राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वर्तमान में केन्द्र सरकार में केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री जयंत चौधरी के नेतृत्व में आस्था जताते हुए उच्च न्यायालय में अधिवक्ता शैलेष कुमार सिंह ने रालोद के राष्ट्रीय सचिव श्री अनुपम मिश्रा की प्रेरणा से अपने तमाम सहयोगियों व साज के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

राष्ट्रीय सचिव श्री अनुपम मिश्रा ने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नवांगतुको का स्वागत करते हुए उन्हें किसान मसीहा स्व चौधरी चरण सिंह जी द्वारा किसानो, मजदूरों,नौजवान व समाज के वंचित वर्ग के लिए किए गए संघर्ष व कार्यों के विषय में अवगत कराते हुए सभी नवांगतुक सदस्यों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कन्धे से कन्धा मिलाकर पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए बढ़ चढ़कर काम करने का आह्वान किया। शैलश कुमार सिंह ने ने सर्वप्रथम ज़मीनी स्तर पर संगठन को मज़बूत बनाने का प्रयास किये जाने की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए अपने सभी साथियों से सहयोग व साथ का आह्वान किया।

सदस्यता ग्रहण के उपरांत सभी ने चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पार्टी के सिद्धांतों पर चलने का वचन लिया साथ ही

राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पार्टी के हित में हर संभव सहयोग एवं समर्पण हेतु तत्पर रहने का संकल्प लिया। सदस्यता ग्रहण करने वालों में अधिवक्ता शैलेश सिंह के अलावा प्रमुख रूप से अधिवक्ता अटल बिहारी ,जीतेन्द्र कश्यप, शरद श्रीवास्तव ,गौरव सिंह, करण,

अधिवक्ता वेद प्रकाश, संतोष कुमार, मोहित जायसवाल, शिवा सिंह, सुरेश, अखंड प्रताप सिंह व अन्य कई शामिल रहे।

प्रदूषण के लिए कोई सकारात्मक काम नहीं कर रही 'आप' सरकार

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली » दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी होने के साथ सबसे प्रदूषित शहर भी है। अक्टूबर के शुरुआत से लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है जिस पर अरविन्द केजरीवाल की रहनुमाई वाली आतिशी सरकार नियंत्रण पाने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। गैस चैंबर बनी राजधानी में स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति उत्पन्न होने के लिए दिल्ली सरकार जिम्मेदार है। यह बात त्रिलोकपुरी में पड़पड़गंज विधान सभा अध्यक्ष अमरदीप द्वारा आयोजित जनसभा में कही इस मौके पर उन्हें पगड़ी भी पहनाई गयी ।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्ष केजरीवाल सरकार और अब आतिशी सरकार प्रदूषण के लिए कोई सकारात्मक काम करने की बजाय प्रदूषण के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराती है। चार बार संशोधन करके विंटर एक्शन प्लान इस वादे के साथ लागू किया, प्रदूषण मुक्त दिल्ली बनाऐंगे और रेड लाईट ऑन गाड़ी ऑफ, ''विशेष जल छिड़काव अभियान'' 70 एंटी स्मॉग गन, स्मॉग टावर, ''धूल प्रदूषण के विरुद्ध, पानी छिड़काव अभियान'' कई योजनाओं को लागू करने के बावजूद दिल्ली में ग्रेप 4 लागू करने की नौबत आ गई है। दिल्ली वालों की सांसो छीन रहे गंभीर होते प्रदूषण की जवाबदेही सरकार के पास नही है। उन्होंने कहा कि

जब पंजाब में कांग्रेस सत्ता में थी तो केजरीवाल ने प्रदूषण के लिए पंजाब में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराकर केवल नौटंकी करते थे परंतु अब आप पंजाब में उनकी सत्ता होने पर दिल्ली में प्रदूषण के लिए अन्य पड़ोसी राज्यों को जिम्मेदार ठहराकर दिल्ली वालों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि जब कांग्रेस दिल्ली की सत्ता में थी, तो वह हमेशा दिल्ली के विषयों पर जवाबदेह होती थी लेकिन केजरीवाल लोगों की समस्याओं को सुने बिना केवल लोगों की प्रदूषण, टूटी सड़कों और अन्य समस्याओं को दूर करने की बजाय अपने मन की बात कह रहे है। केजरीवाल ने पूरे 11 वर्ष लोगों के कल्याण, राजधानी में सुधार के लिए कोई ठोस काम करने की बजाय लोगों को झूठ बोलकर सिर्फ गुमराह करने का काम किया है।

उन्हांने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण के मुद्दे पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई थी और उसे ग्रेप-4 लागू करने का निर्देश दिया था और पूछा था कि उसने प्रदूषण से निपटने के लिए पूरे साल में क्या कदम उठाए है। यह आश्यर्चजनक है कि सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट का कोई जवाब नहीं था। देवेन्द्र यादव ने कहा कि 1500 वर्ग किलोमीटर में फैली दिल्ली में वायु गुणवत्ता को मापने के लिए सिर्फ 40 स्टेशन नाकाफी है। लेकिन हकीकत यह भी है कि जिन क्षेत्रों में प्रदूषण अधिक होता है वहां एक्यूआई मापने वाले स्टेशन है। एक्यूआई स्टेशन 37 वर्ग किलोमीटर पर एक स्टेशन है। क्या हवा में गुणवत्ता है, कहना सरकार के प्रदूषण को रोकने वाले आंकड़ों में कितनी वास्तविकता है, यह कहना मुश्किल है? पर्यावरण विशेषज्ञ का कहना है कि एक स्टेशन से इतने बड़े क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने वाले इलाकों की पहचान नही हो सकती। मतलब साफ है आम आदमी पार्टी प्रदूषण रोकथाम के लिए सिर्फ खाना पूर्ति कर रही है।

नासिक से प्याज लेकर कांदा एक्सप्रेस रेलगाड़ी दिल्ली पहुंची

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली » राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्याज़ की खपत के लिए, नासिक से प्याज लेकर कांदा एक्सप्रेस रेलगाड़ी आज एक बार फिर दिल्ली के किशनगंज स्टेशन 1336 टन लेकर पहुंची। प्याज की विश्वसनीय और कम खर्च पर आपूर्ति के लिए रेल रेक द्वारा प्याज का बड़े पैमाने पर परिवहन किया जा रहा है। नासिक क्षेत्र के प्याज किसानों को थोक परिवहन के माध्यम से अतिरिक्त राजस्व का समर्थन मिल रहा है। रेल परिवहन में यह रणनीतिक बदलाव न केवल प्याज की कीमतों को स्थिर करके उपभोक्ताओं का समर्थन करता है बल्कि सहकारी समितियों

को सड़क के लागत प्रभावी परिवहन विकल्प को प्रदान करता है। रेलवे द्वारा किसानों को शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं को सीधे भेजने के लिए,शेतकरी समृद्धि की शुरुआत की हुई हैं। रेल द्वारा इतने बड़े पैमाने पर प्याज की ढुलाई से दिल्ली में प्याज की उपलब्धता में वृद्धि हो रही है। इस पहल से प्याज़ की आवक बढ़ रही है और मंडियो मे प्याज़ की खुदरा मूल्य भी स्थिर हो रही है।